सुविचार
निंदा का उद्गम ही हीनता और कमजोरी से होता है।
-हरिशंकर परसाई

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज़ Published from Ranchi

12
Urvashi Rautela Trolled For...

Ranchi ● Friday, 23 August 2024 ● Year : 02 ● Issue : 215 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE		
संसेक्स	:	80,905.30
निफ्टी	:	24,770.20

SARAFA		
सोना	:	6,880
चांदी	:	92.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

अगले साल जून में इंग्लैंड दौरे पर जाएगी टीम इंडिया

NEW DELHI : टीम इंडिया 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अगले साल जून में इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने गुरुवार को इसका शेड्यूल जारी किया। टेस्ट सीरीज की शुरूआत 20 जून से होगी। इसके साथ ही भारतीय टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के 2025-27 साइकिल का आगाज करेगी। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज अगले साल जून में शुरू होकर अगस्त तक चलेगी। 20 जून से हेडिंग्ले में पहला टेस्ट, 2 जुलाई से एजबेस्टन में दूसरा टेस्ट, 10 जुलाई से लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट, 23 जुलाई से ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथा टेस्ट और 31 जुलाई से 4 अगस्त तक लंदन के द ओवल मैदान पर पांचवां टेस्ट खेला जाएगा।

एयर इंडिया की फ्लाइट में बम की धमकी

NEW DELHI : एयर इंडिया की मुंबई से तिरुवनंतपुरम जा रही फ्लाइट 657 में बम की धमकी मिली। विमान तिरुवनंतपुरम पहुंच चुका था। तभी पायलट ने बम की सूचना दी। फ्लाइट में 135 पैसेंजर्स सवार थे। सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर इमरजेंसी घोषित की गई है। फ्लाइट को आइसोलेशन बे में ले जाया गया। जांच जारी है। यरपोर्ट अथॉरिटी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग के बाद सभी यात्री सुरक्षित हैं और उनके सामान की जांच की जा रही है। अथॉरिटी की ओर से यह भी कहा गया है कि फिलहाल चिंता की कोई बात सामने नहीं आई है। पिछले 3 महीने में फ्लाइट में बम की धमकी का यह छठवां केस है। इससे पहले जून में तीन फ्लाइट और मई में दो फ्लाइट में बम की धमकी दी गई थी।

बोत्सवाना में निकला दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हीरा

NEW DELHI : बोत्सवाना में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हीरा मिला है। रिपोर्ट के मुताबिक, कनाडा की फर्म लुकारा डायमंड की एक कैरो खदान में 2492 कैरेट का हीरा निकला है। यह 1905 में साउथ अफ्रीका में मिले 3106 कैरेट के कलिनन डायमंड के बाद अब तक का सबसे बड़ी हीरा है। कैरो खदान बोत्सवाना की राजधानी गेबरोन से करीब 500 किमी दूर है। इससे पहले 2019 में इसी खदान में 1758 कैरेट का सेवेलो हीरा मिला था। इसे फ्रांस की फैशन कंपनी लुई विटॉन ने खरीदा था। हालांकि, उन्होंने इसकी कीमत नहीं बताई थी। इससे पहले 2017 में बोत्सवाना की कैरो माइन में 1111 कैरेट का लेसेडी ला रोना हीरा मिला था, जिसे ब्रिटेन के एक ज्वेलर ने 444 करोड़ रुपए में खरीदा था। बोत्सवाना दुनिया के सबसे बड़े डायमंड प्रोड्यूसर्स में से एक है। दुनिया के 20 प्रतिशत हीरा का उत्पादन यहीं होता है। लुकारा डायमंड फर्म के हेड विलियम लैंब ने कहा, हम इस खोज से बेहद खुश हैं।

मुझे जमीन माफिया कहकर जेल में बंद कर दिया : हेमंत

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना कार्यक्रम के दौरान पलामू में छलका सीएम सोरेन का दर्द

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का दर्द पलामू में छलक पड़ा। उन्होंने ने कहा कि मुझे जमीन माफिया कहा गया। मुझे जमीन चोर कहा गया। इसी आरोप में मुझे जेल में भी बंद कर दिया। हेमंत सोरेन पलामू में पलामू प्रमंडल के तीन जिलों पलामू, गढ़वा और लातेहार की महिलाओं को झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना की सौगात देने के लिए पहुंचे थे। हेमंत सोरेन ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार ने उन्हें परेशान करने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। उनकी सरकार गिराने के खूब प्रयास हुए। उनकी पार्टी को तोड़ने-फोड़ने की कोशिशें हुईं। झारखंड के मुख्यमंत्री पर गलत आरोप लगाए गए। जेल भेज दिया गया। लेकिन, भगवान के घर देर है, अंधेर नहीं। इसलिए हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेश से वह प्रदेश की जनता के बीच हैं।

- रह-रहकर सरकार गिराने के हुए खूब प्रयास पार्टी को भी तोड़ने की हुई कोशिश
- केंद्र सरकार ने परेशान करने में कोई कसर बाकी नहीं रखी, मगर भगवान के घर में देर है, अंधेर नहीं

विस चुनाव में फिर होगा हिंदू-मुसलमान

हेमंत सोरेन ने कहा कि नवंबर-दिसंबर में झारखंड में विधानसभा के चुनाव होंगे। आपको सावधान रहना है। जैसे ही चुनाव करीब आएंगे, हमारे विरोधी हिंदू-मुस्लिम करना शुरू कर देंगे। लोकसभा चुनाव में उन्होंने ऐसा किया। लेकिन, झारखंड और देश की जनता ने उनकी ऐसी हालत कर दी कि सरकार बनाने के लिए बैसाखी का सहारा लेना पड़ा। उन्होंने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा और उसकी सहयोगी पार्टियां ही झारखंड के लोगों की सबसे बड़ी हितैषी हैं। हेमंत सोरेन ने कहा कि विपक्ष के लोग युवा आक्रोश रैली निकालने जा रहे हैं।

महिलाओं के खातों में पहुंचे 1000-1000 रुपये

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पलामू, गढ़वा और लातेहार की महिलाओं को 1000 रुपये की सौगात दी। उन्होंने वीर नीलांबर पीतांबर की धरती से रिमोट का बटन दबाकर योजना के लिए निबंधित पलामू प्रमंडल के तीनों जिलों की महिलाओं के खाते में 1000-1000 रुपये ट्रांसफर किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम लोगों के हित में उनकी सरकार ने महज 5 साल में बहुत से काम किए हैं। अबुआ आवास योजना, झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, पेंशन योजना की शुरूआत की, ताकि लोगों को जरूरत के समय किसी के सामने हाथ न फैलाना पड़े। वे अपने बच्चों की अच्छी परवरिश कर सकें। उन्हें पढ़ा-लिखा सकें। इसके लिए सरकार ने गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड की शुरूआत की है। बता दें कि रक्षा बंधन की पूर्व संध्या पर संथाल परगना के पाकुड़ से इस योजना का हेमंत सोरेन ने

शुभारंभ किया था। पाकुड़ के बाद वह पलामू पहुंचे। चियांकी में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए हेमंत सोरेन ने कहा कि हमारी महागठबंधन की सरकार रांची हेडक्वार्टर से चलने वाली सरकार नहीं है। यह सरकार गांव-देहात से चलने वाली सरकार है।

दिल्ली पुलिस ने किया दावा- दबोचे गए अलकायदा के 14 मेंबर

झारखंड से आठ आतंकी अरेस्ट रांची में छुपकर बैठा था सरगना

CRIME REPORTER RANCHI : गुरुवार को झारखंड एटीएस ने केंद्रीय एजेंसियों की जानकारी के बाद अलकायदा से जुड़े संदिग्धों के 16 ठिकानों पर छापेमारी की। झारखंड आतंकरोधी टीम ने एक साथ रांची, लोहरदगा और हजारीबाग के 16 ठिकानों पर छापेमारी कर 8 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार हुए सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। इस छापेमारी के लिए दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम दिल्ली से रांची आई थी। झारखंड एटीएस, दिल्ली पुलिस, एसटीएफ और रांची पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में अंतरराष्ट्रीय आतंकी गुट अलकायदा से जुड़े संदिग्धों के ठिकानों पर छापेमारी की। एटीएस ने 3 जिलों- लोहरदगा, हजारीबाग और रांची के 14 स्थानों पर रेड मारी। यहां से अलकायदा इंडियन सबकॉन्टिनेंट का स्लीपर सेल पकड़ा गया है। झारखंड के अलावा दिल्ली पुलिस ने राजस्थान, उत्तर प्रदेश में भी छापा मारा। पुलिस के मुताबिक, सरगना रांची में बैठा डॉ. इश्तियाक है, जो देश में खिलाफत और आतंकी हमलों की तैयारी में था। आतंकी मॉड्यूल के सदस्यों को हथियारों की ट्रेनिंग दी जा रही थी। इसी ट्रेनिंग के दौरान राजस्थान के भिवाड़ी से 6, जबकि झारखंड से 8 लोगों को हिरासत में लिया गया।

- सूबे के 16 ठिकानों पर दबिश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में भी छापेमारी
- चान्हो से पांच, लोहरदगा-हजारीबाग से एक व अन्य जिले से एक की गिरफ्तारी
- आतंकी मॉड्यूल के सदस्यों को हथियारों की दी जा रही थी ट्रेनिंग
- देश में खिलाफत और आतंकी हमलों की चल रही थी तैयारी

एक्यूआईएस में 200 लड़ाके

अलकायदा इन इंडियन सब-कॉन्टिनेंट (एक्यूआईएस) की शुरूआत 2014 में पूर्व अल-कायदा चीफ अयमान अल-जवाहिरी ने की थी। पाकिस्तान मूल का असीम उमर इसका शुरूआती सदस्य था। रिपोर्ट के मुताबिक, इंडियन सब-कॉन्टिनेंट में अल-कायदा के एक संगठन एक्यूआईएस (अल-कायदा इन इंडियन सब-कॉन्टिनेंट) के 200 लड़ाके मौजूद हैं। इनका लीडर आतंकी ओसामा महमूद है।

भारत में आतंकी संगठन अदकर की एक्टिविटी

दिल्ली में 2015 में तीन आतंकियों की गिरफ्तारी के बाद एक्यूआईएस की भारत में मौजूदगी का पहली बार पता चला था। दिल्ली पुलिस ने बाद में एक्यूआईएस के आतंकी मौलाना अब्दुल रहमान कासमी को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने दावा किया कि इस आतंकी संगठन ने झारखंड के जंगलों में ट्रेनिंग कैंप बना रखा है। जुलाई 2021 में यूपी पुलिस ने अल कायदा से जुड़े आतंकी संगठन अंसार गजवत उल हिंद के 2 आतंकियों को गिरफ्तार किया था। भारत में अब एक्यूआईएस का कोई बेस नहीं है। इस आतंकी संगठन से जुड़े लोगों का उद्देश्य झारखंड में आतंक का प्रचार करना, समान विचारधारा वाले युवाओं को कट्टरपंथी बनाना और भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए भर्ती करना है, ताकि लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को उखाड़ फेंका जा सके और भारत में गजवा-ए-हिंद को लागू किया जा सके। गिरफ्तार सभी आतंकवादी इसके प्रचार प्रसार करने में ही जुटे थे। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, पूछताछ पर आतंकी संगठन से जुड़े युवकों ने कहा कि संगठन का उद्देश्य क्षेत्र में आतंक का प्रचार करना, युवाओं को कट्टरपंथी बनाना, भारत में शरिया कानून स्थापित करने के साथ-साथ बांग्लादेश के खिलाफ युद्ध छेड़ने और भारत में गजवा ए हिंद को लागू करने के लिए एक नियमित भर्ती प्रक्रिया को अंजाम देना है।

हजारीबाग से गिरफ्तार संदिग्ध को रांची ले गई टीम

एटीएस ने हजारीबाग के लोहसिंघना थाना क्षेत्र से एक संदिग्ध आतंकी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार संदिग्ध की पहचान फैजान अहमद के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि अलकायदा इंडियन सबकॉन्टिनेंट का सक्रिय सदस्य है। टीम ने फैजान का मेडिकल टेस्ट कराने के बाद कोर्ट में पेश किया। इसके बाद टीम उसे अपने साथ रांची ले आई। जानकारी के मुताबिक लोहरदगा के कुड़ू थाना क्षेत्र में छापेमारी के दौरान 3 आर्म्स बरामद हुए। साथ ही कई लोगों से पूछताछ कर अन्य जानकारियां जुटाई गई।

यूएन में सुधार समय की मांग, रूस-यूक्रेन युद्ध चिंता की बात : पीएम

AGENCY NEW DELHI : भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पोलैंड के पीएम डोनाल्ड टस्क के साथ संयुक्त बयान में कहा, भारत और पोलैंड के संबंध बेहतर हो रहे हैं। पीएम मोदी ने पोलैंड की कंपनियों को भारत आने का निमंत्रण भी दिया। संयुक्त बयान में पीएम मोदी ने रूस-यूक्रेन युद्ध का जिक्र किया। उन्होंने कहा, दोनों देशों के बीच युद्ध चिंता का विषय है। संवाद, कूटनीति से ही शांति और स्थिरता संभव है। युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं है। मासूमों की जान की हानि चिंताजनक। पीएम मोदी ने कहा, भारत बातचीत से समाधान का पक्षधर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मैं खूबसूरत शहर वारसॉ में मेरा गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए पीएम टस्क को धन्यवाद देना चाहता हूं। आप लंबे समय से भारत के मित्र रहे हैं और भारत और पोलैंड के बीच संबंधों को बढ़ाने में आपका बहुत बड़ा योगदान है।

- संवाद, कूटनीति से ही शांति और स्थिरता संभव
- मोदी ने भव्य स्वागत के लिए पोलैंड के प्रधानमंत्री को दिया धन्यवाद
- भारत-पोलैंड अंतरराष्ट्रीय मंच पर तालमेल के साथ बढ़ रहे आगे

जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करना प्राथमिकता : राहुल गांधी

SRINAGAR : गुरुवार को कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और विपक्षी गठबंधन (इंडिया) जल्द से जल्द जम्मू-कश्मीर में पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है। श्रीनगर में पत्रकारों के साथ बातचीत में राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और सहयोगी दलों की प्राथमिकता है कि जल्द से जल्द जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज्य में विधानसभा चुनाव से पहले पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने की उम्मीद कर रही थी लेकिन चुनावों की घोषणा कर दी गई, जो एक कदम

आगे है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि लोकतंत्र बहाल होगा। उन्होंने दोहराया कि आजादी के बाद पहली बार किसी पूर्ण राज्य को केंद्र शासित प्रदेश में बदला गया है। राहुल गांधी ने कहा कि मैंने केंद्र शासित प्रदेशों को पूर्ण राज्यों में बदलते हुए सुना और देखा है लेकिन जम्मू-कश्मीर इसका अपवाद है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- डॉक्टरों के खिलाफ नहीं होगी कोई कार्रवाई

सीबीआई ने कहा- क्राइम सीन से की गई छेड़छाड़

AGENCY NEW DELHI : गुरुवार को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के डॉक्टर के साथ कथित दुष्कर्म और फिर उसकी हत्या की घटना के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि डॉक्टरों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगी। उन्हें काम पर लौटना चाहिए। सुनवाई के दौरान जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि ये केस चौंकाने वाला है। हमने पिछले 30 साल में ऐसा केस नहीं देखा। यह पूरा मामला सदमा देने वाला है। मामले में बंगाल पुलिस का व्यवहार शर्मनाक है। इससे पहले जांच एजेंसी सीबीआई और बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को स्टेटस रिपोर्ट सौंपी। सीबीआई ने कहा- केस की लीपापोती को कोशिश की गई। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि डॉक्टरों को काम पर लौटना पड़ेगा। डॉक्टरों के खिलाफ किसी तरह की कार्रवाई नहीं की जाएगी। हम समझते हैं कि वे अपसेट हैं लेकिन आपको काम पर लौटने की जरूरत है।

14 घंटे बाद क्यों दर्ज हुई एफआईआर

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कई सवाल भी खड़े किए। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि इस मामले में 14 घंटे बाद एफआईआर क्यों दर्ज की गई। कोर्ट ने पुलिस की भूमिका पर संदेह जताते हुए कहा कि ऐसी घोर लापरवाही इससे पहले कभी नहीं देखी। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि देर रात साढ़े 11 बजे पुलिस ने एफआईआर दर्ज की, जबकि शव इससे काफी पहले ही बरामद कर लिया गया था। सीजेआई ने सवाल किया है कि एफआईआर दर्ज करने में 14 घंटे की देरी क्यों की गई, इसका क्या कारण है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने आरजी कर हॉस्पिटल और मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल की दूसरी जगह नियुक्ति पर भी सवाल उठाए।

आंध्र प्रदेश विस्फोट

हादसे में जान गंवाने वालों के परिवारों को मिलेंगे एक-एक करोड़

VISAKHAPATNAM : आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू गुरुवार को अच्युतापुरम एसईजेड के दुर्घटना पीड़ितों से मुलाकात करने मेडिकवर हॉस्पिटल पहुंचे। उन्होंने वहां इलाज करा रहे घायलों से मिलकर डॉक्टरों से बात की। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार उनके उचित इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सभी उपाय करेगी। मुख्यमंत्री ने इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपये मुआवजा देने की घोषणा की। उन्होंने गंभीर रूप से घायलों को 50 लाख रुपये और मामूली चोटों वाले लोगों को 25 लाख रुपये का मुआवजा देने का ऐलान किया। सीएम नायडू ने घटना के पीड़ितों को इलाज के दौरान बहादुर बनने की सलाह दी। इसके बाद उन्होंने पीड़ित परिजनों से बात। इसके बाद मुख्यमंत्री ने अस्पताल के बाहर मीडिया से बात की। उनका कहना कि फार्मा कंपनी में हुई घटना बेहद दुखद और परेशान करने वाली थी। इस हादसे में 17 लोगों की मौत हो गई और 36 लोग घायल हो गए। उन्होंने कहा कि घायलों में 10 गंभीर रूप से घायल और 26 मामूली रूप से घायल हुए हैं। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि राज्य सरकार सभी पीड़ितों को सर्वोत्तम चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेंगे। हम उन लोगों के लिए प्लास्टिक सर्जरी भी करवाएंगे और जिन्हें इसकी आवश्यकता होगी। मुख्यमंत्री ने इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपये मुआवजा देने की घोषणा की।

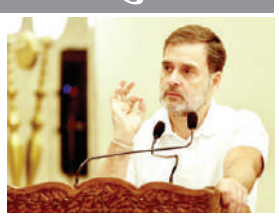

जंग के बदलते तरीकों ने पैदा किए नए हालात

दुनिया में बढ़ गई हथियार जमा करने की होड़

AGENCY NEW DELHI : अभी दुनिया में युद्ध की गंभीर स्थिति चल रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-हमास संघर्ष के मद्देनजर कई देशों में हथियार जमा करने की होड़ मची हुई है। इसके कारण भारत का रक्षा निर्यात बढ़ा है। भारत का रक्षा उद्योग अब 90 से ज्यादा देशों को हथियारों की आपूर्ति करता है और 10 साल के भीतर निर्यात में 30 गुना से ज्यादा की वृद्धि हुई है। भारत से रक्षा आयात के मामले में अमेरिका के साथ ही अफ्रीका, म्यांमार, इजराइल, फिलिपींस और आर्मेनिया देश आगे बढ़े हैं और कई बड़े ऑर्डर भी दिए हैं। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीपरी) की वार्षिक रिपोर्ट में भी इस बात का खुलासा किया गया है कि रूस-यूक्रेन और हमास-इजरायल संघर्ष ने हथियारों का जखीरा बढ़ाने के लिए कई देशों को आकर्षित किया है। इसी वजह से नए-नए हथियार बनाने वाले देशों का निर्यात तेजी से बढ़ रहा है। यूरोपियन देशों ने प्रमुख हथियारों का आयात लगभग दोगुना (+94 प्रतिशत) कर दिया है।

कई देशों में हथियारों पर अधिक खर्च के कारण भारत का बढ़ा रक्षा निर्यात

भारत से निर्यात किए जाने वाले उपकरण

भारत से निर्यात किए जाने वाले उपकरणों में छोटे हथियारों से लेकर लड़ाकू तेजस विमान, ब्रह्मोस मिसाइल, स्नाइपर राइफल, बुलेटप्रूफ जैकेट और हेलमेट, इलेक्ट्रॉनिक सामान, कई तरह के बख्तरबंद वाहन, हल्के टॉरपीडो, सिमुलेटर, ड्रोन और तेज हमला करने वाले जहाज शामिल हैं। केंद्र सरकार अफ्रीका और अन्य देशों को रक्षा उपकरणों की आपूर्ति के लिए आसान ऋण और कूटनीतिक प्रयास के साथ ध्यान केंद्रित कर रही है।

पहली तिमाही में निर्यात में 78% की वृद्धि, इजरायल-आर्मेनिया भी बड़े खरीदार

रक्षा मंत्रालय के आंकड़ों से पता चलता है कि 2024-2025 की पहली तिमाही में निर्यात में 78 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई है। अप्रैल-जून में रक्षा निर्यात एक साल पहले की समान अवधि के 3,885 करोड़ रुपये से बढ़कर 6,915 करोड़ रुपये हो गया। रक्षा निर्यात पहले से ही बढ़ रहा था, क्योंकि 2023-2024 में यह रिकॉर्ड 21,083 करोड़ रुपये (लगभग 2.63 बिलियन डॉलर) पर पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 2022-2023 के 15,920 करोड़ रुपये से 32.5 प्रतिशत अधिक है। म्यांमार भारत से मुख्य रूप से फ्यूज और गोला-बारूद खरीद रहा है। हाल के वर्षों में इजरायल और आर्मेनिया जैसे देश भी महत्वपूर्ण खरीदार बनकर उभरे हैं। इजरायल अपनी सहायक कंपनी के जरिये छोटे हथियारों के साथ-साथ कुछ फ्यूज और गोला-बारूद के अलावा ड्रोन संरचनाओं का आयात करता है। भारत ने फिलिपींस के साथ ब्रह्मोस मिसाइल,आर्मेनिया के साथ आर्टिलरी गन और वायु रक्षा प्रणालियों के लिए कुछ बड़े सौदे किए हैं। भारतीय रक्षा वस्तुओं का सबसे बड़ा आयातक अमेरिका है, जो भारत के कुल रक्षा निर्यात का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा है।

पुतिन घुसपैठ का फायदा उठाने की तैयारी में

बंटी यूक्रेन की सेना, उल्टा पड़ सकता है रूस पर अटैक

AGENCY NEW DELHI : यूक्रेन ने रूस के कुर्स्क इलाके में घुसपैठ करके दुनिया को चौंका दिया। यूक्रेन ने दो सप्ताह में रूस के 1263 वर्ग किमी इलाके पर कब्जा कर लिया। इसी के साथ यूक्रेन ने दुनिया को बता दिया है कि रूस इस जंग में एकतरफा नहीं जीत सकता है। हालांकि, एक और मोर्चे पर लड़ाई शुरू करने से यूक्रेन की सेना बंट गई है। इससे यूक्रेन की अपनी रक्षा करने की क्षमता पर असर पड़ेगा। जानकारों का कहना है कि यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की की यह जीत कम समय के लिए है और हार में बदल सकती है। अभी यूक्रेन का फोकस कुर्स्क पर है,

जिससे रूस को दोनेस्त्क के पोक्रोवस्क में आगे बढ़ने का मौका मिल रहा है। राजनीतिक विशेषज्ञ तातियाना स्टैनोवाया कहती हैं कि रूस अपनी दुसरे विश्वयुद्ध की रणनीति अपना रहा है। उसकी यह रणनीति रही है कि वह पहले दुश्मन को अंदर आने देता है और फिर घेरकर हमला करता है। इस वजह से यूक्रेन का कुर्स्क अभियान जेलेंस्की के लिए उल्टा साबित हो सकता है।

चांडिल डैम से मिला लापता जहाज के ट्रेनी पायलट व कैप्टन का शव

सोनारी एयरपोर्ट से उड़े प्रशिक्षु विमान के मलबे की आज होगी तलाश

चांडिल डैम में रेस्क्यू अभियान चलाते नौसेना के जवान • फोटोन न्यूज

नहा रहे शख्स ने डूबते देखा, रेस्क्यू में जुटी पुलिस

चांडिल डैम में डूब गया जमशेदपुर से उड़ा जहाज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : मंगलवार को दिन में करीब 11 बजे सोनारी एयरपोर्ट से उड़े ट्रेनी विमान के चांडिल डैम में डूबने की सूचना मिली है। डैम के पास नहा रहे स्थानीय निवासी रसु माझी ने जहाज को डैम में डूबते हुए देखा।

लापता हुआ विमान इसी तरह दिखता है। (सांकेतिक फोटो)

PHOTON NEWS JSR: सोनारी एयरपोर्ट से 20 अगस्त की सुबह उड़ान भरने के कुछ देर बाद से लापता ट्रेनी एयरक्राफ्ट की खोज के लिए नौसेना ने गुरुवार सुबह से ही विमान की तलाश शुरू कर दी है। इधर, गुरुवार सुबह स्थानीय मछुआरों ने डैम के पानी में एक शव पाया, जिसकी पहचान ट्रेनी पायलट शुभ्रदीप दत्ता के रूप में की गई थी। इधर, ट्रेनी पायलट का शव मिलने के बाद शाम 5 बजे कैप्टन जीत शत्रु आनंद का भी शव बरामद कर लिया है। पटना (बिहार) निवासी कैप्टन जीत का शव नौसेना ने घटनास्थल के पास से ही बरामद किया है। शव को नाव के सहारे किनारे की ओर लाया गया, जिसे पोस्टमार्टम के लिए सरायकेला सदर अस्पताल भेज दिया गया है। कैप्टन और ट्रेनी पायलट का शव मिलने से विमान के डैम में होने की संभावना भी बढ़ गई है। हालांकि, नौसेना के अभियान के बाद अब तक विमान का मलबा नहीं मिल पाया है। आज नौसेना विमान की तलाश ले लिए सर्च अभियान चलाएगी। इधर, विमान दुर्घटना के बाद कोलकाता से डीजीसीए की एक टीम जमशेदपुर एयरपोर्ट पहुंची जहां टीम ने अल्केमिस्ट एविएशन द्वारा चलाए जा रहे विमानों की जांच की वहीं दुर्घटना ग्रस्त हुए विमान के बारे में भी जानकारी ली। टीम ने यह जांच किया कि विमान का रखरखाव सही तरीके से किया गया था या नहीं, आखिरी बार विमान का मेंटेनेंस कब किया गया था। टीम चांडिल डैम भी गई थी। टीम को विमान के मिलने का इंतजार है जिसके बाद टीम विमान की भी जांच करेगी।

डीजीसीए ने एविएशन कंपनी पर लगाई थी रोक

जमशेदपुर में अल्केमिस्ट एविएशन के विमान उड़ान की ट्रेनिंग पर डीजीसीए ने एक बार रोक लगाई थी। 27 फरवरी 2018 को अल्केमिस्ट एविएशन का एक ट्रेनी विमान दुर्घटनाग्रस्-?त हुआ था। जांच के दौरान विमान की स्थिति ठीक नहीं मिली थी। बाद में खामियों को दूर करने पर ट्रेनिंग शुरू हो गई। 27 फरवरी 2018 को एक विमान का चक्का उतरने के दौरान फट गया था। इसके बाद 16 मार्च 2022 को सोनारी एयरपोर्ट पर एक विमान का अगला चक्का उड़ान भरने के दौरान नहीं खुला था।

प्राथमिकी दर्ज करने की तैयारी में पुलिस

सरायकेला-खरसावां जिला पुलिस मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की तैयारी कर रही है। मामले को लेकर जिले के एसपी मुकेश कुमार लुनायत ने बताया कि शव मिलने के बाद पुलिस मामले में प्राथमिकी दर्ज करेगी। हालांकि, अभी तक पुलिस को किसी तरह की लिखित शिकायत नहीं मिली है। परिजनों द्वारा लिखित शिकायत देने के बाद पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई करेगी।

पूर्व सीएम चम्पाई सोरेन एक हफ्ते में करेंगे अपने नए राजनीतिक सफर का खुलासा

कहा- जनता के समक्ष रखूंगा मेरे 5 महीने के शासनकाल का हिसाब-किताब

PHOTON NEWS CHAIBASA: झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री सह मंत्री चम्पाई सोरेन झामुमो से बगावत का बिगुल फूंकने के बाद कोल्हान क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं। उनके इस दौरे को लोग राजनीतिक पारी की एक नई शुरूआत के रूप में देख रहे हैं। चम्पाई सोरेन ने गुरुवार को चाईबासा में कहा कि बस एक हफ्ते का इंतजार कीजिए, उनके नए अध्याय के किताब के सभी पन्ने वे खोलकर जनता के सामने रख देंगे। उन्होंने राजनीति से संन्यास लेने से इंकार कर दिया है, लेकिन किसी पार्टी में शामिल होने और नए राजनीतिक दल बनाने के विकल्प को फिलहाल सुरक्षित रखा है। साफ है कि चम्पाई सोरेन इन दो विकल्पों में से किसी एक को चुनकर आगे के राजनीतिक सफर की नई शुरूआत करेंगे। हालांकि, उन्होंने अभी भी भाजपा से दोस्ती से न तो इंकार किया है और ना ही भाजपा से दूरी बनाने की बात कही है। यानी, भाजपा के साथ जाने का विकल्प भी चम्पाई ने खुला रखा है। चाईबासा परिसदन में पत्रकारों से बात करते हुए चम्पाई सोरेन अपने उन दिनों को याद करते हुए भावुक नजर आए, जब उन्होंने अपने साथियों के साथ झारखंड अलग राज्य के लिए आंदोलन किया था। मजदूरों को उनका हक और अधिकार दिलाने के लिए औद्योगिक घरानों और सरकार की ईंट से ईंट बजा दी थी। वे आंदोलन में शहीद हुए अपने साथियों को याद कर रहे थे। सोला पूर्ति से लेकर मछुआ गागराई की शहादत को वे याद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनता ने उन्हें झारखंड के विकास के लिए चुना। जनता के विश्वास पर खरा उतरने के लिए उन्होंने कदम बढ़ाया है। झामुमो को उन्होंने बनाया था, इसलिए उसे तोड़ नहीं सकते। झारखंड के विकास के लिए अब वे अपनी राजनीति का नया अध्याय शुरू करेंगे। आज जहां भी मैं जा रहा हूं, जनता का अपार प्यार और समर्थन देखकर मैं अभिभूत हूं। इसी स्नेह और विश्वास के बलबूते मैं जनता के लिए आगे बढ़ूंगा। उन्होंने एक हफ्ते के अंदर नए राजनीतिक सफर के सस्पेंस को तोड़कर जनता के सामने रखने की बात कही है। उन्होंने कहा कि मैं जनता के सामने मेरे मुख्यमंत्रित्व काल के 5 महीने के कार्यकाल को ले जाऊंगा और उनसे जनता की सेवा के लिए आशीर्वाद मांगूंगा।

कल मुख्यमंत्री आएंगे हजारीबाग, मंईयां सम्मान योजना में होंगे शामिल

HAZARIBAG : झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का प्रमंडल स्तरीय कार्यक्रम 24 अगस्त को प्रस्तावित है। हजारीबाग के नगवां स्थित सिंदूर मैदान परिसर में अपराह्न 12.30 बजे से आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मुख्य अतिथि होंगे। इस कार्यक्रम के मद्देनजर गुरुवार को उपायुक्त नैन्सी सहाय, पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह, उपविकास आयुक्त प्रेरणा दीक्षित आदि ने कार्यक्रम स्थल का दौरा कर हर तैयारी का निरीक्षण किया।

बता दें झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का प्रमंडल स्तरीय कार्यक्रम को लेकर सिंदूर मैदान परिसर में व्यापक तैयारी की गई है। कार्यक्रम स्थल पर सभी तरह की तैयारी पूर्ण कर ली गई है। विधि व्यवस्था संधारण हेतु पुलिस जवानों को तैनात कर दिया गया है। साथ ही पदाधिकारियों को भी जिम्मेदारी तय कर दी गई है। इसके साथ ही उपायुक्त ने जिले के सभी वरीय पदाधिकारियों,सभी बीडीओ/सीओ तथा सभी सात जिलों (प्रमंडलीय जिला) के सामाजिक सुरक्षा पदाधिकारियों के साथ जूम मीटिंग कर संबंधितों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की तैयारी में कोई कमी नहीं रहने दें। उन्होंने कहा कि झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना के तहत 21 से 50 वर्ष तक की उम्र की हर बहनों को खुशियों का उपहार के रूप में 12 हजार रुपए दिया जा रहा है। अर्थात, हर महीने एक हजार की सम्मान राशि दिया जाना है।

कोल इंडिया ने सरप्लस आवास की उपयोगिता को लेकर बनाई उच्चस्तरीय कमेटी, करेगी जांच

बीसीसीएल के 8403 आवासों पर सिर्फ बाहरी लोगों का कब्जा

PHOTON NEWS DHANBAD: कोल इंडिया अपने सरप्लस आवासों को लेकर चिंता करना शुरू कर दिया है। आवासों की उपयोगिता को लेकर 19 अगस्त को उच्चस्तरीय कमेटी का गठन किया है। इसमें बीसीसीएल के निदेशक (कार्मिक) मुरली कृष्णा रमैय्या, ईसीएल व सीसीएल निदेशक (वित्त), कार्यकारी निदेशक (जमीन अधिग्रहण), कोल इंडिया के महाप्रबंधक (कार्मिक व औद्योगिक संबंध) को संयोजक बनाया गया है। इसके साथ ही इस कमेटी में एचएमएस, एटक, सीटू व बीएमएस के प्रतिनिधि को भी शामिल किया गया है। कोल इंडिया द्वारा गठित कमेटी से संबंधित पत्र बुधवार को

बीसीसीएल सहित सभी कंपनी को प्राप्त हो गया। इस कमेटी का गठन कोल इंडिया डीपी विनय रंजन की, जो जेबीसीसीआइ के सदस्य सचिव भी हैं, उनकी अनुशंसा पर हुई है।

कोल इंडिया के 58736 आवासों पर कब्जा : कोल इंडिया व अनुषंगी कोल कंपनियों के 58736 आवासों पर गैरकर्मियों यानी बाहरी लोगों का कब्जा है। इसमें सेवानिवृत कोल कर्मी के साथ-साथ कई संगठन के लोग जुड़े है। रिपोर्ट के अनुसार 14575 आवासों पर रिटायर कोल कर्मचारियों ने कब्जा कर रखा है। कई रिटायर कर्मियों ने अपना पावना बकाया तक कंपनी के पास छोड़ कर आवास में रह रहे हैं। उन्हें लीज पर आवास मिल जाने से सुविधा होगी।

कोल इंडिया से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक सबसे अधिक अवैध कब्जा कोल इंडिया की सहायक कंपनी सीसीएल के आवासों पर है। इसमें 19591 आवासों पर गैर कर्मी व 2618 आवासों पर रिटायर कोल कर्मियों का कब्जा है। वहीं बीसीसीएल के 8403 आवासों पर सिर्फ बाहरी लोगों का कब्जा है।

लंबे समय से आवास लीज पर देने की उठ रही मांग

कोल इंडिया में बोकारो सहित अन्य पब्लिक सेक्टर की तरह सेवानिवृत कोल कर्मी सहित इसमें पहले से रह रहे लोगों को एक नियम तैयार कर उन्हें ही लीज पर आवास आवंटन करने की मांग लगातार उठ रही है। कोयला मंत्री के पास भी राजनीतिक दलों के साथ-साथ पांचों केंद्रीय यूनियन ने प्रमुखता से उठाया था। इस पर मंत्रालय ने अपनी सकारात्मक पहल करने की बात कही थी। अब कोल इंडिया ने उच्चस्तरीय कमेटी का गठन कर प्रक्रिया का आगे बढ़ा दिया है।

चम्पाई ने खरसावां की शहीद वेदी पर अर्पित किए पुष्प

SARAIKELA : पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन गुरुवार को खरसावां के चांदनी चौक स्थित शहीद वेदी पर मत्था टेक नए अध्याय की शुरूआत की। इस मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष सोनाराम बोदरा, सिमल सोरेन, बबलू सोरेन, विधायक प्रतिनिधि सनद कुमार आचार्य सहित काफी संख्या में सामाजिक और झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चम्पाई ने एस्कॉर्ट के दिवंगत सुरक्षाकर्मी को दी श्रद्धांजलि

- परिवार को बंधाया ढांढस, कहा- हर तरह का मिलेगा सहयोग

CHAIBASA: पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन का एस्कॉर्ट वाहन मंगलवार की देर रात दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इसमें चालक विनय बानसिंह की मौत हो गई थी। चम्पाई ने गुरुवार को मृतक के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें ढाढस बंधाया। उन्होंने दिवंगत पुलिस जवान को श्रद्धांजलि अर्पित की। चम्पाई सोरेन ने इस बाबत ट्वीट कर कहा है कि कल एक सड़क दुर्घटना में मेरी सुरक्षा में तैनात चालक सह सुरक्षाकर्मी विनय कुमार बानसिंह का निधन हो गया था। गुरुवार को प. सिंहभूम जिले के खूंटपानी प्रखंड अंतर्गत भोया गांव में उनकी समाधिस्थल पर पुष्प अर्पित कर, उन्हें श्रद्धांजलि दी। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवार के साथ हैं। उन्होंने कहा कि मृतक के परिजनों को जो भी सरकारी सहायता होगी, वह जल्द दिलाने का प्रयास करेंगे। इसके साथ ही मृतक के बेटा को सरकारी नौकरी भी जल्द से जल्द मिले, इसका प्रयास जारी रहेगा।

चाईबासा में चम्पाई सोरेन का किया गया जोरदार स्वागत

पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन गुरुवार को दोपहर चाईबासा पहुंचे। जहां पोस्ट ऑफिस चौक पर भाजपा नेता काबू दत्ता, भाजपा के पूर्व प्रत्याशी मनोज लेयांगी के नेतृत्व में उनका गाजे-बाजे और आतिशबाजी के साथ जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान चम्पाई सोरेन जिंदाबाद.. चम्पाई दा संघर्ष करो हम तुम्हारे साथ हैं... के नारे गूंजे। इस दौरान काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

भारत बंद में पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाना दुर्भाग्यजनकः राधाकृष्ण किशोर

AGENCY PALAMU : छतरपुर-पाटन के पूर्व विधायक राधा कृष्ण किशोर ने गुरुवार को एक प्रेस बयान जारी कर कहा है कि भारत बंद के दौरान पलामू जिले के पाटन के किशुनपुर गांव में पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाना दुर्भाग्यजनक है। आरक्षण के संदर्भ में शांतिपूर्ण आंदोलन किया जाना व्यवस्था सम्मत है, लेकिन ऐसे अवसरों पर पड़ोसी मुल्क का जिंदाबाद का नारा लगाया जाने का क्या अर्थ है? इस बात को इस संगठन के नेता स्पष्ट कर सकते हैं जिनके बैनर तले बंद समर्थकों के द्वारा पड़ोसी मुल्क जिंदाबाद के नारे लगाए जा रहे थ। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों के द्वारा इस तरह के नारे लगाने से भारत की एकता अखंडता और संप्रभुता पर कोई

खतरा नहीं हो सकता। यह सर्वविदित है कि पड़ोसी मुल्क का राजनीतिक व्यवहार भारत के प्रति सदैव खराब रहा है। भारत के साथ उसका यह व्यवहार सीमा पर युद्ध जैसे रवैया से भी झलकता है। पूर्व विधायक ने कहा कि किसी भी देश की सभ्यता और संस्कृति का सम्मान करना अच्छी बात है, परंतु इसके मायने यह नहीं है कि हम वैसे मुल्क का गुणगान करें, जिंदाबाद का नारे लगाए, जिनकी राजनीतिक विचारधारा हिंदुस्तान विरोधी हो। वैसे पड़ोसी मुल्क जो भारत से इतना नफरत करता हो। उसका जिंदाबाद करना घोर निंदनीय है। पड़ोसी मुल्क को भले ही आधिकारिक रूप से शत्रु देश घोषित नहीं किया गया हो, परंतु भारत के प्रति वहां की शासकीय व्यवस्था का बर्ताव कुछ कम भी नहीं है। ऐसे मुल्क का जिंदाबाद का नारा लगाना वैसे लोगों की मनः स्थिति को दशार्ता है। किशोर ने कहा कि आरक्षण में वर्गीकरण को लेकर सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा दिया गया निर्णय अनुसूचित जाति-जनजाति के किसी एक उपजाति का नहीं है। दोनों जातियों में सैकड़ो उपजातियां हैं और लगभग सभी अनुसूचित जाति-जनजाति के लोग सर्वोच्च न्यायालय के उक्त फैसले से सहमत नहीं है।

डालसा ने वृद्धाश्रम में बांटी खाद्य सामग्री

CHAIBASA : झारखंड राज विधिक सेवा प्राधिकार, रांची तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार मोहम्मद शाकिर के निदेर्शानुसार विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर झींकपानी बासाहातु स्थित ओल्ड एज होम में जिला विधिक सेवा प्राधिकार पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा ने विविध कार्यक्रम का आयोजन किया। डालसा सचिव राजीव कुमार सिंह की उपस्थिति में आश्रम में आवासित वृद्धजनों के बीच खाद्य सामग्री बांटी गई। इस मौके पर सदस्य विकास दोदराजका, उप प्रमुख एलएडीएस सुरेंद्र प्रसाद दास, अनुपम गोस्वामी, पीएलवी संजय निषाद आदि उपस्थित थे।

नामांकन में गुरुनानक कॉलेज दूसरे से तीसरे स्थान पर पहुंचा

- शैक्षणिक सत्र 2024-28 में नामांकन को लेकर चांसलर पोर्टल ने जारी की अल्पसंख्यक कॉलेजों की सूची

DHANBAD : अल्पसंख्यक कॉलेजों के मामले में धनबाद के गुरुनानक कॉलेज की अलग पहचान है। हालांकि इस बार चांसलर पोर्टल की रिपोर्ट के अनुसार गुरुनानक कॉलेज दूसरे पायदान से खिसक कर तीसरे पायदान पर आ गया है। वहीं रांची का संत जेवियर्स कॉलेज पहले स्थान पर बना हुआ है। वर्तमान में गुरुनानाक कॉलेज में स्नातक शैक्षणिक सत्र 2024-28 में नामांकन की बात करें तो यहां 2081 आवेदन नामांकन के लिए प्राप्त हुए थे। इसमें से 1712 आवेदन पेड थे और इनमें से 920 छात्र-छात्राओं का नामांकन यहां लिया गया। संत जेवियर्स कॉलेज में सबसे अधिक आवेदन नामांकन के लिए पड़ा था। यहां कुल 6226 आवेदन मिले और 3495 का आवेदन पेड रहा। दूसरे स्थान पर गॉसनर कालेज रांची आता है। यहां 4453 आवेदन के विरूद्ध 1308 का नामांकन लिया गया है।

व्यावसायिक पाठ्यक्रम में बीबीएमकेयू 5वें स्थान पर

विभिन्न विश्वविद्यालयों के कॉलेजों में संचालित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में नामांकन के मामले में बीबीएमकेयू पांचवें स्थान पर है। यहां अब तक अलग-अलग व्यवसायिक पाठ्यक्रमों में 238 का नामांकन हुआ है, जबकि विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग में 756, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय रांची में 708, जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय में 335, नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय पलामू में 323 और सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका में 144 नामांकन लिया गया है।

चम्पाई सोरेन अपनी बातें पार्टी अध्यक्ष से कहते तो अच्छा होता : कल्पना

GIRIDIH : पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन को लेकर एक सप्ताह से जारी सियासी उठापठक के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी और विधायक कल्पना सोरेन ने आज कहा कि चम्पाई वरिष्ठ नेता हैं। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर अपने मन की बात लिखी है, इस पर मैं कुछ कहना नहीं चाहती हूं। कल्पना सोरेन ने कहा कि मैं झारखंड मुक्ति मोर्चा की सिपाही हूं। चम्पाई भी जेएमएम के सिपाही हैं। चम्पाई सोरेन को जो भी बात कहनी थी, उसे पार्टी अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष से कहते तो अच्छा रहता। कल्पना से जब पूछा गया कि चम्पाई के जाने से पार्टी को कितना नुकसान हो सकता है, इस सवाल को टाल दिया। कल्पना सोरेन गुरुवार को गिरिडीह परिसदन भवन में सदर विधायक सुदिव्य कुमार और झामुमो जिलाध्यक्ष संजय सिंह की मौजूदगी में कार्यकताओं से बात की और उनकी समस्या को समझा।

दो-तीन दिन में देवघर, गोड्डा, दुमका, धनबाद, साहेबगंज समेत कई जिलों में भारी बारिश होने की संभावना

राजधानी में जमकर हुई वर्षा, येलो अलर्ट किया जारी

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में गुरुवार की सुबह से ही रुक-रूककर वर्षा हो रही है, जिससे राजधानी का तापमान गिरने लगा है। तेज धूप होते ही वर्षा होने लगती है। इस वर्षा से किसानी को काफी लाभ पहुंच रहा है। आसमान में काले बादल छाए हैं और रूक-रूककर हो रही वर्षा ने नगर निगम की सफाई व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। अधिकांश जगहों पर नालों का गंदा पानी उफनकर बाहर निकल रहा है। इससे राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कोकर इंडस्ट्रियल एरिया, बूटी, हिंदपीढ़ी, लालपुर, कांटाटोली की स्थिति नारकीय बन गई है। आमजन व वाहन चालक किसी तरह बचकर सड़कों पर चल रहे हैं। रही सही कसर इन क्षेत्रों में गंदगी का ढेर पूरा कर रहा है। समुचित सफाई नहीं होने का खामियाजा लोगों को उस वक्त भुगतना पड़ता है, जब तेज वर्षा होती है। कहीं वाहन चालक छपाक हो जाते हैं तो कहीं लोग सड़कों के गड्ढ़ों का शिकार हो जाते हैं। वहीं मौसम विज्ञान केंद्र रांची के पूवार्नुमान के अनुसार राजधानी में 25 अगस्त तक हल्की व मध्यम दर्जे की वर्षा होने की ये स्थिति बनी रहेगी। वर्षा के बाद गुरुवार को तापमान कम हो गया और लोगों को गर्मी से भी राहत मिली है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची द्वारा जारी पूवार्नुमान की बात करें तो अगले दो से तीन घंटे के दौरान राज्य के उत्तरी हिस्से यानी देवघर, गोड्डा, दुमका, जामताड़ा, धनबाद, गिरिडीह, पाकुड़ और साहेबगंज समेत बोकारो, खूंटी, रांची, रामगढ़, हजारीबाग, गुमला में भारी वर्षा होने की संभावना है। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। पूरे राज्य में सक्रिय मानसून का असर देखने को मिल रहा है। बंगाल की खाड़ी में बने साइक्लोनिक सकुर्लेशन का असर लगातार दिख रहा है।

मौसम विभाग ने जारी की चेतावनी

मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने प्रभावित जिलों के आमजनों से घर से बाहर संभलकर निकलने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि इन जिलों में यह स्थिति 23 अगस्त तक बनी रहेगी। कहा कि अगले चार दिनों तक तापमान में बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है। राज्य के लगभग सभी स्थानों पर हल्की व मध्यम दर्जे की वर्षा होने की प्रबल संभावना है।

ऐसा रहा मौसम

पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो राज्य के कई स्थानों पर मेघगर्जन के साथ हल्की व मध्यम दर्जे की वर्षा हुई, जबकि कहीं-कहीं भारी वर्षा रिकार्ड की गई है। पूरे राज्य में मानसून की गतिविधि सामान्य बनी हुई है। सबसे अधिक उच्चतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस बोकारो का, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रांची का रिकार्ड किया गया। वहीं राजधानी रांची में अधिकतम 30.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

कृष्ण की भक्ति में लीन यूक्रेनी महिला को जाना था हावड़ा, पहुंच गई कोडरमा

KODERMA : यूक्रेन की महिला वृंदावन में बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन के बाद हावड़ा के लिए ट्रेन पर बैठी थी, लेकिन भूलावश कोडरमा पहुंच गई। यहां से

ऑटो में बैठकर डोमचांच चली गई। किसी को भी उसकी भाषा समझ में नहीं आने पर एक व्यक्ति ने उसे नवलशाही थाना पहुंचा दिया। इसके बाद एसपी अनुदीप सिंह के प्रयास से उसे पुलिस की टीम के साथ हावड़ा भेजा गया। यूक्रेन की महिला टेटियाना क्रावेट्स एक साल की वीजा लेकर भारत आई है। वह दिल्ली से 18 अगस्त को वृंदावन पहुंची थी। वहां दर्शन के बाद हावड़ा के लिए ट्रेन में सवार हुई। रास्ते में उन्हें पता चला कि यह ट्रेन हावड़ा नहीं जाएगी तो कोडरमा स्टेशन पर उतर गई।

नेत्र शिविर का मंत्री, सांसद व विधायक ने किया उद्घाटन

अनुमंडल अस्पताल में शिविर का उद्घाटन करते दीपक बिरूवा • फोटोन न्यूज

CHAKRADHARPUR : सुमीता होता फाउंडेशन के प्रयास व टाटा स्टील फाउंडेशन के सहयोग से शंकर नेत्रालय द्वारा गुरुवार को अनुमंडल अस्पताल में नेत्र जांच सह मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर लगाया गया, जो 30 अगस्त तक चलेगा। इसका उद्धघाटन मंत्री दीपक बिरुवा, सांसद जोबा माझी, विधायक सुखराम उरांव व सिविल सर्जन डॉ. सुशांत कुमार माझी ने दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर के पहले दिन 200 लोगों का रजिस्ट्रेशन हुआ और सभी की नेत्र जांच की गई। शिविर को संबोधित करते हुए दीपक बिरुवा ने कहा कि आंखें ईश्वर का सर्वोत्तम उपहार हैं। जब तक हमारी दृष्टि उत्तम है, तब तक हमें इसके महत्व का ज्ञान नहीं होता। जोबा माझी ने कहा कि गरीब ग्रामीण अपनी आंखों का ऑपरेशन पैसों के अभाव में नहीं कर पाते हैं, वैसे लोगों को ऐसे शिविर से लाभ होगा। सुखराम उरांव ने कहा कि सुदूरवर्ती क्षेत्र के लोग जानकारी के अभाव और पैसों की कमी के कारण नेत्र जांच करने में असमर्थ रहते हैं।

BRIEF NEWS

खेलो झारखंड जोनल वीमेन वुशु लीग कल से मेरठ में

RANCHI : खेलो झारखंड जोनल वीमेन वुशु लीग 24 अगस्त से मेरठ में शुरू होगा। यह लीग 24 से 27 अगस्त तक मेरठ के गॉडविन पब्लिक स्कूल में आयोजित होनी है। पूरे भारत में महिलाओं के बीच वुशु खेल को ग्रासरूट लेवल तक विकसित करने के उद्देश्य से स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के द्वारा इस अस्मिता योजना की शुरूआत की गयी है। इस प्रतियोगिता में पूरे जोन के तकरीबन 500 खिलाड़ी 7.20 लाख की इनामी राशि के लिए जोर आजमाइश करेंगी। झारखंड से 45 सदस्यों वाली महिला टीम इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए रवाना होगी।

महिला पुलिस अधिकारियों का सम्मेलन आज से

RANCHI : महिला पुलिस अधिकारियों का दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन 23 और 24 अगस्त को डोरंडा स्थित जैप-1 के शौर्य सभागार में आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पहल पर डीजीपी अनुराग गुप्ता के नेतृत्व और दिशा-निर्देश पर झारखंड पुलिस के द्वारा आगामी 23 एवं 24 अगस्त को दो दिवसीय महिला पुलिस अधिकारियों का राज्य स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन का थीम महिला पुलिस सेवा, सुरक्षा एवं सम्मान रखा गया है।

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की गई जान

RANCHI : रांची के नामकुम थाना क्षेत्र के रिंगरोड के कवाली में गुरुवार को अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। मृतक की पहचान बरगावां निवासी बिमल कुमार के रूप में हुई है। बिमल कुमार बरगावां पंचायत के वार्ड सदस्य बताए जा रहे है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया।

26 अगस्त को मनाई जाएगी श्री कृष्ण जन्माष्टमी

RANCHI : बोड़ेया के ऐतिहासिक मदन मोहन मंदिर में 26 अगस्त को धूम-धाम से श्री कृष्णा जन्माष्टमी महोत्सव मनाया जाएगा। इसके लिए मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। मंदिर में श्री कृष्णा जन्माष्टमी के दिन सुबह से ही पूजा-पाठ शुरू हो जाती है। यह रात्रि भगवान के जन्म के बाद तक चलती है। जन्माष्टमी के दिन प्रात 8 बजे आरती होगी। इसके पहले पूजा-पाठ के लिए मंदिर खोल दिया जाएगा। संध्या 7:30 बजे महाआरती होगी एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा। रात्रि 8 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम भजन संध्या का आयोजन होगा, जो देर रात तक चलेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अध्यक्ष सुधांशु नारायण तिवारी, सचिव मनोज तिवारी, कोषाध्यक्ष गोपाल नारायण तिवारी संरक्षक गोविंद नारायण तिवारी, अजय मिश्रा, विनय नारायण तिवारी, राकेश नारायण तिवारी, मनोहर तिवारी, अभय तिवारी, मुरारी तिवारी एवं मंदिर समिति के सभी सदस्य लगे हुए हैं।

ट्राइबल की आबादी कम होती जा रही और चुप है केंद्र

झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ के मामले में केंद्र सरकार को हाईकोर्ट की फटकार

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार की ओर से शपथ पत्र दाखिल नहीं किए जाने पर कड़ी टिप्पणी की। कोर्ट ने आईबी, यूआईएडीआई और बीएसएफ की ओर से अलग-अलग शपथ पत्र दाखिल किए जाने के लिए चार सप्ताह का समय मांगे जाने पर कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताते हुए मौखिक कहा कि झारखंड में ट्राइबल की आबादी कम होती जा रही है और केंद्र सरकार चुप है।

झारखंड का निर्माण आदिवासियों की हितों की रक्षा के लिए किया गया था। लगता है केंद्र सरकार बांग्लादेशी घुसपैठियों के झारखंड में प्रवेश को रोकने को लेकर कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रही है। आईबी हर सप्ताह 24 घंटे काम करती है लेकिन बांग्लादेशी घुसपैठियों जैसे संवेदनशील मुद्दों पर अपना जवाब दाखिल नहीं कर रही है। बीएसएफ की भी बांग्लादेशी घुसपैठियों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका है लेकिन प्रतीत होता है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों को रोकने के मामले में केंद सरकार का सकारात्मक रुख नहीं है। कोर्ट ने मौखिक कहा जब राज्य सरकार द्वारा मामले में जवाब दाखिल किया जा चुका है तो केंद्र सरकार को जवाब दाखिल करने में क्यों परेशानी हो रही है। केंद्र सरकार जवाब दाखिल करने के लिए 4 से 6 सप्ताह का समय मांग रही है।एसा क्यों? केंद्र सरकार द्वारा 4 सप्ताह का समय मांगे जाने संबंधी हस्तक्षेप याचिका (आईए) को खारिज करते हुए केंद्र सरकार को दो सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई 5 सितंबर निर्धारित की है। इससे पहले राज्य सरकार की ओर से 6 जिलों के डीसी एवं एसपी की ओर से जवाब दाखिल किया गया। कोर्ट ने मौखिक कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला देश की सुरक्षा को से जुड़ा है इसलिए सभी प्रतिवादियों को समय से अपना जवाब दाखिल करना होगा। बता दे कि पिछली सुनवाई में कोर्ट ने भारत सरकार के इंटेलिजेंस ब्यूरो के डायरेक्टर, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के डायरेक्टर जनरल, चीफ इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया , डायरेक्टर जनरल यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया, एनआईए को प्रतिवादी बनाया था, उन्हें नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। दरअसल, बांग्लादेशी घुसपैठियों पर कार्रवाई के संबंध में हाईकोर्ट ने पिछली सुनवाई में संथाल परगना के 6 जिलों के डीसी को शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया था।

अमन सिंह हत्याकांड : पिंटू सिंह को मिली बेल

गैंगस्टर अमन सिंह की जेल में हत्या के आरोपी जैनेंद्र सिंह उर्फ पिंटू सिंह को हाईकोर्ट ने जमानत की सुविधा प्रदान कर दी है। पिंटू सिंह धनबाद के पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह की हत्या के केस में भी आरोपी है। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने उसे इस केस में बेल दे दी थी। अमन सिंह हत्याकांड में बेल मिलने के बाद अब वह जेल से बाहर आ सकता है। पिंटू सिंह की बेल पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुभाष चांद की कोर्ट में सुनवाई हुई। पिंटू सिंह की ओर से अधिवक्ता जितेंद्र सिंह ने बहस की।

स्टेट बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन लिमिटेड के एमडी तलब, सुनवाई 27 अगस्त को

कांके नगड़ी स्थित नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी को बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराने से संबंधित दायर जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई। मामले में कोर्ट ने झारखंड स्टेट बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन लिमिटेड के एमडी को 27 अगस्त को तलब किया है। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया की भवन निर्माण के डीपीआर तैयार करने में झारखंड स्टेट बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन को प्रोजेक्ट के कुल लागत का 10फीसद खर्च आएगा, यह राशि उसे उपलब्ध कराई जाए। जिस पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के लिए अतिरिक्त भवन सहित आधारभूत संरचना के लिए राज्य सरकार ने 25 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं, जो की काफी कम है। ऐसे में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी कांके के अतिरिक्त भवन को लेकर डीपीआर बनाने के लिए प्रोजेक्ट के कुल लागत का 10फीसद की राशि कहां से आएगा। इससे पूर्व की सुनवाई के दौरान सीसीएल, सेल आदि की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि वह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, कांके के अतिरिक्त भवन सीएसआर फंड के तहत तैयार करा सकता है, लेकिन उसे भवन का डीपीआर बनाकर दिया जाए। राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता आशुतोष आनंद एवं अधिवक्ता शाहबाज अख्तर ने पैरवी की।

निकाय चुनाव मामले में राज्य सरकार की अपील पर सुनवाई 27 अगस्त को

RANCHI : राज्य में निकाय चुनाव को लेकर राज्य सरकार की अपील पर अब विस्तृत सुनवाई 27 अगस्त को होगी। मामले की सुनवाई हाई कोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में गुरुवार हुई। इससे पहले गुरुवार को सुबह 10:30 बजे प्रतिवादी पूर्व पार्षद रोशनी खलखो की ओर से कोर्ट से इस केस की जल्द सुनवाई करने का आग्रह किया गया था। इसके बाद खंडपीठ ने मामले की सुनवाई दोपहर 3:45 निर्धारित की। सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता सचिन कुमार ऑनलाइन रूप से जुड़े। प्रतिवादी की ओर से अधिवक्ता विनोद सिंह ने कोर्ट से कहा कि राज्य सरकार निकाय चुनाव कराने को लेकर टालमटोल रवैया अपना रही है, हर बार समय लेकर इस मामले को टालने का प्रयास सरकार कर रही है। एकल पीठ का आदेश उनके पक्ष में आया है और वह सही है । संविधान के अनुसार राज्य में अविलंब निकाय चुनाव होना चाहिए।

हेमंत सरकार हर मोर्चे पर विफल, बहू-बेटियों की इज्जत भी सुरक्षित नहीं

इंडी गठबंधन का वजूद खतरे में : बाबूलाल

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड में इंडी गठबंधन का वजूद खतरे में है। डूबती नाव से लोग भाग रहे हैं। वे गुरुवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह कार्यक्रम में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि कि भाजपा अभी प्रदेश में संघर्ष कर रही है। सत्तारूढ़ दल को छोड़कर भाजपा में शामिल होकर इस संघर्ष का साथी बनना एक बड़ी बात है। आप लोगों के योगदान से केवल सरायकेला, जमशेदपुर ही नहीं बल्कि पूरे झारखंड में पार्टी को ताकत और बल मिलेगा। साथ ही इससे राज्य में एक अच्छा मैसेज भी जाएगा। संघर्ष के साथियों का भाजपा में स्वागत है। मरांडी ने कहा कि आज झारखंड प्रदेश की जो हालत है, वह किसी से छुपा हुआ नहीं है। झारखंड सरकार हर मोर्चे पर विफल है। राज्य सरकार ने राज्य के युवा, किसान, महिला, आदिवासी, दलित, पिछड़ा यानि सभी वर्गों को ठगने का काम किया है। वर्तमान झारखंड सरकार के पाप का घड़ा पूरी तरह भर चुका है, यह सरकार बस अब कुछ दिनों की मेहमान है। विधानसभा चुनाव अब काफी नजदीक है। हम सबों को मिलकर इस वर्तमान भ्रष्ट और निक्कमी सरकार को यहां से हटाना बहुत जरूरी है। मरांडी ने कहा कि आज प्रदेश की कानून व्यवस्था की क्या हालत है, यह बतलाने की जरूरत नहीं है। चोरी, डकैती, हत्या, अपहरण चरम पर है, बहू बेटियों की इज्जत भी सुरक्षित नहीं है। जब तक किसी भी प्रदेश की कानून व्यवस्था ठीक नहीं होगी, भय का वातावरण जब तक समाप्त नहीं होगा, तब तक कोई भी प्रदेश प्रगति नहीं कर सकता है।

मिलन समारोह में उपस्थित बाबूलाल मरांडी व अन्य। ● फोटोन न्यूज

इन्होंने थामा भाजपा का दामन

मिलन समारोह में कांग्रेस नेता सह इंटक के प्रदेश सह सचिव चंदन कुमार सिंह, आम आदमी पार्टी के प्रदेश उप संयोजक प्रेम कुमार, सरायकेला खरसावां कांग्रेस के जिला महामंत्री विनोद कुमार सिंह, सरायकेला खरसावां कांग्रेस के जिला सचिव राम विचार राय, कांग्रेस नेता नीरज कुमार सिंह, शैलेश गुप्ता, पंकज कुमार सिंह राघवेंद्र सिंह, संजय कुमार सिंह सहित सैकड़ों लोगों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

राज्य स्तरीय सम्मेलन को लेकर गृह सचिव और एडीजी ने किया निरीक्षण

PHOTON NEWS RANCHI : महिला पुलिस अधिकारियों का दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन को लेकर गुरुवार को गृह सचिव वंदना डाडेल और एडीजी सुमन गुप्ता ने रांची महिला थाना का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने महिला थाना के सभी पदाधिकारियों और आरक्षियों से परिचय प्राप्त किया तथा उनके कार्यों और जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी ली।

मौके पर, पीड़ित महिलाओं से उनके मामलों के संबंध में बातचीत की गई, और उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना गया। इसके साथ ही, महिला थाना में उपलब्ध संसाधनों से संबंधित समस्याओं पर भी चर्चा की गई। गृह सचिव और एडीजी ने महिला थाना की आवश्यकताओं और संसाधनों की कमी के बारे में एक विस्तृत सूची तैयार करने के निर्देश दिया। साथ ही महिला थाना परिसर के रखरखाव, सुरक्षा व्यवस्था, और अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में भी गृह सचिव एवं एडीजी द्वारा महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए। इन दिशा-निदेर्शों के पालन को सुनिश्चित किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण निरीक्षण के दौरान, उन्होंने महिला पुलिसकर्मियों के साथ संवाद स्थापित किया और उनकी कार्य परिस्थितियों एवं चुनौतियों के बारे में भी चर्चा की। गृह सचिव और एडीजी ने महिला थाना की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक सुधारों के सुझाव भी दिए। गृह सचिन ने कहा कि डीजीपी के नेतृत्व में आयोजित होने वाले महिला पुलिस सम्मेलन का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा महिलाओं के द्वारा और उनके सशक्तिकरण को सुनिश्चित करना है।

निरीक्षण के दौरान गृह सचिव व एडीजी। ● फोटोन न्यूज

मुख्यमंत्री हेमंत से मिले डीजीपी और एडीजीपी

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय पर राज्य के पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता और अपर पुलिस महानिदेशक सुमन गुप्ता ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर दोनों अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को प्रथम दो दिवसीय राज्य स्तरीय महिला पुलिस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होने का निमंत्रण पत्र सौंपा। उल्लेखनीय है कि रांची में राज्य स्तरीय महिला पुलिस सम्मेलन-2024 का आयोजन 23- 24 अगस्त को होगा।

आज मोरहाबादी मैदान के पास लागू रहेगी धारा 144

- पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों का एक जगह जमा होना या चलना निषिद्ध
- किसी प्रकार का अस्त्र-शस्त्र निकालने या चलाने पर रोक

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार यानी 23 अगस्त को राजधानी रांची के मोराबादी मैदान के 500 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा यानी धारा 144 लागू रहेगी। यह आदेश रांची के सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार की ओर से जारी किया गया है। निषेधाज्ञा दिन के 11 बजे से लेकर रात 11 तक लागू रहेगी। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि प्राप्त सूचनानुसार, कतिपय संगठनों, दलों द्वारा धरना, प्रदर्शन, जुलूस, रैली इत्यादि किए जाने की सूचना है। मुख्यमंत्री आवास घेराव की संभावना है। हाल के दिनों में पूर्व में निर्धारित स्थान जाकिर हुसैन पार्क की जगह यह कार्यक्रम राजभवन मुख्य द्वार, मुख्यमंत्री आवास, कांके रोड पर भी हो रहे हैं। इस प्रकार के कार्यक्रमों से सरकारी काम-काज में व्यवधान उत्पन्न होने के साथ-साथ यातायात व्यवस्था बाधित होती है। विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होने तथा शांति भंग होने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। इसे लेकर रांची के सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार ने धारा-163 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त आदेश जारी किया है।

डोरंडा थाना प्रभारी ने स्लॉटर हाउस पर की कार्रवाई

RANCHI : गुरुवार को रांची डोरंडा थाना क्षेत्र मे थाना प्रभारी आनंद किशोर प्रसाद ने स्लॉटर हाउस पर बड़ी कार्रवाई की। बता दें कि झारखंड हाईकोर्ट के आदेश के बाद डोरंडा थाना प्रभारी लगातार अपने क्षेत्र में जहां तहां खुले में बिक रहे मांस मछली विक्रेताओं पर कार्रवाई कर रहे हैं। इसी क्रम में थाना प्रभारी पूरे दल बल के साथ पहुंच कर डोरंडा में स्लॉटर हाउस पर कार्रवाई करते हुए जेसीबी की मदद से उसे ध्वस्त कर दिया।

'हेमंत राज में हिंदुओं को प्रताड़ित होने के अलावा कोई चारा नहीं'

PHOTON NEWS RANCHI : नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा है कि हेमंत राज में झारखंड के हिंदुओं को प्रताड़ित होने के अलावा कोई चारा नहीं है। ट्वीट कर सवाल किया है कि क्या रक्षाबंधन में बहने मेहंदी भी नहीं लगा सकती। हेमंत सरकार ने अपनी तुष्टिकरण की राजनीति के कारण पूरे प्रदेश का सत्यानाश कर दिया है, इसीलिए हेमंत हटाओ और सुशासन लाना जरूरी है। जब सरकार का संरक्षण प्राप्त हो तो विकृत मानसिकता वाले लोगों का मनोबल बढ़ ही जाता है

ट्वीट में आगे लिखा है कि पहले रामनवमी फिर मोहर्रम और अब मनसा पूजा में प्रशासन के नाक के नीचे हिंदुओं पर हमला हुआ। धनबाद के कालूबथान में मनसा देवी की प्रतिमा विसर्जित करने जा रहे लोगों से पुलिस की मौजूदगी में मारपीट हुई। महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार हुआ। मुकुंदडीह गांव के मुस्लिम टोला से होकर प्रतिमा को जाने से रोकने पर बवाल हुआ। जब सरकार का संरक्षण प्राप्त हो तो विकृत मानसिकता वाले लोगों का मनोबल बढ़ ही जाता है।

कांग्रेस ने ईडी कार्यालय के बाहर किया प्रदर्शन

RANCHI : कांग्रेस नेताओं ने रांची स्थित ईडी कार्यालय के बाहर-धरना प्रदर्शन किया। ईडी कार्यालय के बाहर काफी संख्या में कांग्रेस के नेता जुटे और निष्पक्ष जांच करने की मांग की है। हाल ही में हिंडनबर्ग के खुलासों ने वित्तीय बाजार नियामक संस्था सेबी और उसके चेयरपर्सन को लेकर जो खुलासे किये हैं उससे साफ हो गया है कि कैसे फजीर्वाड़ा किया गया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि पूरा का पूरा मामला मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा है। जिसमें तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है, लेकिन ईडी आश्चर्यजनक रूप से चुप है। उन्होंने कहा कि हर दिन इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर और अधिक खुलासे सामने आ रहे हैं, जो स्थिति की गंभीरता को दशार्ता है।

स्मार्ट सिटी का विकास पूरा, बिग प्लेयर्स को निवेश के लिए किया जाएगा आमंत्रित : सुनील कुमार

रिवर फ्रंट व पार्क डेवलपमेंट के लिए कंप्लीट करें टेंडर प्रक्रिया

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने कहा है कि रांची स्मार्ट सिटी में आधारभूत संरचना का विकास हो चुका है। अब यहां कुछ बिग प्लेयर्स को आमंत्रित करने की जरूरत है जिससे विकास को और गति मिलेगी। इसके लिए रिवर फ्रंट व पार्क डेवलपमेंट संबंधी टेंडर प्रक्रिया जल्द पूरी करना जरूरी है।

उन्होंने जीआरडीए क्षेत्र में विकसित हो रहे कोर कैपिटल के विकास को लेकर भी नई गाइडलाइन जारी करने का निर्देश दिया है। प्रोजेक्ट भवन स्थित प्रथम तल्ल सभागार में राज्य सरकार के नगर विकास एवं आवास विभाग की समीक्षा बैठक हुई। इसमें विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने ये बातें कहीं। प्रधान सचिव ने राज्य और केंद्र प्रायोजित कई महत्वपूर्ण योजनाओं की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश भी दिए। इस बैठक में नगर विकास एवं आवास विभाग के वरीय अधिकारियों द्वारा नगर निवेशण, नागरिक सुविधा, परिवहन मद्द, जलापूर्ति, स्थापना मद्द, 15वें वित्त आयोग के तहत चल रही योजनाओं और उनकी अद्यतन जानकारी भी प्रधान सचिव को दी गयी। अगले क्रम में रांची स्मार्ट सिटी, जीआरडीए, आरआरडीए, झमाडा और राज्य शहरी विकास अभिकरण के अंतर्गत चल रही स्वच्छ भारत मिशन, अमृत, नमामिगंगे इत्यादि योजनाओं की भी समीक्षा हुई। सभी संस्थाओं की ओर से पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के जरिए प्रधान सचिव को संस्था और उसकी योजनाओं के बारे में बताया गया। समीक्षा के क्रम में सभी संबंधित संस्थाओं को प्रधान सचिव ने कई आवश्यक निर्देश दिए हैं। बैठक में राज्य शहरी विकास अभिकरण के निदेशक अमित कुमार, विभाग में पर सचिव मनोहर मरांडी, अपर सचिव ज्ञानेद्र कुमार, निदेशक नगरीय प्रशासन सत्येन्द्र कुमार, रांची नगर निगम के प्रशासक संदीप सिंह, संयुक्त सचिव नगर विकास विभाग दीपक दूबे, संयुक्त सचिव ज्योत्पना सिंह के साथ साथ सूडा, डीएमए, जुडको, रांची स्मार्ट सिटी कॉ, जीआरडीए, आरआरडीए के अधिकारी मौजूद रहे।

समीक्षा बैठक में शामिल प्रधान सचिव सुनील कुमार व अन्य। ● फोटोन न्यूज

रांची क्षेत्रीय विकास प्राधिकार को निर्देश

- नक्शा पास करते वक्त आसपास की सड़कों की चौड़ाई, निर्माण के दौरान एफएआई की जानकारी दें।
- बायलॉज और मास्टर प्लान का अनुपालन कराएं।
- महत्वपूर्ण पदों पर प्रतिनियुक्ति जल्द किया जाएगा।
- झारखंड खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार, धनबाद प्राधिकार क्षेत्र में उपलब्ध 3522 एकड़ जमीन का स्टेटस पलब्ध कराएं।
- रांची स्मार्ट सिटी के तर्ज पर वहां विकास की योजना बनाएं।
- तोपचांची झील के आसपास सौन्दर्यीकरण हो।
- तोपचांची झील के पास आधारभूत संरचना का विकास कर प्रयटकों को आकर्षित करें।
- शहरी क्षेत्र में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की योजनों में गति लाएं।

आरयू जीई पेपर में शामिल होने के लिए यूजी विद्यार्थियों को देगी एक और मौका

RANCHI : गुरुवार को युवा आजसू के एक प्रतिनिधिमंडल ने रांची महानगर संयोजक अभिषेक शुक्ला के नेतृत्व में यूजी सत्र 17 से 20 और 18 से 21 के जीई पेपर में रांची यूनिवर्सिटी के सभी विद्यार्थियों को एक और मौका देने की मांग को लेकर रांची यूनिवर्सिटी के कुलपति अजीत कुमार सिन्हा से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में विपिन कुमार यादव, प्रियांशु, अकाश नयन, मृणाल, सचिन, संजीव रंजन, शिवम मिश्रा, गंगाधर महतो, कृति और अन्य शामिल थे। अजीत कुमार सिन्हा ने कहा के छात्र हित में सभी छात्र-छात्राओं को रांची विश्वविद्यालय प्रशासन जीई पेपर में सामिल एक अंतिम मौका दिया जाएगा। इससे संबंधित कागजात विवि के परीक्षा नियंत्रक को भेज दिया गया है।

केंद्रीय महिला व बाल विकास मंत्री ने राज्यपाल से की भेंट

PHOTON NEWS RANCHI : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से गुरुवार को राजभवन में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, पूर्व सांसद राम टहल चौधरी सहित अन्य लोगों ने मुलाकात की। राज्यपाल से मंत्री अन्नपूर्णा देवी की मुलाकात शिष्टाचार भेंट बतायी गयी। वहीं दूसरी ओर राज्यपाल से पूर्व सांसद रामटहल चौधरी , झारखंड लोक सेवा आयोग की अध्यक्ष डॉ. मेरी नीलिमा केरकेट्टा, भारतीय पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त निर्मल कौर, राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य ममता कुमारी, कुड़माली छात्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष बबलू कुमार महतो, झारखंड लोक सेवा आयोग की पूर्व अध्यक्ष डॉ. मेरी नीलिमा केरकेट्टा और बीटीएसएम राष्ट्रीय उपाध्यक्ष स्वामी दिव्यानंद जी महाराज ने शिष्टाचार भेंट की।इसके अलावा राज्यपाल रांची के आईसीएआर-राष्ट्रीय द्वितीयक कृषि संस्थान के निदेशक अभिजीत कर ने राज भवन में भेंट की तथा संस्थान की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया। साथ ही राज्यपाल से भाजपा युवा मोर्चा का एक शिष्टमण्डल प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज के नेतृत्व में राज भवन में भेंट की और एक ज्ञापन समर्पित किया। वहीं दूसरी ओर राज्यपाल से पूर्व विधानसभा सदस्य आनंद महतो ने राज भवन में भेंट की और एक ज्ञापन समर्पित किया।

राज्यपाल से मुलाकात करतीं मंत्री।

यक्ष्मा का समूल नाश करने के लिए वयस्क बीसीजी टीकाकरण शुरू

18 साल से अधिक उम्र के नागरिकों को निःशुल्क लगाया जाएगा टीका

समाहरणालय में बैठक को संबोधित करते उपायुक्त अनन्य मित्तल

PHOTON NEWS JSR:
समाहरणालय सभागार में गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के तहत उपायुक्त अनन्य मित्तल ने जिला स्तर पर बीसीजी टीकाकरण शुरू किया। सिविल सर्जन डॉ. साहिर पॉल ने कहा कि सभी वयस्क टीबी रोग से बचाव के लिए बीसीजी वैक्सिनेशन लेकर जिले को टीबी मुक्त बनाने में अपना सहयोग दें। उन्होंने 25 अगस्त से जिला में शुरू हो रहे पल्स पोलियो अभियान की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 25 अगस्त को बूथ डे पर शून्य से पांच वर्ष तक के 90 प्रतिशत बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य है। दूसरे एवं तीसरे दिन यानी 26 और 27 अगस्त को छुटे हुए बच्चों को घर-घर जाकर पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। उपायुक्त द्वारा 28 अगस्त से 13 सितंबर तक चलाये जाने वाले कुष्ठ रोगी खोज अभियान के सफल संचालन का भी निर्देश दिया गया। इस दौरान यक्ष्मा पदाधिकारी ने बताया कि वयस्क टीबी वैक्सीनेशन के लिए 6 श्रेणी में लोग शामिल किए गए हैं, जिसमें 5 वर्ष पूर्व टीबी रोग का उपचार ले चुके व्यक्ति, 3 वर्ष पहले तक के टीबी रोगी के संपर्क में रहने वाले व्यक्ति, धूम्रपान करने वाले व्यक्ति, कुपोषित व्यक्ति, 18 से कम बीएमआई वाले और मधुमेह से ग्रसित व्यक्ति 60 वर्ष से अधिक आयु वाले सभी व्यक्ति शामिल हैं। आंगनबाड़ी केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, स्वास्थ्य उप केन्द्र व अन्य सभी स्वास्थ्य केन्द्र में बीसीजी टीका निःशुल्क लगाया जाएगा। कार्यक्रम में उपविकास आयुक्त मनीष कुमार के अलावा जिला आरसीएच पदाधिकारी एवं जिला वीभीडी पदाधिकारी समेत स्वास्थ्य विभाग

बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का जागरूकता रथ किया गया रवाना

जागरूकता रथ को रवाना करते डीसी

JAMSHEDPUR : उपायुक्त अनन्य मित्तल ने गुरुवार को समाहरणालय परिसर से बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जागरूकता रथ को रवाना किया। इस मौके पर परियोजना निदेशक आईटीडीए दीपांकर चौधरी व जिला सहकारिता पदाधिकारी आशा टोप्पो भी मौजूद थीं। उपायुक्त ने कहा कि जागरूकता रथ धालभूम व घाटशिला अनुमंडल के प्रखंड व पंचायत क्षेत्र का भ्रमण कर किसानों को योजना के लाभ व उद्देश्य के प्रति जागरूक करेगा। उन्होंने बताया कि सरकार ने किसानों के आर्थिक सुदढ़ीकरण को लेकर खरीफ वर्ष 2024 के लिए यह योजना लांच की है। योजना का लाभ लेने के लिए 31 अगस्त तक आवेदन करें। जिला सहकारिता पदाधिकारी ने बताया कि किसानों को क्षतिपूर्ति राशि अगहनी धान के लिए 87087 रुपये प्रति हेक्टेयर व भदई मकई के लिए 72023 रुपये प्रति हेक्टेयर निर्धारित है। किसान एक रुपये टोकन मनी पर योजना का लाभ उठा सकते हैं। बीमा के लिए अलग से कोई प्रीमियम नहीं देना होगा। फसल बीमा के लिए किसान को आधार कार्ड, बैंक पासबुक की छायाप्रति, भूमि स्वामित्व संबंधित प्रपत्र, बंटाई प्रमाण पत्र (बटाईदार कृषक होने पर नोटराईज्ड), फसल बुवाई प्रमाण पत्र (स्वसत्यापित), मोबाइल नंबर प्रस्तुत करना होगा। किसान योजना से संबंधित जानकारी के लिए जिला सहकारिता कार्यालय, नजदीकी प्रखंड कार्यालय या हेल्पलाइन नंबर 14447 पर संपर्क कर सकते हैं।

मनोहरपुर में आक्रोश व्यक्त करते खान मजदूर व स्थानीय लोग ● फोटोन न्यूज

चिड़िया खदान में 75 प्रतिशत रोजगार की गारंटी पर धरना-प्रदर्शन, सौंपा मांगपत्र

MANOHARPUR:
आदिवासी किसान मजदूर पार्टी के बैनर तले सेल के चिड़िया खदान में स्थानीय आदिवासीयो को 75% रोजगार की गारंटी सहित विभिन्न मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन किया गया। इसके बाद कंपनी प्रबंधन को मांगपत्र सौंपा गया, जिसके बाद जॉन मिरन मुंडा ने कहा कि सेल खदान सबसे ज्यादा ऊंचा ग्रेड का लौह अयस्क देता है और यह एशिया का दूसरा सबसे बड़ा खदान है।
शुरू में मनोहरपुर क्षेत्र में हैंड माइनिंग से और लोडिंग का काम मजदूर से होने से पलायन नहीं होता था, लेकिन अब खदान का काम मशीन से होने और बाहरी को रोजगार देने से यहां के आदिवासी पलायन कर रहे हैं।
प्रबंधन लाखों रुपये लेकर बाहरी लोगों को बहाल कर रहा है। इसके अलावा जो भी मजदूर काम कर रहे हैं उनका वेज स्लिप, बोनस, पीएफ रसीद नहीं दिया जा रहा है। इसलिए हमारी मांग को गंभीरता से विचार करते हुए पूरा किया जाए। मुंडा ने बताया कि प्रबंधन की ओर से कहा गया कि आपकी जो मांग हैं, उसे वरीय पदाधिकारी को भेजा जाएगा। इसके अलावा प्रबंधन ने कहा कि पहले 6 खदान चालू था, अभी मात्र एक चल रहा है, जिस कारण रोजगार नहीं दे पा रहे हैं। बहाली को लेकर कहा कि हमलोग पैसा लेकर किसी को भी बहाल नहीं करते हैं। सारी बहाली एग्जाम के माध्यम से होती है और पूरे भारत के लिए बहाली होती है। मजदूरों का जो पीएफ, वेज स्लिप, बोनस आदि का मामला है, उसकी जांच करेंगे। प्रबंधन ने यह भी कहा कि 2026 के बाद खदान बंद होगा, तो उसके बाद सबका रोजगार भी खत्म हो जाएगा। जॉन मिरन मुंडा ने कहा कि केंद्र सरकार को बंद खदान को चालू कराकर पलायन रोकने का मांग पत्र सौंपा जाएगा। ज्ञापन देने वालों में मानसिंह त्रिया, प्रेम हेंब्रम, लक्ष्मी टूटी आदि भी शामिल थे।

सड़कों की मरम्मत के समय पानी का नियमित छिड़काव हो : समिति

परिसदन मे बैठक को संबोधित करते सभापति समीर मोहंती ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : परिसदन में गुरुवार को झारखंड विधानसभा की पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण समिति की बैठक हुई, जिसमें सभापति समीर कुमार मोहंती, सदस्य संजीव सरदार व उपविकास आयुक्त मनीष कुमार भी थे। बैठक के दौरान सभापति ने कहा कि विभिन्न क्षेत्र मे माइनिंग, क्रसर तथा उद्योग आदि से खेती को नुकसान ना हो, यह सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि किसानों की आय में बढ़ोतरी के लिए सरकार विभिन्न योजनाओं का संचालन कर रही है। सभी योग्य किसान के बीच ससमय सहायक उपकरण तथा बीज का वितरण हो, यह सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ऐसे ग्रामीण क्षेत्र जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से माइनिंग से प्रभावित हैं, वहां सड़कों की मरमती तथा सड़कों पर नियमित रुप से पानी का छिड़काव हो, यह सुनिश्चित करें। सभापति ने विभागों के माध्यम से संचालित कार्यों एवं योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की।

सीएम हेमंत सोरेन आज शहर में, पूर्व सांसद सुमन महतो के घर जाएंगे

JAMSHEDPUR : राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शुक्रवार को जमशेदपुर आ रहे हैं। वे यहां पूर्व सांसद सुमन महतो के आवास जाएंगे और शोक संतप्त परिजनों से मिलेंगे। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री दोपहर 2.10 बजे सुमन महतो के सोनारी आदर्श नगर स्थित आवास पहुंचेंगे। वहां शोक संतप्त परिजनों से मिलने एवं सांत्वना देने के बाद सर्किट हाउस पहुंचेंगे। वहां दोपहर का भोजन करने के पश्चात शाम 4 बजे सोनारी एयरपोर्ट से रांची प्रस्थान करेंगे। बता दें कि पिछले दिनों पूर्व सांसद सुमन महतो की बड़ी बेटी का गाजियाबाद में आकस्मिक निधन हो गया था। वहां से हवाई मार्ग से शव को रांची और उसके बाद सड़क मार्ग से जमशेदपुर लाया गया था।

जन्माष्टमी मेला को लेकर एसडीओ ने की बैठक, दिए आवश्यक निर्देश

CHAKRADHARPUR :
रेल नगरी चक्रधरपुर के ऐतिहासिक सात दिवसीय श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मेला में विधि-व्यवस्था को लेकर गुरुवार को पोड़ाहाट अनुमंडल कार्यालय के सभागार में अनुमंडल पदाधिकारी रीना हांसदा की अध्यक्षता में हुई, जिसमें विधि-व्यवस्था पर विशेष चर्चा की गई। बैठक में कहा गया कि असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण रखने के लिए पंडालों के अलावा महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी लगाना अनिवार्य है। सभी पंडालों और दुकानों में अग्निशमन यंत्र या सुविधानुसार बालू, ड्रम में पानी, गीले कंबल आदि रखना चाहिए। पंडालों में वेंटिलेशन की व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि अत्यधिक भीड़ होने से किसी को सांस लेने में कठिनाई नहीं हो। बैठक में भूमि सुधार पदाधिकारी जेजे मुंडू, बीडीओ गिरिजानंद किस्कू, थाना प्रभारी राजीव रंजन, सिटी मैनेजर अनूप कुमार, रवि राव समेत रेलवे के पदाधिकारी भी मौजूद थे।

बैठक को संबोधित करतीं एसडीओ रीना हांसदा ● फोटोन न्यूज

4 सितंबर तक संचालित होगा मेला

एसडीओ रीना हांसदा ने कहा कि 26 अगस्त से 4 सितंबर तक मेला का संचालन होगा। मेला रात 10 बजे तक चलेगा, जिसमें 60 डेसिबल से कम आवाज में ही लाउडस्पीकर बजाने की अनुमति रहेगी। मेले में फैली गंदगी की सफाई प्रतिदिन रेलवे की ओर से कराई जाएगी। उसके लिए अस्थायी रूप से तीन डंपिंग यार्ड भी बनेगा। वहीं मेला में सड़क की एक तरफ दुकानों को लगाने का आदेश दिया है। यदि दोनों तरफ दुकानें लगती हैं, तो कार्रवाई की जाएगी।

समाचार सार

एनएमएल के वैज्ञानिक को राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

JAMSHEDPUR : बमार्माइंस स्थित सीएसआईआर-एनएमएल के सीनियर प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. अभिलाष को भारत सरकार ने विज्ञान युवा-शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार से सम्मानित किया है। गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया। डॉ. अभिलाष ने द्वितीयक संसाधनों यानी खान और प्रक्रिया अपशिष्ट आदि से महत्वपूर्ण रणनीतिक धातुओं के निष्कर्षण के लिए अंतर्विषयी स्वदेशी प्रक्रियाओं के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसके साथ ही खनन, धातुकर्म और अपशिष्ट पुनर्चक्रण उद्योगों के लिए प्रौद्योगीकियों का लास उठाने के संबंध में अनुकरणीय योगदान दिया है। डॉ. अभिलाष ने निम्न ग्रेड अवशेषों से यूरेनियम के जैव प्रसंस्करण, संदूषित स्थानों के उपचारण, लाल मिट्टी, ब्लास्ट फर्नेंस स्लैग, स्पेंट कैटालिस्ट और ईवी बैटरियों से सीधे दुर्लभ-पृथ्वी तत्वों के निष्कर्षण के लिए नवीन प्रौद्योगिकियों का विकास किया है। इसके साथ ही उन्हें सफलतापूर्वक वाणिज्यीकृत किया है।

सांप काटने पर चाय-कॉफी या दर्द की दवा न दें

JAMSHEDPUR : इलेक्ट्रिक लोको पायलट प्रशिक्षण केंद्र में गुरुवार को लोको पायलटों को सांप की पहचान, सांप डंसने पर शरीर में उत्पन्न लक्षण और प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण रेलवे के सिविल डिफेंस टीम ने दी। इस कार्यशाला में सिविल डिफेंस इंस्पेक्टर संतोष कुमार ने बताया कि बरसात के समय रात्रि में रेलगाड़ी जंगल क्षेत्र में खड़ी होने पर ट्रैक्शन व अन्य उपकरणों की जांच के क्रम में सांप की विभिन्न प्रजातियों का सामना लोको पायलटों का होता रहता है। उन्हें विषैले और विषहीन सांप की पहचान करने की जानकारी दी गई। बताया गया कि सांप काटने पर घायल को चाय, कॉफी, अल्कोहल तथा दर्द की दवा स्प्रिंन बिलकुल न दें । घायल को जितना हो सके स्थिर रखें, इससे जहर बॉडी में फैलने से रोक सकते हैं। 4 घंटे के अंदर एंटीवेनम इंजेक्शन अस्पताल में लगाकर जान बचाई जा सकती है। ओझा-गुनी से इलाज न कराएं। सर्पदंश की घटना में ज्यादातर मौत भय से होती है, इसलिए पीड़ित का साहस और मनोबल बढ़ाए रखें।

उत्कल एक्सप्रेस सितंबर में बदले मार्ग से चलेगी

JAMSHEDPUR : टाटानगर की ट्रेनों को दूसरे रेल मंडल में लाइन ब्लॉक के कारण रद्द करने और मार्ग बदलने से सैकड़ों यात्री परेशान हैं। अभी पुरी-ऋषिकेश कलिंगा उत्कल एक्सप्रेस को सितंबर में 24 दिन बदले मार्ग से चलाने का आदेश हुआ है। सर्कुलर के मुताबिक पुरी-ऋषिकेश उत्कल एक्सप्रेस 4 से 15 सितंबर और ऋषिकेश-पुरी उत्कल एक्सप्रेस 6 से 17 सिंतबर तक बदले मार्ग मितावली, खुर्जा, मेरठ सिटी एवं आगरा कैंट होकर अप- डाउन करेगी। वहीं दूसरी ओर विजयवाड़ा लाइन ब्लॉक के कारण टाटानगर-बेंगलुरु एक्सप्रेस को 6 से 27 सितंबर, टाटानगर-यशवंतपुर एक्सप्रेस 5 से 26 सितंबर तक बदले मार्ग पर चलाया जाएगा।

'आप' ने बागुनहातू में लगाया पेंशन शिविर

JAMSHEDPUR : आम आदमी पार्टी, जमशेदपुर महानगर इकाई की ओर से आप नेता अभिषेक कुमार के नेतृत्व में लिंक रोड नंबर-2, बागुनहातू में शिविर लगाया गया, जिसमें वृद्धा, विधवा, विकलांग व 50 वर्ष की महिला पेंशन का आवेदन लिया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि आप नेता रईस अफरीदी के अलावा संतोष भगत, अमरीक सिंह जख्मी, चरणजीत सिंह, ममता द्विवेदी, मनीष सिंह, आशीष कुमार घोष, विष्णु कौर, सेटिंग बोदरा, ममता शर्मा एवं अन्य कई लोग उपस्थित थे।

छात्रों को कृतज्ञता की भावना अपनाने की जरूरत : रामपाल

कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : अर्का जैन विश्वविद्यालय में गुरुवार को बीटेक (सत्र 2024-28) के नवनामांकित छात्र-छात्राओं के लिए 30-दिवसीय इंडक्शन कार्यक्रम की शुरूआत हुई। यह कार्यक्रम 21 सितंबर तक चलेगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि टाटा कमिंस के प्लांट मैनेजर रामपाल नेहरा, विशिष्ट अतिथि टेलब्रोस ग्रुप के निदेशक राजीव तलवार व टाटा मोटर्स के जीएम (ईआरसीजे) जिवराज सिंह संधु थे। रामपाल नेहरा ने छात्रों को संबोधित करते हुए उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि छात्रों को अपने सैद्धांतिक ज्ञान का उपयोग करके समाज की व्यावहारिक समस्याओं को सुलझाना चाहिए। इसके साथ ही, उन्होंने सेंस ऑफ ग्रैटिट्यूड यानी कृतज्ञता की भावना को भी जीवन में अपनाने का सुझाव दिया।

लेनदेन को आसान व सुरक्षित बनाने के प्रयासों से अवगत हुए छात्र

JAMSHEDPUR : साकची स्थित करीम सिटी कॉलेज के वाणिज्य संकाय में गुरुवार को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के रांची क्षेत्रीय कार्यालय के सहयोग से छात्रों के लिए वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि आरबीआई के रांची क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद सिंह, सहायक महाप्रबंधक बसंत पॉल मिंज, कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मो. रेयाज एवं वाणिज्य विभागाध्यक्ष सह कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मो मोअज्जम नजरी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। प्रेम रंजन प्रसाद सिंह ने वित्तीय साक्षरता, समावेश और जागरूकता के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने भारत की वित्तीय संरचना को मजबूत करने और लेनदेन को आसान व अधिक सुरक्षित बनाने के लिए रिजर्व बैंक द्वारा किए गए निरंतर प्रयासों एवं पहल पर चर्चा की।

मधु कोड़ा ने चलाया 'घंटा बजाओ सरकार जगाओ' अभियान

रैली में नारा लगाते पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ● फोटोन न्यूज

CHAIBASA : पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने गुरुवार को छोटानागरा में 'घंटा बजाओ सरकार जगाओ' अभियान चलाया। इसमें कोड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा था कि झारखंड में वनों पर निर्भर लोगों को उनका अधिकार देने के लिए अक्टूबर 2023 से मिशन मोड में अबुआ वीर दिशोम वनाधिकार अभियान के तहत कैंप लगा कर पात्र लोगों को वनपट्टा दिया जाएगा। पर, हेमंत सरकार ने गरीब आदिवासी दलित और जंगलों में रहने वाले लोगों को छलने का काम किया। आज तक लोगों को वनपट्टा नहीं मिला। कोड़ा ने कहा कि 2012-14 से दर्जनों की संख्या में लौह अयस्क खदान राज्य सरकार की उदासीनता और गैर जिम्मेदाराना नीति के कारण बंद पड़े हैं। क्षेत्र के स्थानीय आदिवासी -मूलवासी रोजगार के अभाव में पलायन करने को मजबूर हैं। केवल चुनाव के समय आदिवासियों का हितैषी बनने का ढोंग करने वाले झामुमो के मुखिया हेमंत सोरेन जनता से किया वादा क्यों नहीं पूरा कर रहे हैं।

यौन हिंसा जैसे संगीन अपराध के लिए फांसी की सजा भी कम है : आजसू छात्र संघ

कोलकाता की ट्रेनी डॉक्टर से दुष्कर्म-हत्या पर छात्राओं ने किया प्रदर्शन

साकची स्थित ग्रेजुएट कॉलेज के बाहर विरोध जतातीं छात्राएं ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR :
आजसू छात्र संघ की ग्रेजुएट कॉलेज इकाई ने गुरुवार को आक्रोश सभा की। इससे पूर्व छात्राओं ने कॉलेज गेट पर आक्रोश-प्रदर्शन किया, जिसमें कॉलेज की कई छात्राएं शामिल हुईं। इसमें संघ की कॉलेज इकाई अध्यक्ष श्रेया सिंह ने कहा की कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज की प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले ने पूरे देश को झकझोर दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसे आरोपियों के लिए फांसी की सजा भी कम है। मामले में और भी कई लोग संदिग्ध हैं। बंगाल सरकार संवेदनशील नहीं है। वहां की मुख्यमंत्री को लगता है कि 10 लाख देने से किसी की इज्जत और जान वापस आ सकती है। इस मामले में कानून को और कड़ा बनाने की जरूरत है, ताकि ऐसे दरिंदों को सबक मिल सके।
सभा में संघ की कॉलेज इकाई महासचिव गुलशन ने कहा कि इस मामले में एक व्यक्ति की गिरफ्तारी हुई है। सीबीआई जांच और मेडिकल रिपोर्ट कुछ और ही संकेत दे रही है। इस कांड में एक नहीं अधिक लोग शामिल थे। पूर्व प्राचार्य ने इस मामले को आत्महत्या बताया था। उसके बाद और भी कई लोगों की संदिग्ध भूमिका है। शासन व प्रशासन महिला सुरक्षा के नाम पर पूरी तरह फेल है। महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं। इस संदर्भ में कानून और कड़े होने चाहिए। छात्र संघ ने कहा कि ऐसे दरिंदे को फांसी की सजा भी कम है।
प्रदर्शन व सभा का नेतृत्व तानिया सिंह ने किया। इस दौरान गुलाबो, प्रभजोत, सानवी, पूजा कुमारी, खुशबू कुमारी, आरती कुमारी, सुमन कुमारी, अंजू कुमारी, अंकिता शर्मा, मंजू प्रसाद समेत कई छात्राएं उपस्थित थीं।

कोलकाता रेप मामले को लेकर सिख समुदाय में आक्रोश

JAMSHEDPUR : कोलकाता में महिला चिकित्सक के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या के बाद पूरे देश में विरोध प्रदर्शन जारी है। इसे लेकर सिख समुदाय ने गुरुवार को उपायुक्त कार्यालय के समक्ष जोरदार प्रदर्शन किया एवं आरोपियों की फांसी की की सजा देने की मांग की है। इसके साथ ही उपायुक्त के माध्यम से प्रधानमंत्री को मांग पत्र भी सौंपा है।
इस मौके पर सेंट्रल गुरुद्वारा के प्रधान भगवान सिंह ने कहा कि महिला चिकित्सक के साथ हुई यह घटना काफी शर्मनाक है। पूरा सिख समाज इसकी निंदा करता है। इस तरह का जघन्य अपराध करने वालों को सरकार फांसी दे, ताकि आगे इस तरह का अपराध करने के लिए अपराधी कई बार सोचे।
मौके पर सिख समुदाय के अलग-अलग गुरुद्वारा के प्रधान पद पर स्थापित महिलाओं ने इस घटना की निंदा की, वहीं महिला प्रधानों ने भी आरोपियों की फांसी की मांग की है। सिख महिलाओं ने कहा कि प्रधानमंत्री को ऐसा कानून लाने की जरूरत है, जिससे इस तरह के घिनौनी हरकत करने वालों को तत्काल सजा का प्रावधान हो।

को-ऑपरेटिव कॉलेज के छात्रों को दी गई नए कानून की जानकारी

को-ऑपरेटिव कॉलेज में मंचस्थ अतिथि व वक्ता ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज में गुरुवार को कॉलेज के पीएम-पुष्पा व आईक्यूएसी सेल की ओर से एकदिवसीय कानूनी जागरूकता संगोष्ठी हुई, जिसमें तीन नए कानून (भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम) की जानकारी दी गई। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में सिविल जज, सीनियर डिवीजन सह डालसा के सचिव राजेंद्र प्रसाद शामिल हुए। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अमर सिंह ने स्वागत भाषण में समाज को सबल बनाने के लिए कानूनी जागरूकता को आवश्यक बताया। मुख्य अतिथि ने डालसा के उद्देश्य एवं कार्यों की जानकारी दी। संगोष्ठी में वक्ता के रूप में चीफ एलएडीसी, डालसा, जमशेदपुर सिविल कोर्ट अधिवक्ता बिदेश सिन्हा, असिस्टेंट एलएडीसी अधिवक्ता अविनाश कुमार श्रीवास्तव एवं अधिवक्ता मनोज कुमार सिंह उपस्थित थे। संगोष्ठी का संचालन पीएम-उषा की को-ऑर्डिनेटर डॉ स्वाति सोरेन व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अशोक कुमार रवानी ने किया।

BRIEF NEWS

लाखों की ठगी करने वाला अपराधी गिरफ्तार

NAWADA : नवादा जिले के पकरीबरावां थाने के थाना प्रभारी अजय कुमार ने धनी बैंक से ऋण दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी करने वाला युवक सिद्धनाथ चौहान को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया है । थाना अध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि पकरीबरावां थाने के मधुरापुर गांव में बैंक से ऋण दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी की जा रही है। जिसके बाद में पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे । देखा कि एक घर के पास युवकों के भीड़ लगी हुई है। पुलिस को देखते ही युवक भागने लगे । उसमें से एक युवक को पकड़ लिया गया। जिसने अपना नाम सिद्धनाथ चौहान बताया ।उसने पुलिस के सामने यह भी स्वीकार किया कि लोन दिलाने के नाम पर लाखों रुपए की मैं कमाई करता हूं।

वाहन से 68 कार्टन शराब बरामद, तस्कर हुआ फरार

ARARIYA : अररिया के पलासी में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरागाछ के समीप एक कार डब्लूबी 74 एन 0127 की तलाशी के दौरान कार से 68 कार्टून नेपाली रेशम लीची शराब बरामद किया गया और वाहन को जब्त कर लिया गया। पलासी प्रभारी थानाध्यक्ष विजय कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि एक कार नेपाली शराब लेकर कलियागंज होते हुए पलासी के तरफ जा रहा है। सूचना सत्यापन के लिए पुलिस बल के साथ गश्ती वाहन से मेहरो चौक के पास पहुंचा, तो देखा कि कलियागंज के तरफ से एक कार आ रही है। जिसे रोकने का इशारा किया. चालक तेजी से कार लेकर भागने लगा। जिसका पीछा करते हुए हसनपुर चौक से पहले गिरागाछ के समीप कार चालक कार को छोड़कर भाग गया जब कार की तलाशी ली गयी तो 68 कार्टून नेपाली शराब बरामद हुई।

मृतक के आश्रितों को मिला मुआवजा का चेक

BIHARSARIF : हरनौत प्रखंड मुख्यालय में गुरूवार को मृतक के आश्रितो को आपदा प्रबंधन योजना के तहत चार चार लाख रुपए का चेक प्रदान किया गया। इस मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी उज्वल कांत ने बताया कि विगत 19 अगस्त को हरनौत थानाक्षेत्र के तेलमर नदी में नहाने के दौरान दो बच्ची की मौत हो गयी थी। मरने वालों में तेलमर गांव निवासी राजु पासवान की आठ वर्षीय पूत्री व्युटी कुमारी और चंदन पासवान की दस वर्षीय पूत्री काजल कुमारी थी। घटना के संबंध में बताया गया था कि दोनो बच्ची शौच के बाद नदी में नहाने लगी थी जहां गहरे पानी में चले जाने से दोनों डुब गयी थी। घटनाक्रम की जानकारी मिलते ही ग्रामीण घटनास्थल पर जाकर नदी में खोजबीन शुरू किया तो दोनों बच्चियों का कोई सुराग नही मिला था अंत में पंचायत के विकास मित्र के द्वारा घटना की जानकारी एनडी आर एफ टीम को प्रखंड प्रशासन को दिया गया था। जहां हरनौत अंचल के अंचलाधिकारी की त्परता से एनडी आर एफ टीम की खोज से पांच घंटे के बाद शव को बरामद किया गया था।

विंध्याचल से दर्शन कर लौटने के दौरान हादसा

आरा में वाहन पलटने से एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

AGENCY AARA : गुरुवार को बिहार के आरा में सड़के हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई है। मरने वाले सभी लोग एक ही परिवार के बताए जाते हैं। इस हादसे में एक बच्ची समेत 3 लोग बाल-बाल बचे हैं। ये सभी लोग एक्सयूवी गाड़ी में सवार होकर यूपी के विंध्याचल से दर्शन कर लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार विंध्याचल से दर्शन कर पूरा परिवार भोजपुर लौट रहा था। इसी दौरान गजराजगंज थाना क्षेत्र के बीबीगंज के पास ड्राइवर ने अपना संतुलन खो दिया। जिस वजह से एक्सयूवी गाड़ी रोड के डिवाइडर से टकरा गई। घटना गजराजगंज थाना क्षेत्र के बीबीगंज फोरलेन एनएच-922 की है। सभी मृतक और घायल अजीमाबाद थाना क्षेत्र के कमरियांव गांव के रहने वाले हैं। वर्तमान में ये लोग पटना बेली रोड स्थित अपने मकान में रहते हैं। मरने वालों में मां-बाप, भाई-बहन और एक मासूम बच्चा शामिल है, जबकि घर की 2 बहू और एक बच्ची घायल है। तीनों को आरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, घटना के बाद स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हादसे में घायल तीनों लोगों को आरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। साथ ही सभी पांचों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। थाना प्रभारी हरि प्रसाद शर्मा ने कहा कि परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। वहीं परिजन बताते हैं कि घर के सभी लोग विंध्यालच दर्शन करने गए थे। लौटने के दौरान बीबीगंज के पास ड्राइवर ने अपना संतुलन खो बैठा और एक्सयूवी गाड़ी रोड के डिवाइडर से टकरा गई। परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई, बहू और एक बच्ची बाल-बाल बच गई है, जिसका इलाज आरा सदर अस्पताल में चल रहा है।

अस्पताल में जुटी भीड़ व क्षतिग्रस्त वाहन।

दो लोगों ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

इस संबंध में गजराजगंज ओपी प्रभारीह हरि प्रसाद ने बताया कि घटना की जानकारी मिली थी। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। मृतकों में भूप नारायण (56), रेणु देवी (55), विपुल पाठक (28) साल करीब, अर्पिता पाठक (25) और हर्ष पाठक (3) शामिल है। वहीं, घायलों में खुशी कुमारी (22), मधु देवी (27) और बेली कुमारी (5 वर्ष) शामिल है।

नालंदा में ओवर डोज ड्रग्स लेने से युवक की मौत

NALANDA : बिहार में एक बार फिर से ब्राउन शुगर का कारोबार तेजी से फैल रहा है, जिसका एक व्यापक असर नालंदा जिले में भी देखने को मिल रहा है। ताजा मामला हिलसा थाना क्षेत्र के विधापुरी मोहल्ले का है। जहां ड्रग्स ओवरडोज से एक युवक की मौत हो गई है। घटना के बाद से इलाके में गमगीन माहौल है। ड्रग्स के ओवर डोज से एक युवक के मौत का मामला प्रकाश में आया है। युवक का संदिग्ध स्थिति में शव, बाइक व मोबाइल घर के पास एक खंडहरनुमा मकान से बरामद किया गया है। युवक की पहचान अरुण विश्वकर्मा के 18 वर्षीय पुत्र गौरव कुमार उर्फ दिलखुश के रूप में की गई है। घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बिहारशरीफ भेज दिया है। घटना के संबंध में युवक का भाई गुलशन कुमार ने बताया वह नशे का आदी था। नशा कर घर आया तो पिता ने डांट फटकार लगायी। इसस वह गुस्से में घर से भाग गया।

पूर्व मंत्री श्याम रजक ने आरजेडी से दिया इस्तीफा

AGENCY PATNA : कद्दावर नेता श्याम रजक ने लगभग 4 साल बाद आरजेडी में अपनी पारी के समाप्ति की घोषणा कर दी। उन्होंने आरजेडी अध्यक्ष लालू यादव को संबोधित करते हुए उन्होंने अपना इस्तीफा सौंप दिया है। बता दें कि उन्होंने आरजेडी के महासचिव पद और प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। श्याम रजक ने शायराना अंदाज में पत्र भी लिखा।

बता दें कि श्याम रजक विधानसभा चुनाव से पहले जेडीयू आरजेडी को ज्वाइन किया था। श्याम रजक को लेकर कई दिनों से चर्चा चल रही थी कि वह राष्ट्रीय जनता दल को छोड़ने वाले हैं। आखिरकार श्याम रजक ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। आपको बता दें कि चार साल पहले श्याम रजक जद यू पार्टी छोड़कर राष्ट्रीय जनता दल में आए थे। श्याम रजक ने अपनी राजनीति की शुरूआत लालू प्रसाद यादव के साथ ही किया था।

लेकिन राष्ट्रीय जनता दल छोड़ बीच में वह जनता दल यूनाइटेड में चले गए थे। फिर वह राष्ट्रीय जनता दल में लौट आए और इस बार फिर से उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल से इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफा देने के साथ ही उन्होंने शायरी के जरिए लालू के पार्टी पर तंज भी कसा है। जब वह जेडीयू से बतौर मंत्री पद छोड़कर आरजेडी में गए थे तो चुनाव में उन्हें लालू यादव की ओर से टिकट भी नहीं दिया गया। उन्हें पार्टी में महासचिव के अलावा और कोई दूसरा पद लंबे समय तक नहीं दिया गया।

पुलिस को शराब माफिया ने दौड़ा दौड़ा कर पीटा, लूट ले गए जब्त दारू

AGENCY E.CHAMPARAN : बिहार के बेतिया से बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां नौतन थाना क्षेत्र के शिवराजपुर पंचायत के वार्ड नंबर आठ में गुरुवार सुबह शराब तस्कर की सूचना पर रेड करने पहुंची पुलिस पर माफियाओं ने हमला कर दिया। इस दौरान शराब तस्करों ने पुलिसकर्मियों को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। घटना में आधा दर्जन पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायल पुलिस कर्मियों का इलाज गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल बेतिया में चल रहा है। घटना के बारे में मिली जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि आज गुरुवार को एक्साइज ड्यूटी पर पुलिस शिवराजपुर में छापेमारी करने गई। इसी दौरान शराब तस्करों ने पुलिस पर हमला बोल दिया। बताया जाता है कि टीम को माफियाओं ने घेर लिया और उनपर पत्थर बरसाए। इस दौरान शराब माफियाओं को पुलिसकर्मी को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। इधर घटना के बाद पूरे शिवराजपुर पंचायत में दहशत का माहौल कायम है। वहीं घटना की सूचना के बाद उत्पाद अधीक्षक ने मौके पर दूसरी टीम को भेजा। लेकिन जब तक दूसरी टीम मौके पर पहुंची, शराब तस्कर फरार हो गए थे। हमले के बाद घटनास्थल पर नौतन थाना पुलिस भी पहुंची हुई है। वहीं इस घटना में आधा दर्जन पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनका इलाज बेतिया गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है। बेतिया उत्पाद अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि मौके पर पुलिस टीम पहुंची हुई है और लगातार शराब माफियाओं की तलाश की जा रही है।

पुलिसकर्मी का इलात करते चिकित्सक।

घर से बुलाकर युवक की गोली मारकर हत्या, घटना स्थल से 3 खोखे बरामद

ARARIYA : अररिया के रानीगंज में बदमाशों ने घर से बुलाकर एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। रानीगंज थाना क्षेत्र के विस्टोरिया पंचायत स्थित कोशी भित्ता बहियार के समीप बुधवार की देर रात एक 32 वर्षीय युवक की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी गयी। बताया जा रहा है की उसके सर, सीने और पैर में गोली मारी गयी। रानीगंज थाना क्षेत्र के भोरहा पंचायत के रामपुर निवासी अफरोज आलम का बेटा था मृतक अमरोज आलम। बताया जा रहा है की मृतक अमरोज आलम जम्मू कश्मीर में एक दुकान में नौकरी करता था वह तीन-चार माह पहले ही जम्मू कश्मीर से घर आया था। वही, पुलिस इस मामले में घटना स्थल पर पहुंचकर छानबीन कर रही है।

रोहतास में मां ने उठाया खौफनाक कदम, दो बच्चों के साथ की खुदकुशी

AGENCY ROHTASH : बिहार के रोहतास से एक बड़ा ही दर्दनाक वाक्या सामने आया है। दरअसल यहां पहाड़ी इलाके में एक 30 वर्षीय महिला ने अपने दो बच्चों के साथ गांव के आहर में कूद कर जान दे दी है। इस घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस पूरे मामले की तफ्तीश में जुट गई है। हालांकि इस घटना को लेकर पूरे गांव में अलग-अलग चचाएं भी हो रही हैं। घटना नौहट्टा इलाके की है।

मिली जानकारी के मुताबिक जिले के नौहट्टा थाना क्षेत्र के काजीपुर धोबिनिया टीकर के पास बुधवार की रात एक महिला ने अपने दो बच्चों एक 6 साल व दूसरा 3 साल के साथ आहर में कूद कर आत्महत्या कर ली है। गुरुवार सुबह को तीनों का शव बरामद किया गया। पुलिस के मुताबिक मृतक महिला नौहट्टा थाना क्षेत्र की रहने वाली थी। उसने दो छोटे-छोटे बच्चों के साथ खुदकुशी कर ली है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही मौके पर भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। नौहट्टा थाना की पुलिस ने मृतकों के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सासाराम के सदर अस्पताल भेज दिया है।

घटना के बाद अस्पताल परिसर में रोते परिजन।

कांग्रेस नेताओं ने ईडी के खिलाफ उठाई आवाज

प्रदर्शन करते कांग्रेस के नेता व कार्यकर्ता।

AGENCY PATNA : प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी और अडानी मामले पर सेबी चेयरमैन की भूमिका पर हिंडनबर्ग रिपोर्ट को लेकर आज कांग्रेस ने पटना में प्रदर्शन किया। बिहार कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह के नेतृत्व में कार्यकताओं ने गांधी मैदान में बापू की मूर्ति से ईडी कार्यालय तक विरोध मार्च निकाला। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने सेबी अध्यक्ष की बर्खास्तगी की मांग की। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी 2023 से 20 हजार करोड़ जो सेल के माध्यम से अडानी की कंपनी में गया, उसकी जांच की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद ये साफ हो गया कि इसके रेगुलेटरी बॉडी चीफ सेबी के चेयरमैन हैं, वह भी इसमें शामिल हैं। उनका भी पैसा इसमें गया है। जिस तरह से शेयर की प्राइस में बदलाव हुए, उससे देश के करोड़ों लोगों का पैसा बर्बाद हुआ है। अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि हम इस मामले में निष्पक्ष जांच की मांग चाहते हैं। ईडी इस मामले की भी जांच करे। उन्होंने कहा कि जांच होने तक सेबी चेयरमैन को पद से हटाया जाए। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जो सरकार नैतिकता की बात करती थी, हिंडनबर्ग रिपोर्ट आने के बाद उनके काले कारनामे सामने आ गए हैं।

सोई अवस्था में गोली मारकर किसान की हत्या, ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

AGENCY BHAGALPUR : जिले के नाथनगर थाना क्षेत्र के राघोपुर पंचायत के माधोपुर गांव में एक किसान की गोली मारकर हत्या कर दी गयी है। घटना बीते देर रात दो बजे की बताई जा रही है। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर गुरुवार को राघोपुर से सहजादपुर जाने वाली सड़क मार्ग को जाम कर दिया है। एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची है। सोए अवस्था में किसान के सिर में गोली मार कर हत्या की गई है। मृतक की पहचान माधोपुर गांव निवासी मुकेश कुमार उर्फ फूलन शर्मा के रूप में हुई है। इनकी उम्र करीब 50 साल है। घटना के बाद भागलपुर डीएसपी 2 राकेश कुमा, नाथनगर थाना पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची है। मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल, पुलिस ने कार्रवाई का भरोसा देते हुए आक्रोशित लोगों को शांत किया है। मृतक की चाची ने बताया कि 3 दिन पहले जमीनी विवाद में पड़ोसी मिथुन मंडल, सागर मंडल, बांघटू मण्डल, बरूण मंडल ने लाठी-डंडे से घर पर आकर मारपीट की थी। साथ ही जान से मार डालने की धमकी भी दी थी। नाथनगर थाने में इसको लेकर आवेदन दिया गया था। लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। राकेश कुमार डीएसपी-2 ने कहा है कि बीती रात नाथनगर थाना क्षेत्र स्थित माधोपुर गांव के रहने वाले मुकेश कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक के परिजन ने पड़ोस के ही रहने वाले एक व्यक्ति से जमीन विवाद को लेकर हत्या का आरोप लगाया है। डीएसपी-2, स्थानीय पुलिस रै एफ एस एल की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। जहां से 1 पिलेट जब्त किया है। इस संबंध में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

घटना के बाद सड़क जाम करते लोग।

शराबी के लिए अपने साथी से भिड़ गए दारोगा, की मारपीट

AGENCY NALANDA : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह क्षेत्र नालंदा में उनकी ही पुलिस, शराबबंदी कानून को ठेंगा दिखा रही है। मामला पावापुरी सहायक थाने का है, जहां शराबियों का हिमायती बन रहे दारोगा ने थाने में पुलिस वालों के साथ मारपीट की। उसके बाद पावापुरी थाने में पदस्थापित दारोगा हरे कृष्ण सिंह को उनके ही थाने की पुलिस ने अरेस्ट कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। दरअसल शराब के नशे में पकड़े गए तीन शराबियों को छुड़ाने के लिए हरे कृष्ण सिंह ने अपने ही सहयोगियों पर दवाब बनाने की कोशिश की। जब सहयोगी नहीं माने तो उनके साथ मारपीट की। थाने में पुलिस ने सरकारी काम में बाधा डालने का मुकदमा रउ/रळ थाने में दर्ज कराया। शिकायत दर्ज करने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच की तो आरोप सही पाया है। उसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी दारोगा हरे कृष्ण सिंह को तीनों शराबियों के साथ जेल भेज दिया गया है। दरअसल पावापुरी सहायक थाना में कार्यरत दारोगा कारू रविदास सोमवार को सैनिक स्कूल में मार्ग पर गश्ती कर रहे थे। तभी बाइक सवार तीन व्यक्ति श्रवण रविदास, रंजीत महतो और रजेश कुमार जो नानंद गांव निवासी हैं, नशे में धुत होकर गुजर रहे थे। गश्ती पुलिस तीनों को पकड़ कर थाने लाई और इन्हीं तीनों की गिरफ्तारी से मामला शुरू हुआ। इनमें श्रवण रविदास विम्स पावापुरी अस्पताल के कैंटीन में काम करता है। उसकी पावापुरी सहायक थाना में पदस्थापित दारोगा हरे कृष्ण सिंह से दोस्ती थी। उसी के लिए दारोगा हरे कृष्ण सिंह, खाकी पर तीनों को छोड़ने का दवाब बना रहे थे। जब दारोगा कारू रविदास ने छोड़ने से इंकार किया तो उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट की। इसी को लेकर पीड़ित दारोगा कारू सिंह ने थाने में शिकायत दर्ज कराया था।

कैबिनेट की बैठक में नीतीश सरकार ने घटाई रजिस्ट्रेशन फीस

अब बिहार में लोगों को मिलेंगी सस्ती गाड़ियां

AGENCY PATNA : नीतीश कैबिनेट ने बिहार में वाहनों का व्यवसायिक परमिट शुल्क घटा दिया है। ऑटो रिक्शा से लेकर बस तक का परमिट शुल्क आधे से भी काम हो गया है। सरकार ने यह फैसला बिहार में वाहनों की बिक्री अधिक हो इसको ध्यान में रखकर किया है, क्योंकि पड़ोसी राज्यों में परमिट शुल्क कम लिया जाता है।

गाड़ियों के नीतीश सरकार के इस फैसले से वाहनों के दामों में काफी अंतर आ गया है। मोटर बाइक से लेकर भारी माल वाहक तक के परमिट शुल्क घटा दिए हैं। ऑटो रिक्शा का पहले 5650 शुल्क लिया जाता था, लेकिन आप व्यापसायिक परमिट शुल्क 1150 कर दिया गया है। पहले मोटर कैब, मैक्सी कैब, मिनी बस व्यावसायिक परमिट शुल्क के 23650 लिए जा रहे थे, लेकिन अब घटकर तीनों के काफी कम हो गए हैं। अब मोटर कैब के 4150 रुपए शुल्क कर दिया गया है, तो वहीं मैक्सी कैब के 5150 और मिनी बस के 7150 रुपए ही लगेगा। नीतीश कैबिनेट के इस फैसले से बिहार के लोगों को इससे बड़ी राहत मिलेगी। कैबिनेट में लिए गए फैसले के अनुसार वाहनों का व्यवसायिक परमिट शुल्क इस प्रकार से है- मोटरबाइक का पहले जहां 1650 रुपए रजिस्ट्रेशन शुल्क चुकाने होते थे अभ 1160 रुपए देने होंगे। ऑटो रिक्शा के लिए जहां पहले 5650 रुपए देने पड़ते थे अब 1150 रुपए ही देने होंगे। कैबिनेट विभाग के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने कहा कि पड़ोसी राज्यों में टैक्स कम होने के कारण बिहार को नुकसान हो रहा था। इसीलिए सरकार ने यह फैसला लिया है। इससे गाड़ियों की बिक्री बढ़ेगी तो बिहार को टैक्स भी अधिक मिलेगा।

वाहनों का बदला परमिट शुल्क

मोटर कैब 5 से 7 सीट के लिए व्यावसायिक शुल्क 23650 रुपए चुकाने होते थे, जो अब 6 गुना कम हो गया है। मिनी बस 13 से 23 सीट वाले का परमिट शुल्क भी घटाकर 23650 से 7150 कर दिया गया है, जबकि बस 23 सीट से अधिक का 8500 से 9000 रुपये और ट्रैक्टर ट्रेलर समेत व्यापसायिक शुल्क 3000 कर दिया गया है। भारी मालवाहक वाहनों का परमिट शुल्क भी 8200 रुपए से 7000 कर दिया गया है।

मुंगेर में स्वर्ण व्यवसायी से अपराधी ने मांगी रंगदारी

MUNGER : मुंगेर शहर में रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। कोतवाली थाना क्षेत्र के गांधी चौक निवासी स्वर्ण व्यवसायी गोपाल प्रसाद से दुकान में घुसकर रंगदारी की मांग की गई है। रंगदारी नहीं देने पर अपराधियों ने अंजाम भुगतने की धमकी भी दी है। दिनदहाड़े रंगदारी की मांग किए जाने से स्वर्ण व्यवसायी के परिजनों में दहशत का माहौल है। घटना की जानकारी मिलते ही बुलियन मर्चेंट एसोसिएशन के शिष्टमंडल ने मुंगेर एसपी सैयद इमरान मसूद से मिलकर जानमाल की सुरक्षा की गुहार लगाते हुए अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की है। शिष्टमंडल ने अपराधियों का सीसीटीवी फुटेज भी एसपी को उपलब्ध कराया है। पीड़ित स्वर्ण व्यवसायी गोपाल प्रसाद ने बताया कि मंगलवार 20 अगस्त को दिन के लगभग 12 बजे जेल से छूटे अपराधियों ने दुकान में घुसकर रंगदारी की मांग की।

सीतामढ़ी में डिलीवरी के दौरान मां-बच्चे की मौत

अस्पताल के बाहर लोगों की भीड़।

AGENCY SITAMARHI : बिहार के सीतामढ़ी शहर और उसके आसपास के इलाकों में अवैध नर्सिंग होम की भरमार है। गांव-गांव तक इसका मकड़जाल फैला हुआ है और कई अस्पतालों में साधारण इलाज के नाम पर चोरी छुपे सर्जरी करा मरीजों के जान से खिलवाड़ किया जा रहा है। ताजा मामला डुमरा प्रखंड के मौराहा पुल के पास एक अवैध नर्सिंग होम का है। जहां झोला छाप डॉक्टर द्वारा ऑपरेशन के दौरान मां और बच्चे की मौत हो गई है। झोला छाप डॉक्टर द्वारा ऑपरेशन के दौरान जच्चा-बच्चा की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया। जिसके बाद मौके से डॉक्टर और अस्पताल के स्टाफ फरार हो गए। घटना के सूचना के बाद मौके पर डुमरा थाना प्रभारी, डुमरा अंचल अधिकारी डोली कुमारी पहुंचे और मामले की जांच की। पुलिस ने नर्सिंग होम को सील कर दिया है। मृतका की पहचान डुमरा थाना क्षेत्र के सिमरा गांव निवासी उर्मिला देवी के रूप में की गई है। परिजनों ने बताया कि उर्मिला गर्भवती थी।

एनएसएस टीएमबीयू की मैराथन टीम पटना रवाना

BHAGALPUR : राज्य सरकार की एड्स कंट्रोल सोसायटी के द्वारा एड्स जागरुकता के लिए 23 अगस्त को आईआईटी पटना में रेड रन मैराथन किया जा रहा है। इसमें भाग लेने के लिए 6 स्वयंसेवकों की एनएसएस टीएमबीयू की टीम गुरुवार को रवाना हुई। उल्लेखनीय हो कि यह प्रतियोगिता 5 किलोमीटर की होगी और पुरुष और महिला श्रेणी के लिए अलग-अलग आयोजित किया जाएगा। पुरुष वर्ग में भोला कुमार बीएन कॉलेज, दरोगा कुमार बी एल एस कॉलेज नवगछिया और ऋषि कुमार टीएनबी कॉलेज, जबकि महिला वर्ग में अंगुरी कुमारी मारवाड़ी कॉलेज, देवयानी कुमारी टीएनबी कॉलेज, नेहा कुमारी एसएम कालेज ने विश्विद्यालय स्तर पर हुए 22 जुलाई की प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त किया था। इन्हें अब राज्य स्तर के लिए आईआईटी पटना भेजा गया है।

पूर्वोत्तर राज्यों के लिए बड़ा खतरा बना बांग्लादेश

भारत के पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर, पड़ोसी देश म्यांमार और बांग्लादेश की घटनाएं एक-दूसरे से संबंधित हैं। यह सभी घटनाएं एक बड़े षड्यंत्र का हिस्सा है। अमेरिकी सरकार ने बांग्लादेश के राजनीतिक मामलों में हस्तक्षेप किया, लोकतंत्र और स्वतंत्र चुनाव को बढ़ावा देने की आड़ में कई सारे प्रतिबंध लगाए। यह कार्रवाई बांग्लादेश में राजनीतिक परिदृश्य को प्रभावित करने का एक रणनीतिक हिस्सा है। बांग्लादेशी अधिकारियों ने दावा किया है कि उनके पास बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक प्रमुख और खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान और सऊदी अरब में आईएसआई अधिकारियों के बीच बैठकों के सबूत हैं। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भी दावा किया था कि बांग्लादेश और म्यांमार के कुछ हिस्सों को काटकर एक नया ईसाई देश बनाने की साजिश रची जा रही है। अमेरिका उनसे एक हवाई पट्टी बनाने की मांग भी कर रहा था। अमेरिका ने बांग्लादेश नेशनल पार्टी और उसके सहयोगी जमात-ए-इस्लामी को भी समर्थन दिया था। जमात-ए-इस्लामी, बांग्लादेश बनने के बाद से ही कई तरह की अस्थिर गतिविधियों में शामिल रहा है और कहीं ना कहीं पाकिस्तान का समर्थक भी है। बांग्लादेश की सबसे बड़ी समस्या अस्थिरता और अराजकता रही है। बांग्लादेश बनने के बाद से कभी भी सरकार पूर्ण मजबूती के साथ स्थिरता से नहीं चल पाई। मुजीबुर रहमान ने भारत के सहयोग से मुक्ति वाहिनी बनाई और बांग्लादेश का गठन किया। परंतु सेना में गुटबाजी और महत्वाकांक्षाएं होना के कारण वह तीन साल बाद ही लगभग पूरे परिवार सहित सेना द्वारा मार दिए गए। मुजीबुर्रहमान की दो बेटियां शेख हसीना और उनकी बहन शेख रिहाना ही बचीं, जो उस समय देश से बाहर थीं। जिया उर रहमान मिलिट्री कमांडर थे, जिसने शेख मुजीबुर्रहमान का आजादी के संग्राम मे साथ दिया। शेख मुजीब की हत्या के बाद उन्होंने देश का शासन संभाला। वह ही शेख हसीना को बांग्लादेश वापस लेकर आया और उसे राजनीति में स्थापित किया। बाद में उसने अपनी पत्नी बेगम खालिदा जिया को भी राजनीति में उतार दिया और 1977 में राष्ट्रपति बन बैठा और चार साल बाद 1981 में उनकी भी सैन्य तख्तापलट में हत्या कर दी गई। इसके बाद बांग्लादेश के सैन्य प्रमुख मोहम्मद इरशाद ने देश की सत्ता पर कब्जा कर लिया। इरशाद को हटाने के लिए हसीना और जिया दोनों साथ आईं और जीत भी हासिल की, परंतु इरशाद के हटने के बाद वे एक दूसरे के खिलाफ हो गईं। खालिदा को शेख हसीना के खिलाफ करने में उस समय सीआईए का बहुत बड़ा हाथ था। वहाँ के कट्टर मुस्लिमों का एक धड़ा पाकिस्तान समर्थक है, जो भारत विरोधी हैं। वहाँ पर अरब देशों से पेट्रो-डॉलर फंडिंग वाले कट्टरपंथी तब्लीगियों का भी अच्छा प्रभाव बनता जा रहा है। जमात-ए-इस्लामी भी विदेशी फंडिंग पाती है, साथ ही वह आईएसआई और सीआईए के संपर्क सहयोग में भी है। वर्तमान में केवल शेख हसीना ही भारत समर्थक और सहयोगी हैं और अमेरिकन डीप स्टेट को नापसंद है। अब अंतरिम सरकार प्रमुख मोहम्मद यूनुस को बनाया गया है, जिन्होंने 1984 में माइक्रोफाइनेंस स्कीम के नाम पर गरीब बांग्लादेशी नागरिकों को विदेशी पैसे बांटकर उनका दोहन किया। बांग्लादेश की गरीबी में कोई सुधार नही आया, परंतु विदेशी धन के माध्यम से बांग्लादेश के लोगों और अर्थव्यवस्था को नियंत्रित करने का प्रयास किया, जिसकी शेख हसीना प्रबल विरोधी है। इन पर टैक्स चोरी और अत्यधिक ब्याज से लोगों के दोहन के आरोप लगते रहे, साथ ही यह विदेशी प्रतिनिधित्व के प्रबल समर्थक हैं। म्यांमार का संघर्ष राज्य बनाने वाले बर्मी बहुसंख्यकों व अल्पसंख्यकों के मध्य है। अल्पसंख्यक मुख्य रूप से सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थित हैं, जबकि बर्मी देश के मध्य और दक्षिणी हिस्सों पर हैं। कई अल्पसंख्यक समूह प्राकृतिक संसाधनों, जुए, ड्रग्स या विदेशी सहायता (खासकर मिशनरीज) के माध्यम से खुद को बनाए रखते हैं। वह अक्सर चीनी और अमेरिकन हथियारों की सहायता से संघर्ष को कम तीव्रता पर जारी रखते हैं, जिससे इसकी निरंतरता बनी रहती है। ऐसा करने के पीछे ड्रग्स और जंगल पहाडों पर मिलने वाले आर्थिक संसाधन के माध्यम से होने वाली आय भी कारण है। शेख हसीना, जिस ईसाई-यहूदी लोगों का एक स्वतंत्र राष्ट्र बनाने के प्रयासों की ओर इशारा कर रही थीं, वह वहाँ रहने वाले ईसाई धर्म में परिवर्तित हो चुके समूहों की पुरानी मांग है। ईसाई राष्ट्र जोगाम, जिसे जालेंगम (स्वतंत्रता की भूमि)की तर्ज पर कहा जाता है, एक प्रस्तावित कुकी राज्य है। इस अलग राष्ट्र में म्यांमार के सागाइंग डिवीजन और चिन राज्य के बड़े हिस्से, भारतीय राज्य मिजोरम और मणिपुर के कुकी-बसे हुए इलाके और बांग्लादेश के चटगांव डिवीजन के बंदरबन जिले और आस-पास के इलाके शामिल करने का विचार है। अमेरिका समेत यूरोपियन समुदाय इस मांग को हवा देता रहता है और कुकी समुदाय का सहायक भी है। यह क्षेत्र कुकी-चिन आतंकवादी समूहों के उग्रवाद से जूझ रहा है जिसमे जोमी, चिन-कुकी-मिजो जातीय समूह शामिल है। भारत, म्यांमार और बांग्लादेश के पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले एक जातीय समूह हैं। उनकी उत्पत्ति म्यांमार की चिन पहाड़ियों और भारत में मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड के आस-पास के क्षेत्रों से जुड़ी हुई है। जहां वो बाहर से धीरे धीरे इन क्षेत्रों में प्रवास करके बस गए और अलग-अलग समुदायों का निर्माण किया। शेख हसीना के साथ सीआईए बांग्लादेश को अमेरिकी सेना के लिए दक्षिण एशिया को नियंत्रित करने के लिए एक सैन्य हवाई पट्टी बनाने में विफल रही।

धीमा न्याय निर्भयाओं को कर रहा कमजोर

ANALYSIS

प्रियंका सौरभ

राष्ट्रीय महिला आयोग के एक अध्ययन में पाया गया कि कई कार्यस्थलों में आंतरिक शिकायत समितियों का अभाव है , जो यौन उत्पीड़न अधिनियम को लागू करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। संस्थाओं के भीतर भ्रष्टाचार, हिंसा के पीड़ितों के लिए न्याय में बाधा उत्पन्न कर सकता है तथा प्रभावशाली अपराधी अक्सर रिश्वत या राजनीतिक संबंधों के माध्यम से कानूनी परिणामों से बच निकलते हैं। कई कानून प्रवर्तन अधिकारियों और न्यायिक कर्मियों में लैंगिक मुद्दों पर पर्याप्त प्रशिक्षण और संवेदनशीलता का अभाव है, जिसके कारण पीड़ित को ही दोषी ठहराने की प्रवृत्ति पैदा होती है और महिलाओं के खिलाफ हिंसा से संबंधित मामलों का अनुचित तरीके से निपटारा होता है। पुरुषों के वर्चस्व और महिलाओं पर नियंत्रण को प्राथमिकता देने वाले पितृसत्तात्मक मानदंड, महिलाओं के खिलाफ हिंसा के जारी रहने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में हुए शर्म से डुबो देने वाले खौफनाक कांड ने कई तरह के सवाल पैदा किए हैं। कार्यस्थलों पर महिलाओं के साथ होने वाली घटनाओं को रोकने के तमाम प्रयासों के बीच मेडिकल स्टूडेंट (ट्रेनी लेडी डॉक्टर) की रेप के बाद की गई हत्या से सारे देश में उबाल है। ऐसे मामलों में धीमी न्याय प्रक्रिया भी निर्भयाओं के हौसले को कमजोर करती है। कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न अधिनियम (2013) जैसे प्रगतिशील कानूनों के अस्तित्व के बावजूद, निगरानी, जवाबदेही और संस्थागत समर्थन की कमी के कारण उनका कार्यान्वयन कमजोर बना हुआ है। राष्ट्रीय महिला आयोग के एक अध्ययन में पाया गया कि कई कार्यस्थलों में आंतरिक शिकायत समितियों का अभाव है , जो यौन उत्पीड़न अधिनियम को लागू करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। संस्थाओं के भीतर भ्रष्टाचार, हिंसा के पीड़ितों के लिए न्याय में बाधा उत्पन्न कर सकता है तथा प्रभावशाली अपराधी अकसर रिश्वत या राजनीतिक संबंधों के माध्यम से कानूनी परिणामों से बच निकलते हैं। कई कानून प्रवर्तन अधिकारियों और न्यायिक कर्मियों में लैंगिक मुद्दों पर पर्याप्त प्रशिक्षण और संवेदनशीलता का अभाव है, जिसके कारण पीड़ित को ही दोषी ठहराने की प्रवृत्ति पैदा होती है और महिलाओं के खिलाफ हिंसा से संबंधित मामलों का अनुचित तरीके से निपटारा होता है। पुरुषों के वर्चस्व और महिलाओं पर नियंत्रण को प्राथमिकता देने वाले पितृसत्तात्मक मानदंड, महिलाओं के खिलाफ हिंसा के जारी रहने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। ये मानदंड अकसर अपमानजनक

व्यवहार को उचित ठहराते हैं या कम करते हैं, परिवार के पुरुष सदस्यों पर आर्थिक निर्भरता अक्सर महिलाओं को हिंसा सहने के लिए मजबूर करती है, क्योंकि अपमानजनक स्थिति से बाहर निकलने पर वित्तीय अस्थिरता या अभाव हो सकता है। विशेषकर यौन हिंसा के पीड़ितों को अकसर सामाजिक कलंक और बहिष्कार का सामना करना पड़ता है, जो उन्हें अपराधों की रिपोर्ट करने या न्याय मांगने से हतोत्साहित करता है। मीडिया में महिलाओं और हिंसा के बारे में प्रस्तुतीकरण अक्सर मामलों को सनसनीखेज बना देता है, कभी-कभी मुद्दे की गंभीरता को कमतर आंकता है या पीड़ितों के बारे में नकारात्मक रूढ़िवादिता को मजबूत करता है। विशेष रूप से यौन हिंसा की रिपोर्टिंग से होने वाले रुढ़िवादी सांस्कृतिक कलंक के कारण कम रिपोर्टिंग होती है, जिससे महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानूनों के प्रवर्तन में बाधा आती है। यौन हिंसा की अनुमानित घटनाओं और रिपोर्ट किए गए मामलों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर दिखाता है, जो रिपोर्टिंग में सांस्कृतिक बाधाओं को उजागर करता है। अपर्याप्त फंडिंग और स्टाफिंग सहित संस्थागत संसाधन की कमी, कानून प्रवर्तन एजेंसियों की कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करने और महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामलों का जवाब देने की क्षमता को सीमित करती है। कई पुलिस स्टेशनों, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामलों को संभालने के लिए समर्पित महिला अधिकारियों या विशेष प्रकोष्ठों की कमी है, जिसके कारण मामले को ठीक से नहीं निपटा जा पाता है। राजनीतिक प्रभाव और भ्रष्टाचार के कारण अकसर कानूनों का चयनात्मक प्रवर्तन होता है, जहां शक्तिशाली व्यक्तियों से जुड़े मामलों को या तो दबा दिया जाता है या खराब तरीके से जांच की जाती है। महिलाओं में कानूनी जागरुकता की कमी, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, न्याय पाने की उनकी क्षमता को सीमित करती है और इसके परिणामस्वरूप उन्हें बचाने के लिए बनाए गए कानूनों का कम उपयोग होता है। कई महिलाएं महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम 2005 जैसे कानूनों के तहत अपने अधिकारों से अनजान हैं, जिसके कारण रिपोर्ट करने और कानूनी सहारा लेने की दर कम है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए कानूनों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षण, संवेदनशीलता और संसाधन आवंटन के माध्यम से कानून प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमता को बढ़ाना महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए: पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो द्वारा आयोजित पुलिस अधिकारियों के लिए नियमित लिंग संवेदनशीलता प्रशिक्षण कार्यक्रम , महिलाओं के खिलाफ हिंसा से संबंधित मामलों से निपटने में सुधार कर सकते हैं। व्यावसायिक प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर प्रदान करने जैसी आर्थिक सशक्तिकरण पहल, महिलाओं की अपमानजनक रिश्तों पर निर्भरता को कम कर सकती है और उन्हें अपने अधिकारों का दावा करने में सक्षम बना सकती है। सरकार और नागरिक समाज संगठनों को महिलाओं के बीच कानूनी साक्षरता बढ़ाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में, ताकि वे अपने अधिकारों और उनके लिए उपलब्ध कानूनी रास्तों के बारे में जागरूक हों। महिला अधिकार पहल जैसे गैर सरकारी संगठनों द्वारा आयोजित कानूनी जागरूकता शिविर महिलाओं को घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम 2005 जैसे कानूनों के बारे में शिक्षित करने में मदद करते हैं । सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम जो पितृसत्तात्मक मानदंडों को चुनौती देते हैं और लैंगिक समानता को बढ़ावा देते हैं , एक सांस्कृतिक बदलाव ला सकते हैं जो महिलाओं के खिलाफ हिंसा को हतोत्साहित करता है। संस्थानों के अंतर्गत मजबूत निगरानी और जवाबदेही तंत्र स्थापित करने से यह सुनिश्चित हो सकता है कि कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए और किसी भी चूक को तुरंत संबोधित किया जाए। कार्यस्थलों पर आंतरिक शिकायत समितियों की स्थापना , जैसा कि कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 द्वारा अनिवार्य है , अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए नियमित ऑडिट के साथ, कानून की प्रभावशीलता में सुधार कर सकता है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मुद्दे को संबोधित करने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो संस्थागत और सामाजिक दोनों कारकों से निपटता है। कानून प्रवर्तन को मजबूत करना, महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और सांस्कृतिक परिवर्तन को बढ़ावा देना महिलाओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण बनाने की दिशा में आवश्यक कदम हैं । सरकार, नागरिक समाज और समुदायों के ठोस प्रयासों से, भारत एक ऐसे भविष्य की ओर बढ़ सकता है जहां महिलाएं भय और हिंसा से मुक्त रहें , उनके अधिकार और सम्मान पूरी तरह सुरक्षित हों ।

लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

मदरसों पर पहल अच्छी, पर परिणाम इच्छा के अनुरूप नहीं

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रदेश के बच्चों के अच्छे भविष्य को लेकर कितने अधिक चिंतति हैं, यह उनके मदरसा शिक्षा पर लिए गए निर्णय से एक बार फिर सामने आया है। उन्होंने उन तमाम मदरसों को चेताया है जोकि नियमों को नहीं मानते हैं। ऐसे सभी मदरसों के संबंध में सीएम मोहन यादव की सख्त हिदायत है, या तो नियमों से चलो, नहीं तो सभी सरकारी अनुदान रोक दिए जाएंगे। वस्तुतः देश भर के मदरसों की तरह ही मध्य प्रदेश में भी यह देखने में लगातार आ रहा था कि यहां गैर इस्लामिक बच्चों को बड़ी संख्या में दीनी तालीम दी जा रही है, जोकि एक तरह से अप्रत्यक्ष रूप से उनका माइंडवॉश किए जाने का योजनापूर्ण षड्यंत्र है। जिसमें कि एक समय के बाद उसे अपने मूल मत, पंथ, धर्म से घृणा हो जाए और वह इस्लाम को ही सबसे श्रेष्ठ समझने लगे। इस पूरी प्रक्रिया में बच्चों के हितों का कोई संरक्षण नहीं किया जा रहा था, ऐसे में मुख्यमंत्री यादव ने आगे होकर जो यह पहल की है, वह स्तुत्य है। उन्होंने अब साफ तौर पर कह दिया है कि स्कूल शिक्षा विभाग संविधान के आर्टिकल 28(3) का अनुपालन सुनिश्चित करेगा और छात्रों को उनके निर्धारित मत, पंथ के अलावा अन्य रिलीजन की जबरन शिक्षा देने वाले संस्थानों पर रोक लगाएगा । वैसे भी संविधान का अनुच्छेद 28 कहता भी यही है कि सरकारी शैक्षिक संस्थानों में कोई धार्मिक निर्देश नहीं दिया जाएगा। किसी को डरा-धमका या लालच देकर धर्म परिवर्तन नहीं करा सकते, लेकिन यहां तो मदरसों में बचपन में ही सोचने की प्रक्रिया बदल दी जाती है। जिसका एक समय के बाद परिणाम अधिकांश बार मतान्तरण (धर्मांतरण) के रूप में ही सामने आता है । इस संबंध में याद आता है, अभी हाल ही में धर्मांतरण को लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी की । हाई कोर्ट ने कहा कि भारतीय संविधान किसी को धर्म अपनाने, उसमें आस्था जताने और प्रचार करने की अनुमति देता है, लेकिन यह लालच व दबाव बनाकर धर्म परिवर्तन कराने की अनुमति नहीं देता। कोर्ट ने यह भी कहा है कि धर्मांतरण कराना एक गंभीर अपराध है, जिस पर सख्ती की जानी चाहिए। इस संदर्भ में हमने पूर्व में भी मप्र में देखा जब शिवराज सरकार के दौरान मतान्तरण से जुड़े कानून में संशोधन किया गया। दिसंबर, 2020 में शिवराज सिंह कैबिनेट ने ह्यमध्य प्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता विधेयक 2020ह्ण को मंजूरी दी। इस विधेयक में शादी या धोखाधड़ी से कराया गया धर्मांतरण भी अपराध माना गया, जिसके लिए अधिकतम 10 साल की कैद और एक लाख रुपए तक के जुमार्ने का प्रावधान तय किया गया। किंतु उसके बाद भी देखने में यही आया है कि न तो धर्मांतरण (मतान्तरण) के मामलों में कमी आई, ना हीं लवजिहाद जैसे अपराध कम हुए। यह बहुत विचारणीय है कि आखिर इसका कारण क्या हो सकता है इस बारे में वास्तव में जब गहराई से चिंतन करते हैं, तो ध्यान में आता है कि प्रत्येक मुस्लिम परिवार में दीनी तालीम अनिवार्य की गई है। अपने मजहब की दीनी तालीम दिए जाने पर किसी को कोई आपत्ति नहीं है, पर प्रश्न यह है कि इस दीनी तालीम और मदरसा शिक्षा की आड़ में बच्चों को पढ़ाया क्या जा रहा है बच्चा किन पुस्तकों को पढ़ रहा है मदरसा में मौलवियों द्वारा बच्चों के मन में क्या भरा जा रहा है कहना होगा कि अभी इसे देखने एवं जांचने का कोई यंत्र सरकारी सिस्टम नहीं बना है। मजहबी शिक्षा के नाम पर क्या हम अपने बच्चों को गैर मुसलमानों के प्रति नफरत से तो नहीं भर रहे यह देखना जहां प्रत्येक परिवार के समझदार सदस्यों का काम है तो वहीं बच्चे राज्य की आधारशिला और जिम्मेदारी होने से यह सरकार का काम भी है कि वह उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराए, यदि कहीं इसमें कोई बाधा है तो उसे तत्काल प्रभाव से दूर करे। मध्य प्रदेश में अब भले ही राज्य सरकार ने हाल ही में अधिकारियों को सरकारी अनुदान प्राप्त करने वाले मदरसों में नामांकित छात्रों की साख वेरीफिकेशन करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि माता-पिता या अभिभावकों की सहमति के बिना उन्हें दूसरे मत, पंथ की शिक्षा न दी जाए। राज्य सरकार ने इस संबंध में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) की सिफारिशों को भी मान्य कर लिया हो, फिर भी कहना यही होगा कि समस्या आगे भी वहीं की वहीं रहने वाली है। क्योंकि इसके मूल पर, समस्या की जड़ पर काम नहीं हो रहा है। यहां समझनेवाली बात है कि आखिर मूल समस्या है क्या तो मूल समस्या है इन मदरसों में दीनी तालीम के नाम पर गैर मुसलमानों के प्रति नफरतभरी भावना, तमाम भ्रमित, असत्य जानकारियों के माध्यम से भर देना । इस संबंध में किसी को साक्ष्य देखने हैं तो मदरसों में पढ़ाए जा रहे मौलवियों के उपलब्ध वीडियो एवं जो बच्चों ने समय-समय पर मीडिया को बताया है, वह सभी ई-दस्तावेज, प्रकाशित सामग्री साक्ष्य के तौर पर देख सकते हैं, यह सभी पर्याप्त मात्रा में मौजूद हैं। वस्तुतः जिन्हें देखकर यह सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि कैसे नन्हें-मुन्नों के दिमाग में गैर मुसलमानों के प्रति एक सतत प्रक्रिया के तहत नकारात्मक भाव भरने का कार्य निरंतर जारी है। अब जब मप्र सरकार की मंशा अच्छी है और वह राज्य के बच्चों के भविष्य को लेकर अति संवेदनशील है तो ऐसे में उससे कहना यही है कि वह इस समस्या की जड़ पर काम करे। सिर्फ मान्यता प्राप्त मदरसों में पाई जानेवाली अनियमितताओं पर उसकी मान्यता रद्द करने से काम नहीं चलेगा या उन्हें मिलनेवाले शासन के अनुदान को रोकदेने से काम नहीं बननेवाला है। वस्तुतः सरकार को चाहिए कि वह प्रदेश के प्रत्येक मदरसा को चिह्नित करे। उनकी मैपिंग कर वहां पढ़ाए जानेवाले पाठ्यक्रम का निर्धारन करे। बीच-बीच में गैर मुसलमान विद्वानों को इन बच्चों के बीच नियमित तौर पर पढ़ाने के लिए भेजा जाए।

Social Media Corner

सच के हक में...

भारत और पोलैंड मानवता के बंधन से जुड़े हुए हैं। मैं पोलैंड से मिली मदद को कभी नहीं भूल सकता, चाहे वह 2001 के गुजरात भूकंप के दौरान हो या जब हमारे छात्र यूक्रेन से लौट रहे थे। भारत और पोलैंड लोकतंत्र और लोकतांत्रिक सिद्धांतों को महत्व देते हैं। भारत अद्वितीय गति, पैमाने पर काम कर रहा है और विभिन्न चुनौतियों का समाधान प्रदान कर रहा है। जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने में भारत सबसे आगे है। वारसॉ में तीन विशेष स्मारकों की मेरी यात्रा की मुख्य विशेषताएं।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

हमारी ये अपेक्षा है कि जम्मू और कश्मीर इस चुनाव में जरूर हमारा साथ देगा। राहुल गांधी जम्मू और कश्मीर की आवाज उठाते हैं, लड़ते हैं। हमें केवल वोट के लिए आपका साथ नहीं चाहिए, हमें इस देश को बचाने के लिए आपके वोट चाहिए! जम्मू और कश्मीर के कल्चर को बचाने के लिए, यहां के लोगों के अधिकारों को बचाने के लिए, यहां के लोगों के स्वाभिमान को बचाने के लिए हमें ये चुनाव लड़ना है।

(मल्लिकार्जुन खड़गे का 'एक्स' पर पोस्ट)

जब भूजल विषाक्त हो जाएगा, तब...

यह वैज्ञानिक रिपोर्ट निश्चित ही चौंकाने वाली है कि सन 2100 में लगभग 59 करोड़ लोग ऐसे जल स्रोतों पर निर्भर हो सकते हैं जो पीने योग्य पानी के लिए सबसे कड़े मानकों को पूरा नहीं करते हैं। तथ्य यह है कि दुनिया में लगभग हर चार में से एक व्यक्ति जीवित रहने के लिए पृथ्वी की सतह के नीचे मौजूद जलाशयों पर निर्भर है, क्योंकि साफ पानी की झीलों, नदियों और बांधों तक सभी लोगों की पहुंच नहीं है। वैज्ञानिकों ने चेताया है कि सदी के अंत तक लाखों लोग पानी की इस मामूली आपूर्ति से भी वंचित हो सकते हैं क्योंकि बढ़ते तापमान के कारण उथले भूजल के विषाक्त होने का खतरा है। एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने वैश्विक तापमान वृद्धि के विभिन्न परिदृश्यों के तहत दुनिया भर में भूजल स्रोतों के तापमान परिवर्तनों को सटीक संख्या में बताने के लिए ऊष्मा परिवहन का एक विश्व-स्तरीय मॉडल विकसित किया है। इस समय गर्मी की लहरें, बर्फ की पिघलती हुई टोपियां और समुद्रों का बढ़ता स्तर नियमित रूप से सुर्खियां बटोर रहे हैं,लेकिन हमारा ध्यान भूमि पर ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों की तरफ नहीं जाता। हमें भूजल पर पड़ने वाले जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के बारे में अधिक व्यापक रूप से सोचने की आवश्यकता है। यह सच है कि हमारे पैरों के नीचे की चट्टान और मिट्टी की परतें समुद्री जल की गर्मी को अवशोषित करने की क्षमता से मेल नहीं खाती हैं। फिर भी,यह आश्चर्यजनक है कि भूजल के गर्म होने के परिणामों पर इतना कम ध्यान दिया गया है, खासकर जब पानी की कमी और रिचार्ज (पुनर्भरण) दर पर इतनी अधिक चर्चा होती है। सतह के ठीक नीचे छिद्रपूर्ण चट्टानों के भीतर फंसा पानी घुले हुए खनिजों, प्रदूषकों और संभावित रोगजनकों से भरा हो सकता है। बहुत बड़ी आबादी के समक्ष इस प्रदूषित जल पर निर्भर रहने के सिवाय और कोई विकल्प नहीं है। इन भूमिगत जलाशयों को सिर्फ.एक या दो डिग्री गर्म करने से परिणाम भयावह हो सकते हैं। इससे पर्यावरण में ऑक्सीजन की कमी हो सकती है और खतरनाक बैक्टीरिया के विकास को बढ़ावा मिल सकता है,या आर्सेनिक और मैंगनीज जैसी भारी धातुओं की अत्यधिक मात्रा पानी मे घुल सकती है। दुनिया मे पहले से ही लगभग तीन करोड़ लोग ऐसे क्षेत्रों में रह रहे हैं,जहां भूजल पीने के पानी के सख्त दिशा-निर्देशों में निर्धारित तापमान से ज्यादा गर्म है। इसका मतलब है कि बिना ट्रीटमेंट के वहां का पानी पीना सुरक्षित नहीं है। आसपास पर्याप्त आकार के सतही जलाशयों वाली आबादी के लिए भी गर्म भूजल उन प्रमुख कारकों को बदल सकता है जो पानी को मानव उपभोग के लिए सुरक्षित रखते हैं। 7.7 करोड़ से 18.8 करोड़ लोगों के ऐसे क्षेत्र में रहने का अनुमान है जहां भूजल 2100 तक पीने योग्य मानकों को पूरा नहीं कर पाएगा। इस अध्ययन के नतीजे बताते हैं कि भूजल की रक्षा के लिए कार्रवाई करना और भूजल पर जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभाव का मुकाबला करने के लिए स्थायी समाधान खोजना कितना आवश्यक है। इस बीच, जलवायु परिवर्तन से संबंधित एक अन्य अध्ययन में वैज्ञानिकों ने दुनिया में मीथेन उत्सर्जन में वृद्धि पर चिंता व्यक्त की है। रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, लोगों की गिरती सेहत, गायब होती बर्फ की चादरों और अप्रत्याशित मौसम के रूप में जलवायु परिवर्तन की बड़ी चेतावनियां हमें लगातार मिल रही हैं। फिर भी हम वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों की बढ़ती मात्रा को उत्सर्जित कर रहे हैं। इससे हमारा अस्तित्व खतरे में पड़ रहा है। विशेषज्ञों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम द्वारा किए गए एक नए अध्ययन में बताया गया है कि 2006 से वैश्विक मीथेन उत्सर्जन बढ़ रहा है। 2020 से इसमें तेजी आई है।

सही राह पर

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा जम्मू एवं कश्मीर में 18 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच तीन चरणों में चुनाव कराने के एलान के साथ राज्य में लोकतंत्र के संचालन में एक बड़ी कमी को दूर किया गया है। जम्मू एवं कश्मीर के विशेष दर्जे को रद्द करने और इस पूर्ववर्ती राज्य का विभाजन करने के बाद उसे एक केंद्र-शासित प्रदेश (यूटी) में तब्दील करने के साथ ही वहां एक निर्वाचित और सक्रिय विधायिका की गैरमौजूदगी की वजह से लोगों में काफी निराशा एवं अलगाव का भाव पैदा हो गया था। चिंताओं को व्यक्त करने के वास्ते विधायिका की गैरमौजूदगी और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम और सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम के तहत छात्रों, पत्रकारों, वकीलों और अन्य नागरिक समाज के प्रतिनिधियों को गिरफ्तार करके असहमति को दबाना अलगाव को और बढ़ाने का नुस्खा रहा है। विशेष दर्जे को निरस्त करने - एक त्रुटिपूर्ण कदम - को सही ठहराने के अपने फैसले में, सुप्रीम कोर्ट ने जल्द से जल्द राज्य का दर्जा बहाल करने की जरूरत के बारे में अपनी राय व्यक्त करने के अलावा यह भी आदेश दिया था कि 30 सितंबर, 2024 तक राज्य विधानसभा के चुनाव हो जाने चाहिए। ईसीआई ने इस निर्देश पर ध्यान देकर अच्छा काम किया है। निर्वाचित विधायिका की गैरमौजूदगी का मतलब यह हुआ है कि वहां के लोगों के पास अपनी चिंताओं को व्यक्त करने वाली आवाज का अभाव है और वे चुनावी भागीदारी के अपने अधिकारों पाने के लिए लालायित हैं। यह 2019 के बाद से स्थानीय निकाय और संसदीय चुनावों में भागीदारी के स्तर से स्पष्ट है झ भागीदारी का यह आंकड़ा पहले के चुनावों के मुकाबले काफी ज्यादा था, खासकर घाटी में। लगभग एक दशक पहले हुए पिछले विधानसभा चुनावों में, जनादेश सांप्रदायिक आधार पर विभाजित हो गया था, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जम्मू में लगभग सभी सीटों पर जीत हासिल की थी और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी), नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) तथा कांग्रेस को घाटी की अधिकतर सीटों पर कामयाबी मिली थी।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Realism, strategic interests should dictate India-China ties

A realistic assessment of the current state of India-China relations is necessary amid the apparent orchestrated pleas urging India to ease travel and import restrictions on Chinese personnel and goods. Since its military adventure in Ladakh in April 2020, Beijing has consistently sought normalisation of relations, especially economic, setting aside the situation on the border. Over the past couple of months, various business sectors, reinforced by arguments advanced by some economists and media reports, have echoed China's demands.

There is a negligible prospect of an improvement in India-China relations in the near future. The absence of communication for over four years at the highest level and China's recent protest against economic assistance to projects in Arunachal Pradesh and other border regions -- on the specious pretext that they are disputed -- are brazen examples. On the contrary, they point to China expanding the areas of pressure on India.

The bilateral relationship has been subjected to considerable strain ever since Beijing decided that it will attempt to forcibly take the territories it claims and compel India to acquiesce to China being the leading power in the region. China has simultaneously redoubled efforts to establish dominance over Asia. These developments have coincided with the view in the Chinese Communist Party (CCP) leadership that India has drawn uncomfortably close to the US. Additionally, Beijing sees India as adopting a tougher, unyielding stance, which includes building defences along the border as well as initiating steps to close off the burgeoning Indian market to China. Beijing views these as unwelcome steps, but considers that India does not yet pose a serious challenge.

The situation on the border has also not changed; 60,000-70,000 troops remain deployed on the front lines. The Chinese have built additional accommodation to billet reinforcements and new advanced weaponry and military units continue to be inducted. Border defence infrastructure is being built at a frenetic pace with plans to build 35 military or dual-use airports and major arterial railways and roads along the border in Tibet. Chinese President Xi Jinping's attitude towards India, signalled on the opening day of the 20th Party Congress in October 2022, with the screening of a video of the fateful Galwan clash of June 2020, has not altered.

In a cosmetic attempt to show that China wants to improve ties but it's India that is playing spoilsport, Beijing claimed that it had sent Ambassador Xu Feihong, who arrived in India almost 20 months after his predecessor Sun Weidong departed, to enhance communication and improve bilateral ties. This has been echoed by many Indian journalists, academics and others. Since his arrival, Xu Feihong has virtually been holding court, meeting Indian politicians, former diplomats, businessmen and others. China is keen on maintaining commercial and economic access to India's market but has no intention of taking substantive steps to ease tensions on the border. At the same time, it is determined to keep India under protracted and sustained pressure.

There are other signs of China's attitude and intentions. Xi has not initiated direct contact or meeting with Prime Minister Modi since April 2020, or even observed basic diplomatic niceties and congratulated him on his re-election. Chinese Premier Li Qiang did send a routine message of congratulations, but only after Modi's swearing-in. China's Ministry of Foreign Affairs explained that it would have been 'premature' to convey greetings prior to the swearing-in. There was, however, no such hesitation in inviting Indonesia's President-elect on an official visit prior to his swearing-in! Whether this presages an effort to restrict China-India interaction at the level of the Chinese Premier is to be seen.

Xi also skipped the G-20 Summit and Shanghai Cooperation Organisation (SCO) meetings. A senior CCP cadre had divulged a couple of months prior to the G20 Summit that Xi would not attend the event and it would, therefore, be a failure. However, Xi's absence ensured there would be no distractions, the G20 communique was unanimously approved, and, importantly, India brought the Global South within the G20 fold.

Women's safety at workplace ignored for too long

We need to broaden our vision and take the debate on education beyond what is deleted from or added to NCERT textbooks.

INDIA reports 86 cases of sexual assault on women every day, according to government data. The actual figure could be much higher. And no one would dispute that sexual assault is an everyday occurrence in the country. The Kolkata rape-murder has triggered nationwide protests. PM Narendra Modi has appealed to the head of Bangladesh's interim government to ensure the safety of minorities there, but he is yet to make a direct comment on the Kolkata horror, despite doctors staying away from work and threatening to suspend emergency services and 71 Padma awardee doctors writing to him to seek his intervention. In his Independence Day speech, he had stressed the need to end atrocities against women in general.Women make up around 30 per cent of the doctors and 80 per cent of the nursing staff in India. Though the Indian Medical Association has called for hospitals to be declared safe zones with security measures akin to those at airports and courts, such steps may not be enough. After all, women are abused everywhere, from sports coaching centres to public transport and even in their own homes and at police stations.'Reclaim the Night' had a spontaneous and emotive appeal. Kolkata had not experienced a telling moment like this in a long time. But going by the NCRB data, 85 other cases may have happened that day, August 9. The last few days alone have witnessed a series of crimes against women across the country. A nurse was allegedly raped and killed while returning home from work in Uttarakhand; her body was recovered last week. A teenage girl was allegedly gangraped and murdered in Bihar. Her mutilated body was found near a pond at a village in Muzaffarpur district. A 16-year-old girl was reportedly gangraped inside a bus in Dehradun. And a female doctor was assaulted at Mumbai's Sion Hospital by an inebriated patient and his relatives.

We as a nation express selective rage and then quickly move on. We light candles on certain anniversaries and forget the rest. It is true that we cannot rise in protest 86 times a day. But certain tragic incidents become the tipping point. And the people in power, who are undeniably responsible for such crimes, have perfected the art of deflection. Ironically, West Bengal CM Mamata Banerjee, who holds the Home and Health portfolios, has called for swift justice in the Kolkata case.

West Bengal has long perpetuated a culture of political mafia to terrorise the public. On the night of August 14, a mob stormed the hospital in Kolkata where the murder was committed, vandalising property and assaulting doctors and staff members. Many of the vandals arrested are said to be members and volunteers of the ruling party in the state.Besides, we have seen men convicted of gangraping a pregnant woman, Bilkis Bano, and murdering her family members during the 2002 Gujarat riots walk out of jail on remission granted by the Gujarat Government and be greeted with garlands. The Supreme Court had to step in and restore the life sentences for them.

Wrestler Vinesh Phogat recently received a rousing welcome upon her return from Paris not only because of her performance on the mat (though she could not secure an Olympic medal) but also because of the larger battle waged by her and other ace wrestlers against sexual harassment by former Wrestling Federation of India (WFI) chief and six-time BJP MP Brij Bhushan Sharan Singh. In an expected development, despite international scrutiny, Brij Bhushan's proxy had won the WFI elections last year. And he continues to call the shots.

Safety at the workplace or a public place is not something that India has ever taken seriously. Every safety mechanism here is broken. Some studies indicate that a mere 20 per cent of India's 46.5 crore-strong workforce is covered under the health and safety network. A study conducted by the British Safety Council says that 80 per cent of India's workforce is exposed to an unsafe work environment. According to a study by the International Labour Organisation, only 21 per cent of the factories in India have separate toilets for men and women. Facilities for menstrual hygiene are woefully inadequate. And the lack of arrangements for proper sanitation prevents women from fully participating in the workforce. While the employability of women stands at 51 per cent, their workforce participation is just 36 per cent.

India ranked 129th out of 146 countries in the Global Gender Gap Report 2024. The country has been placed at the 142nd position in terms of economic participation and opportunities for women.Employers are usually indifferent to the livig conditions of employees. And there are no policies in government or corporate sectors that measure employee satisfaction on their work and living conditions.

Rape has been an established weapon of patriarchal state violence in conflict zones in India and other countries. It has been 20 years since the gangrape and murder of Thangjam Manorama in Manipur by soldiers of the Assam Rifles. The incident had triggered mass protests. Twelve women had disrobed in front of the Assam Rifles headquarters in Imphal, forcing then PM Manmohan Singh to rush to the state and call for humane laws to replace the draconian Armed Forces Special Powers Act (AFSPA), which grants sweeping immunity to security forces. But not one person has been convicted so far. And the AFSPA remains in force. Three Kuki women were allegedly paraded naked and sexually assaulted by a Meitei mob last year. The matter is still being investigated. The survivors had sought police help, but they were left to face the mob.

In Mahasweta Devi's Draupadi, the protagonist refuses to put on her clothes after she is taken into custody and then raped by soldiers. "What's the use of clothes? You can strip me, but how can you clothe me again? Are you a man?" she says. From Hathras to Kolkata, the autonomy and independent agency of women are being stripped at every stage.

Policy missteps

Modi must practice consultative governance

THE recent series of policy reversals by the Modi government signals more than just missteps; it underscores the shifting sands beneath the once seemingly invincible throne of the BJP-led administration. In the past two weeks, the government has been compelled to withdraw the contentious Waqf Bill, refer the Broadcast Bill to a parliamentary panel for review, and most notably, backtrack on its lateral entry policy — moves that reflect a growing realisation that its governance is now bound by the constraints of coalition politics.

The first reversal came with the withdrawal of the Waqf Bill, which had sparked concern among minority communities and Opposition parties. Perceived as an attempt to centralise control over Waqf properties, it faced strong resistance, leading the Centre to pull it back to avoid further alienating its allies. Soon after, the Broadcast Bill, which aimed to regulate digital content and media, was criticised for its potential to curb press freedom. Sensing the growing unease among its partners and the media, the government chose a more cautious approach, opting for a review rather than a direct push. The most telling U-turn is on the lateral entry policy, designed to bring private sector experts into top government positions. Initially hailed as a move to infuse fresh talent into the bureaucracy, it faced a backlash over concerns of cronyism and a lack of transparency. Faced with mounting criticism and pressure from within its ranks, the government has now quietly shelved the plan.

This new reality calls for a more consultative approach to governance. The Modi-led government must shed its hubris and engage in genuine dialogue with all stakeholders before pushing through policies that have far-reaching consequences. The government's strength should lie not in imposing its will but in navigating the complexities of coalition politics with wisdom and humility.

The budget & jobs: Prescriptions without diagnosis

Unemployment in India is more structural than seasonal. The budget talks big on jobs and women's empowerment, but its schemes fail to make much economic sense.

The Union budget for 2024-25 has a grand target to provide employment to 4.1 crore young people in 5 years, which works out to 8.2 million a year. It is undoubtedly a major move for a country whose working group of those aged 20-59 will reach its peak in 2041. But the budget's employment prescriptions lack a clear diagnostic basis.

The Economic Survey 2024 does not reflect the nature and magnitude of the problem of unemployment (Chapter 8). For example, it speaks of an "improved" situation "with the unemployment declining to 3.2 percent in 2022-23", "rising youth and female participation in the workforce", and a "bounce-back of the organised manufacturing sector".

On the other hand, the Centre for Monitoring Indian Economy reports an unemployment rate of 8 percent in 2023-24 for those aged above 15, up from 7.5-7.7 percent in the preceding two years. Not only that, the employment rate—proportion of those employed in the working-age population—edged down from 38 percent in May 2024 to 37.6 percent in June 2024. ILO's Employment Report 2024 also corroborates the poor employment conditions. The Survey's optimism seems misplaced, especially given the emerging reality.India's unemployment situation is more structural than seasonal and short-term. Nearly 90 percent of the workforce is informally employed, mostly self-employed, casual labour or gig workers. That most of them live on subsistence earnings cannot be ignored without considering minimum wage legislation, social security issues and other livelihood questions. The ILO report points out that the slow transition to non-farm employment has been reversed after the pandemic. It is difficult for an economy where manufacturing employment has been stagnant around 12-14 percent to absorb surplus labour from the agricultural sector. China, which shared almost the same economic and demographic conditions before the 1950s, achieved a significant structural transformation through manufacturing.

Let's look at women's employment and empowerment because the two are separately addressed in the budget—allocating Rs 3 trillion, but without a clear strategy. Although 'women's participation' appears in the budget speech immediately after the paras announcing three schemes of the prime minister, it is not part of it. The budget forgets that the number of women not in employment, education or training is five times larger than their male counterparts, and in 2022 constituted around 95 percent of the total youth population in this category.

Not only that, the latest Periodic Labour Force Survey's estimate of workforce participation for men and women shows a glaring difference—68.4 percent for men as against 16 percent for women in 2017-18, but 71.5 percent for men and 24 percent for women in 2022-23, as K P Kannan showed in a 2024 paper. There is not much to report. Again, according to the National Family Health Survey 2005-06, married women employed in the previous 12 months was 42.8 percent against 98.8 percent for men, but in NFHS 2019-21, it fell to 31.9 percent for women and 97.5 percent for men.

Instructively, based on the World Bank Enterprise Surveys 2014 and 2022, Rozi Kumari and Rupayan Pal concluded in a 2024 paper that women's ownership and participation in the top management of registered private firms drastically decreased from "a low to a meagre level" despite high economic growth and the launch of several programmes to promote women's entrepreneurship. The budget is not sensitive to these issues.Another critical area is educated unemployment. The AISHE portal shows the number of graduates and certificate holders in 2021-22 as 10.27 million (51.24 percent females), of whom around 8.5 million are under-graduates and post-graduates. Are they an employable resource?

So, this budget has no employment policy that squarely addresses the gender issue, educational policy and a long-term strategy for structural transformation.

Turning to the prescriptions, the budget offers five schemes to expand employment and skilling. It is by requiring the employer to register with the Employees' Provident Fund Organisation that employees are drawn into the formal sector. The schemes seek to incentivise the private sector by reducing the labour cost through wage subsidies.

The first three schemes are employment-linked incentives. Briefly, Scheme A is a direct wage subsidy of Rs 15,000 per month to cover 2.1 crore first-time employees; B, a wage subsidy to both the employer and employee to benefit first-time employees broadly to promote manufacturing; and C, support to employers with EPFO contribution for 2 years up to Rs 3,000 a month. The other two initiatives are for youth skill development, one to upgrade 1,000 Industrial Training Institutes with the support of industry and states, and the other a grand internship project for youth in 500 top companies at an average of 4,000 interns per company per year, to be paid a monthly allowance of Rs 5,000 for 12 months. The companies have to bear a part of the training cost and monthly allowances from their CSR funds. The remedies are more easily announced than implemented. The private sector is the key driving force for employment in India. It can be stimulated only through aggregate demand via consumption, investment and exports. In a growing unequal economy—the nine-point priorities of the budget ignore it—the disposable income of the poor, whose marginal propensity to consume is high, can be increased only through employment or other exchange entitlements.

What is the budget's response? The reduction in MGNREA allocation benefitting the poor from Rs 90,806 crore in 2022-23 to Rs 86,000 crore in 2024-25 is untenable. Not much consumer demand can be promoted by increasing the income of the middle class by Rs 17,500 through changes in tax slabs, or Rs 10,000 by raising the standard deduction.

It is difficult to envisage that the entrepreneurial ecosystem would be improved by abolishing the 'angel tax' along with the Black Money Abolition Act 2015, giving immunity from benami transactions by abolishing the Benami Transactions Act, 1988 and the likes. So whom does the budget help? Annexure 7 shows a total foregone revenue of Rs 1.09 trillion. It is now well documented that tax cuts cannot promote growth and employment as Thomas Piketty in 2020, and Abhijit Banerjee and Esther Duflo showed in 2019. So it's well worth arguing that the budget prescriptions need a radical relook to serve the Indian economy in a useful way.

Stock Market Updates: Sensex Gains 200 Points, Nifty Above 24,800; Zomato, Paytm Rise Up To 3%

New Delhi. Benchmark indices BSE Sensex and Nifty 50 opened on a positive note on Thursday, following indications of at least one rate cut during this year by the US Federal Reserve, according to the central bank's latest minutes released on Wednesday.At opening bell, the 30-stock BSE Sensex was up 191.35 points, or 0.24 per cent, to 81,096.65, while the Nifty 50 had climbed 62.25 points, or 0.25 per cent, to 24,832.45.Overnight, the US market closed up following the release of the minutes of the latest US Federal Relserve meeting held on July 30 and 31.The Dow Jones Industrial Average rose 0.14 per cent, to 40,890.49, the S&P 500 gained 0.42 per cent, to 5,620.85 and the Nasdaq Composite, opens new tab added 0.57 per cent, to 17,918.99.Asian stocks edged higher ahead of key events from the Federal Reserve and the Bank of Japan that will help define the global rates trajectory.The MSCI Asia Pacific Index climbed 0.2% as benchmarks in Japan, Australia and South Korea rose. That came after the S&P 500 and Nasdaq 100 indexes advanced on further signs the Fed will cut interest rates.

Income Tax Act Review To Wrap Up In 6 Months, Says CBDT Chairman

New Delhi. CBDT Chairman Ravi Agrawal stated on Wednesday that the review of the Income Tax Act of 1961 is set to be completed within the designated six-month timeframe.

Union Finance Minister Nirmala Sitharaman, in her Budget speech last month, announced that the direct tax law of the country would be reviewed to make it simple, and the job would be completed in six months."We have an important task on hand, and that is the comprehensive review of the Income Tax Act, 1961. The purpose is to make the Act concise, lucid, and easy to read and understand. This exercise is aimed to reduce litigation and provide tax certainty to taxpayers," Agrawal said during an event held here to mark the 165th Year of Income Tax in India.

The work, though challenging, was transformative, and "we have taken the assignment in a mission mode", the Central Board of Direct Taxes (CBDT) chief said.He assured that the task would be completed in the given timeframe.

What Is the Income Tax Act of 1961?

The Income Tax Act of 1961 is the cornerstone of India's taxation system. It outlines the rules, regulations, and procedures governing the levy, administration, collection, and recovery of income tax in the country. The Act provides a comprehensive framework for taxation, covering various aspects such as:

Why the Income Tax Act Is Being Reviewed?

The Income Tax Act has undergone several amendments over the years to keep pace with changes in the economy, technology, and social conditions. These amendments have introduced new provisions, revised existing ones, and simplified the tax administration process.

Interarch Building Products IPO allotment: Step-by-step guide to check status

New Delhi. The initial public offering (IPO) of Interarch Building Products Limited saw great interest from investors as it was subscribed over 90 times.Interarch Building Products IPO had a price band of Rs 850-900 per share. It opened for subscription on August 19, 2024 and closed for bidding on August 21, 2024.

The IPO of Interarch Building Products was oversubscribed by 93.79 times by August 21, 2024. The IPO offered 4,653,341 shares but received bidding for 43,87,55,568 shares.The retail portion of the public issue saw a subscription of 19.46 times, while the QIB category was subscribed 197.29 times, and the NII category recorded a subscription of 130.91 times.

Investors who have bid for Interarch Building Products Limited IPO can check their allotment status online. They can log in to either the BSE website or the website of Link Intime India Private Ltd, the registrar for the issue.

Gold, silver price : Precious metals witness dip on MCX

New Delhi. Both gold and silver prices recorded a dip on the Multi Commodity Exchange (MCX) on Thursday, August 22, 2024.Gold futures, maturing on October 4, 2024, stood at Rs 71,797 per 10 grams on the MCX, after recording a dip of Rs 33 or 0.05 per cent. The previous close was recorded at Rs 71,830.Similarly, silver futures, maturing on September 5, 2024, witnessed a dip of Rs 23 or 0.03 per cent and were retailing at Rs 84,841 per kg on the MCX against the previous close of Rs 84,863.

GOLD, SILVER PRICES IN MAJOR CITIES

The gold and silver prices in India depend on several factors, including the value of the rupee against the dollar. Global demand also plays a key role in determining the trends observed in the rate of precious metals.

Sebi Slaps Rs 11 Lakh Fine On IIFL Securities For Flouting Stock Brokers Rules

Sebi slapped a fine of Rs 11 lakh on brokerage firm IIFL Securities for flouting stock broker rules and other regulatory norms.

New Delhi. Capital market regulator Sebi on Wednesday slapped a fine of Rs 11 lakh on brokerage firm IIFL Securities for flouting stock broker rules and other regulatory norms.The Securities and Exchange Board of India (Sebi) inspected IIFL Securities Ltd (IIFL) to look into various compliance requirements adhered by the brokerage firm.The inspection was conducted for the period beginning April to July 2022.

Thereafter, a show cause notice (SCN) was issued to IIFL Securities on April 15, 2024 by the regulator.In its 35-page order, Sebi observed that the noticee (IIFL Securities) has admitted to the allegations stated in the SCN in respect of the monthly/ quarterly settlement of client funds and securities stating that there was some technical error."I find that the circulars specifically mandate brokers to settle accounts and issue retention statements on a timely basis. However, the noticee failed to do so," Sebi's Adjudicating Officer Barnali Mukherjee said in the order.While the noticee has now taken corrective action, it noted that it failed to settle the funds and securities on a monthly/ quarterly basis.

The regulator also alleged that the noticee did not do periodic reconciliation of client securities lying in DP accounts, with back office holding and also reported incorrect quantity in weekly holding statement in one instance for 1,835 shares valued at Rs 11.69 lakh.

As per Sebi norms, stock reconciliation is a critical process for all brokers to ensure that their physical inventory count matches the recorded data in their systems to make correct reporting to the exchange.IIFL Securities admitted that it was a one-off case and a very small portion of the entire holding of shares valued at Rs 120.73 crore. Therefore, the noticee failed to reconcile 1,835 shares, and hence the allegation of violation of norms by the noticee stands established, the order said."I find that the noticee has given an ambiguous reply and not addressed the issue raised in the SCN regarding the passing of penalty on short reporting of upfront margin.

"The noticee has not given any reason why it had passed on a penalty to clients on account of short reporting of upfront margins amounting to Rs 24.22 lakh in the CM segment for 26 clients, Rs 56 lakh in Futures & Options segment for 13 clients and Rs 5.19 lakh in CD segment for 15 clients," Mukherjee said.Accordingly, IIFL Securities contravened the provisions of brokers' rules.

IIFL Securities was under a statutory obligation to abide by and comply with the provisions of the circulars/ directions issued by Sebi and stock exchanges, which it failed to do during the inspection period, Sebi said.

Paytm Proposes Lower Remuneration for Board Members; Caps Annual Compensation at Rs 48 Lakh

Paytm has proposed reduced remuneration for board members, as part of efforts towards responsible financial discipline and corporate governance

New Delhi Ahead of its annual general meeting scheduled for next month, Paytm has proposed reduced remuneration for board members, as part of efforts towards responsible financial discipline and corporate governance.The new proposed remuneration framework will be subject to shareholder approval.With the revised remuneration structure, the annual compensation of each non-executive independent director will be capped at Rs 48 lakh, with a fixed component of Rs 20 lakh.

The variable component will be linked to attendance at the meetings and chairpersonship/membership positions held in the various committees of the board, to ensure good governance.

The revised remuneration structure will be effective from April 1, 2024.Previously, the annual salaries of non-executive independent directors of Paytm's board, including Ashit Ranjit Lilani, was set at Rs 1.65 crore, while that of Gopalasamudram Srinivasaraghavan Sundararajan was set at Rs 2.07 crore.According to the company's exchange filing, the new remuneration structure is based on the benchmarking done by the company, keeping in mind good governance practices and companies in similar sectors or types of business with similar market capitalisation.

IndiGo Shares Gain 4% After Jefferies, HSBC Upgrade; Analysts See Up To 20% Upside

New Delhi. Shares of Interglobe Aviation- the parent company operating Indigo airlines surged 4 per cent to Rs 4,459 on August 22 after Jefferies and HSBC issued bullish calls, citing strong growth prospects across multiple fronts.While Jefferies upgraded its rating to 'buy' from 'hold', HSBC maintained its 'buy' rating on the country's largest airlines by market share.Global brokerage Jefferies has maintained its bullish stance on the counter and has double upgraded the stock from 'hold' to 'buy'. The company raised the target to Rs 5,225 from the earlier pegged target of Rs 4,400, implying an upside of 22 per cent. The brokerage held that the company has kept in the last 12-18 months. Further, it mentioned that there is a long runway and IndiGo is consistently flying ahead including new avenues.Jefferies pointed out that though FY24 spreads may not repeat, but should sustain at healthy levels. IndiGo remains in the driver's seat, with new avenues of growth, it added. The company has also performed well on the operational front and has consistently surprised in past 12-18 months as it maneuvered through cost/capacity headwinds. The precarious industry capacity situation has kept yields/spreads healthy, it added.HSBC also maintained its 'buy' rating on the stock with a raised target of Rs 5,165 per share, implying over 20 per cent gains. The company's business class launch ends Vistara/Air India monopoly, positioning its product close to the premium economy at Vistara. The measure may not be margin accretive in the near term, but it could reduce leakage of corporate traffic & strengthen positioning of the company in the travel market.

On August 5, IndiGo introduced "IndiGo Stretch," its new customized business class product. This premium offering will be available on all 12 metro routes operating from Delhi. As part of IndiGo Stretch, each flight will feature 12 business class seats, with curated meals included in the service. The first business class flight will be between Delhi and Mumbai in mid-November.At about 9:30 am, shares of the company were trading at Rs 4,454, higher by 3.5 percent. The Interglobe Aviation stock has rallied a massive 56 percent in the past month.

LIC Unclaimed Amount: Here's How To Check And Claim Unclaimed Money With LIC

New Delhi: Life Insurance Corporation of India (LIC) scheme's easy installment option allows for payments to be made with ease, thus meaning long-term savings for lakhs of policyholders. However many a time, account holders are unable to deposit the premium due to several reasons and do not even surrender the policy. In such a situation, their money remains with LIC. This money is deemed unclaimed if no claim is filed for a certain period. Apart from this, unclaimed claims can include death claims, maturity claims, survival benefits, or indemnity claims.Similar to the banks, LIC has amount worth crores that is listed as unclaimed. Should you feel you also have some unclaimed money

with LIC then you are free to claim it. LIC provides the facility to policyholders and their dependents to conveniently check online for any form of unclaimed amount and claim the amount.Any LIC policyholder or beneficiary can check on the status of any amounts under their policy that are unclaimed with the insurer by going to the LIC official website. The policyholder has to then click on the option labeled 'Unclaimed Amounts of Policyholders'. A window will open where they will be prompted to enter details such as the policy number, policyholder name, date of birth, and PAN card number. After giving this information, they will have to click the submit button. If the policyholders have any money in LIC, it will be visible.

How to claim the unclaimed LIC amount?

To claim any outstanding amount, you must get in touch with the LIC office. You must apply for this, together with the required documents and KYC. Following submission, LIC will start the process of paying the unpaid balance. In a few days, your funds will be transferred to the bank account linked to the insurance.

What do the rules state about unclaimed LIC accounts?

IRDAI regulations provide that any money left unclaimed for more than 10 years is transferred to the Senior Citizen Welfare Fund, which is used for the benefit of senior citizens.

Zomato to buy Paytm's entertainment ticketing business for Rs 2,048 crore

The acquisition of Paytm Insider, approved by Zomato's board, will allow the food delivery giant to foray into the entertainment ticketing sector, complementing its existing dining and food delivery services.

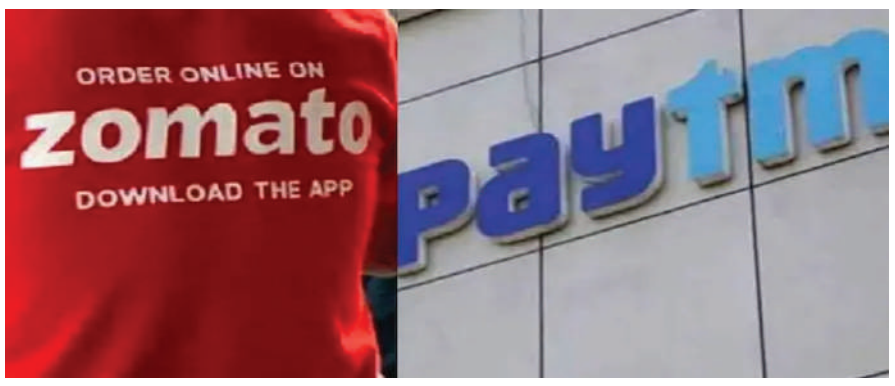

New Delhi. Zomato has taken a significant step to broaden its business horizons by acquiring Paytm Insider, the entertainment and events ticketing arm of One 97 Communications Limited (OCL), for Rs 2048.4 crore. The acquisition, approved by Zomato's board, will allow the food delivery giant to foray into the entertainment ticketing sector, complementing its existing dining and food delivery services.

In a regulatory filing on Wednesday, Zomato detailed its agreement to enter into a Share Purchase and Subscription Agreement (SPSA) with OCL, Wasteland Entertainment Private Limited (WEPL), and Orbgen Technologies Private Limited (OTPL) to seal the deal.

The complex transaction involves OCL transferring its movie, sports, and events ticketing businesses to its subsidiaries OTPL and WEPL through a slump sale. OCL will then inject capital into these subsidiaries via preferential allotment, using the proceeds to cover the slump sale payment. Simultaneously, Zomato will purchase OCL's entire stake in both OTPL and WEPL, effectively making them wholly owned Zomato subsidiaries.The acquisition will be wrapped up within 90 days of signing the SPSA, with OTPL's acquisition valued at Rs 1,264.6 crore and WEPL's at Rs 783.8 crore.By stepping into the entertainment ticketing space, Zomato aims to further diversify its portfolio. The company emphasised that this move aligns with its strategic focus on bolstering its "Going-out" business, a key area of growth for the platform.OTPL, which has been operational since 2007, specializes in movie ticket listings and recorded Rs 13.14 crore in turnover as of March 31, 2024. WEPL, which entered the market in 2015, focuses on event ticketing and brought in Rs 236.03 crore over the same period.Paytm, in a lighthearted social media post, welcomed Zomato to the entertainment sector.This acquisition builds on earlier reports from June when Zomato hinted at its interest in acquiring Paytm's movies and events businesses. At the time, the company noted that the move would strengthen its "going-out" segment and fall in line with its plan to concentrate on its four core businesses.Zomato's expansion into the ticketing market dovetails with the launch of 'District,' a new app focused on consolidating its "going-out" offerings. Founder and CEO Deepinder Goyal had remarked, "We believe that there is an opportunity to further expand our going-out offering, building on top of our dining-out business. Additional use cases for customers in the going-out space include – movies, sports ticketing, live performances, shopping, staycations etc."This deal marks a bold new chapter for Zomato, as it blends food and entertainment into a unified experience, strengthening its grip on India's fast-evolving consumer space.

No brothel soil for Durga idols over Kolkata rape-murder? Sex worker shares truth

The rape and murder of a trainee doctor at Kolkata's RG Kar Medical College and Hospital sparked protests. Social media, which witnessed the outrage, also saw fake news being circulated. One of the claims was that sex workers from Sonagachi, a red-light district, refused to give soil for Durga idols as a form of protest. What's the truth?

New Delhi: The rape and murder of a trainee doctor at Kolkata's RG Kar Medical College and Hospital sent shockwaves across the nation. The attempt to cover up the crime and the insensitivity shown by the Mamata Banerjee administration pushed people to take to the streets. There were protests and outrage on social media too, which saw fake news being circulated online. One of the claims was that sex workers of Sonagachi, a red-light district, had refused to give brothel soil for Durga idols.Even as Kolkata and its outskirts are reeling from the rape and murder of a female medical worker at RG Kar Hospital. Protests are ongoing in various districts. Junior doctors in different government hospitals have joined the protests, demanding justice and safety. Public outrage is intense, with even expatriates joining in the condemnation.Thousands are shouting, "We want justice". The Supreme Court has asked the CBI to submit a status report on the investigation by the upcoming Thursday. Chief Justice of India DY Chandrachud has strongly criticised the state government's role in the matter.

Social media is helping people vent their anger. Several popular influencers have taken a stand seeking fair probe and justice. This, even as fake news started circulating on social media. Kolkata Police has been warning against fake news and acting against its spread.Among the misinformation circulating on social media, there is a message claiming that as a form of protest against this heinous rape-murder of the trainee doctor at RG Kar, sex workers of Sonagachi, a red-light district on Kolkata's outskirts, won't provide soil for Durga Puja this year.Aaj Tak Bangla of the India Today Group spoke to a sex worker from Sonagachi to verify the ews.

"This is not a recent issue. For many years, the soil has not been provided. We still do not have acceptance of sex work as profession in society. We have long been seeking recognition for sex work," a female sex worker from Bengal's Sonagachi said, revealing that the issue wasn't related."Sex workers and every woman in this profession endure a lot of humiliation. We face continuous exploitation. It's not just the four days [of Durga Puja] of the year, we need respect every day of the year. When we achieve our rights and are respected, we will provide the soil," she said.

READ THE STORY IN BANGLA HERE

Among all festivals, it is Durga Puja that is celebrated with the most enthusiasm and gaiety in West Bengal.t is said that soil from outside a brothel is needed for the idol of Goddess Durga.

"But if someone takes the soil from our area without asking us, there is nothing we can do. Until now, we have voluntarily provided the soil," the sex worker from Sonagachi said."Nowadays, the taking of soil from a brothel has become a commercial transaction. I hear that it is available in the market as well. I can't say whether it's real or fake. Whether the soil is taken from the brothel or elsewhere for business, it's hard to determine," she added.

Like most sections of society, sex workers too participated in the protests over the trainee doctor's rape-murder at RG Kar Medical College and Hospital, one of the busiest public hospitals in Kolkata."On August 14, we also participated in the protests. However, every day on social media, we see reports of rape and atrocities against women," said the sex worker.

Heavy rains likely in Kerala, weather body issues orange alert

New Delhi: The India Meteorological Department on Wednesday issued an orange alert for several districts, as rain is likely to intensify in the next few days.The weather body also advised the fishermen not to venture into the sea, as squally weather with windspeed reaching up to 55 kmph, is likely to prevail along and off the coast of Kerala and Lakshadweep.

It also issued an alert for northeastern states, predicting "very heavy" to "extremely heavy" rainfall for the next two days in Assam, Meghalaya, and Tripura. In the three states, the local authorities and people have also been advised to stay updated with weather forecasts and adhere to safety protocols.

In addition, parts of Madhya Pradesh, Chhattisgarh, and Gujarat are at risk of "very heavy rainfall", the IMD said.The weather agency also predicted heavy rainfall in Madhya Pradesh on August 21 and between August 23 and August 26, in Maharashtra on August 21 and from August 24 to 26, in Chhattisgarh until August 24, in Goa until August 26, and in Gujarat on August 21, 25, and 26.

Chief Justice Gets - And Gives - Pronunciation Lesson In Kolkata Case

New Delhi: Chief Justice of India DY Chandrachud today corrected himself on the pronunciation of RG Kar Medical College and Hospital and said he had been pronouncing "Kar" as "Kaar" and Supreme Court judge, Justice Hrishikesh Roy, had pointed out the error to him.he Supreme Court was hearing petitions related to the horrifying rape and murder of a 31-year-old doctor at the Kolkata hospital. When an advocate mentioned that she was representing junior doctors working at the state-run hospital, the Chief Justice replied, "By the way, Justice Hrishikesh Roy pointed out to me that you kept on saying 'Kaar', 'Kaar', it's 'Kar'. I apologise."The RG Kar Medical College was established in 1886 as the Calcutta School of Medicine by Indian physician Radha Gobinda Kar. At that point, it did not have an associated hospital or a campus of its own. In 1902, the college got a building of its own. It was renamed Belgachia Medical College in 1916. Two years later, it was renamed Carmichael Medical College in the honour of Bengal's

Governor Thomas Gibson-Carmichael. After Independence, the college was named after its founder Dr Radha Gobinda Kar. Subsequently, the West Bengal government took over the management of the hospital.

The state-run hospital in North Kolkata has made headlines after a 31-year-old postgraduate trainee doctor on duty was found dead in the hospital's seminar hall on the morning of August 9. Medical examination confirmed sexual assault.The chilling incident has sparked nationwide protests calling for swift justice. Doctors across the country have taken to the streets, demanding safe working conditions. The doctors' protest has paralysed healthcare services across the country.

The Supreme Court has set up a National Task Force to recommend steps to improve the working conditions for healthcare professionals. During the hearing today, an advocate representing a group of doctors said the medicos sometimes have to work for as much as 36 hours. To this, the Chief Justice replied, "Please assure the doctors that we know they are working for 36 hours. I have personally slept on the floor of a public hospital when one my family member was not well."

"Not Correct...": Government On Reports India Dam Caused Bangladesh Floods

New Delhi: Flooding in the eastern districts of Bangladesh - which is facing political turmoil after violent protests forced Sheikh Hasina to resign as Prime Minister and flee to India - were not caused by the opening of a dam on the Gumti River in Tripura, the government clarified Thursday.

The External Affairs Ministry acknowledged "the catchment areas of Gumti River that flows through India and Bangladesh witnessed heaviest rains of this year over the last few days", but said the floods in Bangladesh were mainly due to waters from downstream catchments areas."The Dumbur dam is located quite far from the border - over 120 km upstream of Bangladesh. It is a low height (about 30m) dam that generates power that feeds into a grid and from which Bangladesh also draws 40MW power from Tripura," the ministry said.

"Heavy rainfall has been continuing since August 21 in the whole of Tripura and adjoining districts of Bangladesh. Data showing rising trend has been supplied to Bangladesh till 1500 on August 21. At 1800, due to

flooding, there was power outage leading to problems of communication... we tried to maintain communication through other means..."Heavy rains in the region have also led to floods on the Indian side of the border - in Tripura.More than 34,000 people have been displaced so far due to the floods in the northeastern state.

Officials said on Wednesday that at least nine people, including three members of a family, were killed and two others were injured in separate incidents of landslides and drowning following incessant rain. Officials also said most of the state's prominent rivers were flowing above critical levels while the main river - Gumti - had crossed the 'extreme danger level'.The weather departmen on Tuesday said the heavy rains were the result of a low-pressure area persisting over central parts of Bangladesh and the neighbouring region.

Over in Bangladesh, multiple deaths have been reported due to the floods, which have affected eight districts - Sunamganj, Maulvibazar, Habiganj, Feni, Chittagong, Noakhali, Comilla, and Khagrachari - according to local media reports.

Will Discuss Strategic Interests": Rajnath Singh Ahead Of US Visit

New Delhi: Union Defence Minister Rajnath Singh has said that he will be visiting Washington and looks forward to meeting his US counterpart Lloyd Austin. Mr Singh said that he will discuss areas of strategic interests and seek to strengthen defence cooperation between India and US.Taking to X, Rajnath Singh stated, "Leaving for Washington. India and the United States share a Comprehensive Global Strategic Partnership. Looking forward to meet my friend @SecDef Austin. Will discuss areas of strategic interests, while seeking to strengthen defence cooperation."

During his visit, Rajnath Singh will meet the US Assistant to the President for National Security Affairs Jake Sullivan.In a press release, the Ministry of Defence stated, "Raksha Mantri Shri Rajnath Singh will be undertaking an official visit to the US from August 23 to 26, 2024, on the invitation of the US Secretary of Defence Lloyd Austin."The visit comes as there is a growing momentum in India-US relations and defence engagements at multiple levels.

"The visit is expected to further deepen and broaden the India-US Comprehensive Global Strategic Partnership," the release read."Rajnath Singh will also chair a high-level roundtable meeting with the US defence industry on the ongoing and future defence collaborations. He will also interact with the Indian community during the visit," it added.Earlier on August 17, External Affairs Minister S Jaishankar met US Deputy Secretary of State for Management and Resources Richard Verma in Delhi and spoke about the continuing momentum in the bilateral ties between the two countries.Mr Jaishankar and Richard Verma also exchanged views on regional and global issues. Richard Verma served as the 25th United States Ambassador to India. He was nominated by President Obama in September 2014.In a post on X, S Jaishankar said, "Pleased to meet @DepSecStateMR Richard Verma today in Delhi. Spoke about the continuing momentum in our bilateral ties. And exchanged views on certain regional and global issues."On July 29, Mr Jaishankar met US Secretary of State Antony Blinken in Tokyo at the Quad Foreign Ministers meeting and stated that they had a wide-ranging discussion on regional and global issues.Taking to X, S Jaishankar said, "Great to catch up with @SecBlinken in Tokyo today. Our bilateral agenda progresses steadily. Also had a wide-ranging discussion on regional and global issues.

Assam To Introduce Compulsory Muslim Marriage, Divorce Registration Bill

New Delhi: In a significant move, Assam Chief Minister Himanta Biswa Sarma announced that his government will introduce a bill for the compulsory government registration of Muslim marriages and divorces in the upcoming Autumn assembly session.The bill, known as the Assam Compulsory Registration of Marriage And Divorce Bill, aims to address and prevent child marriages in the state.Speaking to the media ahead of the monsoon session, Mr Sarma stated that the new legislation will prohibit the registration of marriages involving individuals under the age of 18.

This step is part of a broader effort to safeguard minors and ensure that all marriages comply with legal standards.On Wednesday, the Assam Cabinet approved the Muslim Marriage Registration Bill 2024, which stipulates that marriage registrations will be handled by government authorities rather than Qazis.Once enacted, the new law will make the registration of child marriages illegal.In addition to the marriage registration bill, Mr Sarma revealed that the state government will introduce a new law criminalising "Love Jihad", with provisions for life imprisonment for those found guilty. He also mentioned plans to propose a bill to prevent inter-religious land transfers.The Assam government has previously decided to repeal the Assam Muslim Marriages and Divorce Registration Act and Rules 1935 through the Assam Repealing Bill 2024. This repeal, along with the proposed new legislation, will be tabled in the next monsoon session of the state assembly.Additionally, the State Cabinet has directed the preparation of suitable legislation for the registration of Muslim marriages in Assam, to be considered in the upcoming session.Earlier, the Assam government had considered introducing legislation on the Uniform Civil Code (UCC) following the Lok Sabha elections. Mr Sarma has also pledged that child.

Plans On To Tackle "Dangerous" Glacial Lakes In Himalayas

NDTV has learnt that of the nearly 7,500 glacial lakes in the Indian part of Himalayas, NDMA has finalised a list of 189 lakes where the risk factor needs to be lowered.

New Delhi: The expanding glacial lakes in the Himalayas are a matter of serious concern and the National Disaster Management Authority or NDMA has finalised a list of 189 "potentially dangerous" lakes.NDTV has learnt that of the nearly 7,500 glacial lakes in the Indian part of Himalayas, NDMA has finalised a list of 189 lakes where the risk factor needs to be lowered.Rising global temperatures lead to faster melting of ice in these lakes and pose a risk of flooding - a situation known as Glacial Lake Outburst Flood or GLOF.This is the kind of flood that had devastated the Kedarnath valley in 2013 and parts of Chamoli in 2021, sources said. In October last year, the South Lhonak Lake in North Sikkim breached, causing a Glacial Lake Outburst Flood.The Teesta III dam, the biggest hydropower project in Sikkim was decimated by a GLOF, which also unleashed devastation on downstream areas and communities. Now, "all central and state agencies are working closely and have already completed expeditions to 15 of these high-risk lakes -- six in Sikkim, six in Ladakh, one in Himachal Pradesh and two in Jammu and Kashmir," a senior official told NDTV.Another seven expeditions are underway, he said."Given the inhospitable terrain and weather conditions at heights of 4,500 m and above, there is only a June to September window to approach these formidable lakes. Several visits will be needed to

implement lake-lowering measures, some of which could require civil engineering," he said. One such expedition is going on in Arunachal Pradesh, where teams are assessing threats from six high-risk glacial lakes.Considering the risk of these glacial lakes, the NDMA has suggested that there is an immediate need to take up measures to mitigate the effects of Glacial Lake Outburst Flood.

The measures being considered include early warning systems, automatic weather stations, and others, the sources said."These composite expeditions are assessing structural stability and potential breach points of glacial lakes, gathering relevant hydrological and geological samples and data, measuring water quality and flow rates, identifying risk zones and making downstream communities aware," said another official, explaining the work being done by NDMA.The National Glacial Outbhrst Flood Risk Mitigation Programme (NGRMP) was approved by the government on July 25.The Home ministry has allocated Rs150 crore to support the efforts of state governments of Himachal Pradesh, Uttarakhand, Sikkim and Arunachal Pradesh in this matter.There is a separate programme envisaged on the same lines for Jammu and Kashmir and Ladakh.

News box

Oprah Winfrey urges Americans to 'choose common sense over nonsense' in DNC speech, taking subtle jabs at Trump and Vance: Key points

World. Oprah Winfrey delivered a powerful call for unity at the Democratic National Convention on Wednesday night, subtly targeting former President Donald Trump and his running mate, Ohio Senator JD Vance. Her speech emphasized the need for national togetherness amid growing political divisions.

Key takeaways from Winfrey's speech at DNC-

Unity vs division

"There are people who want you to see our country as a nation of 'us against them' — people who want to scare you, who want to rule you," Winfrey said. "People who'd have you believe that books are dangerous and assault rifles are safe, that there's a right way to worship and a wrong way to love. People who seek first to divide and then to conquer. But here's the thing — when we stand together, it is impossible to conquer us."Endorsement of Harris and Walz

Winfrey urged independents and undecided voters to support Vice President Kamala Harris and Minnesota Governor Tim Walz. "Common sense tells you that Kamala Harris and Tim Walz can give us decency and respect. They're the ones that give it to us," she said."Let us choose loyalty to the Constitution over loyalty to any individual, because that's the best of America. And let us choose optimism over cynicism, because that's the best of America. And let us choose inclusion over retribution. Let us choose common sense over nonsense, because that's the best of America. And let us choose the sweet promise of tomorrow over the bitter return to yesterday. But more than anything else, let us choose freedom. Why? Because that's the best of America."A call for compassion

Winfrey extended her message of unity with a poignant metaphor: "When a house is on fire, we don't ask about the homeowner's race or religion, we don't wonder who their partner is or how they voted. No. We just try to do the best we can to save them." She added with a reference to comments made by Vance in 2021, "And if the place happens to belong to a childless cat lady, well, we try to get that cat out too."

Jujitsu and motorbikes: Ukrainian spirit remains strong despite the war

KYIV. It's a balmy summer afternoon as we drive up to a workshop fronted by an array of fancy motorbikes. As we step in, we are transported to the world of Ukrainian motorbike clubs — smell of grease and metal, scattered tools on workbenches, cigarettes and grim-reaper artworks on the wall. At the far end stands a tall man in a grey t-shirt with golden-brown locks and features of a supermodel. You would be forgiven to overlook his jetblack prosthetic leg.

Artyom Kuzmich went viral last month when he stood out among the chaotic scenes at the Okhmatdyt children's hospital in Kyiv after it was hit by a Russian missile. "I got a call from my friend that the hospital had been hit. I immediately He went on to learn Brazilian jujitsu and became a national champion in his category. "Brazilian jujitsu is very adaptive for anyone with injuries or amputations. I went to Brazil to learn para-jujitsu and won competitions there. After I returned to Ukraine, and following the beginning of the fullscale war, I started my own para-jujitsu school here." His outlook on the war is one of matter of fact.

Tim Walz formally accepts Democratic nomination for vice president

World. Minnesota governor Tim Walz formally accepted his party's nomination for vice president on Wednesday evening at the Democratic National Convention and expressed gratitude to the packed arena for "bringing the joy" to the election."We're all here tonight for one beautiful, simple, reason: We love this country," said Walz. The democratic VP pick also shared stories about his upbringing in Nebraska and his experiences as a teacher and football coach in Minnesota, thanking the audience for their passion and dedication to the campaign."While other states were banning books from their schools, we were banishing hunger from ours," said Walz highlighting the progressive policies of his home state.He also took a subtle jab at his Republican counterpart, JD Vance, by mentioning the small size of his high school class and the fact that none of his classmates attended Yale.The Minnesota governor was introduced as as "Coach Walz" by Benjamin C Ingman, a former student of Walz from high school. At Ingman's request, several of Walz's past players, sporting their red and white jerseys, joined him on stage for the introduction.Walz, a relatively unknown figure until his selection as Harris' running mate, has won over supporters with his background and helped to balance Harris' coastal roots by representing Midwestern states crucial to the election.

5 bodies found from wreckage of superyacht carrying British tycoon Mike Lynch

Porticello, Sicily Divers searching the wreck of a superyacht that sank off Sicily found the bodies of five passengers Wednesday, leaving one still missing as questions intensified about why the vessel sank so quickly when a nearby sailboat remained largely unscathed.

Rescue crews brought four body bags ashore at Porticello. Salvatore Cocina, head of the Sicily civil protection agency, said a fifth body had been located. Divers on-scene said they would try to recover it on Thursday while continuing the search for the sixth.

The discovery made clear the operation to search the hull on the seabed 50 meters (164 feet) underwater had quickly turned into a recovery one, not a rescue, given the amount of time that had passed and with no signs of life over three days of searching.The Bayesian, a 56-metre (184-foot) British-flagged yacht, went down in a storm early Monday as it was moored about a kilometre offshore. Civil protection officials said they believed the ship was struck by a tornado over the water, known as a waterspout.

Fifteen people escaped in a lifeboat and were rescued by a nearby sailboat. The body of the ship's chef, Recaldo Thomas of Antigua, was recovered on Monday.Thomas was born in Canada, according to his cousin David Isaac, but visited his parents' homeland of Antigua as a child, and moved permanently to the tiny eastern Caribbean island in his early 20s.Italian officials previously listed Antigua and Canada as the nationality of people on board.The fate of six missing passengers had driven the search effort, including British tech magnate Mike Lynch, his 18-year-old daughter and associates who had successfully defended him in a recent US federal fraud trial.Lynch's spokesperson did not respond to a request for comment Wednesday.Meanwhile, Termini Imerese Public Prosecutor's Office investigators were acquiring evidence for their criminal investigation, which they opened immediately after the tragedy despite no formal suspects having been publicly identified.Questions have abounded about what caused the superyacht, built in 2008 by Italian shipyard Perini Navi, to rapidly sink,

when the nearby Sir Robert Baden Powell sailboat was largely spared and managed to rescue the survivors.Giovanni Costantino, head of The Italian Sea Group, which owns the ship maker, blamed human error for the disaster, which he said took 16 minutes."The ship sank because it took on water. From where, the investigators will say," he told RAI state television after he met with prosecutors.Costantino cited AIS ship tracking data which he said showed the Bayesian had taken on water for four minutes when a sudden gust of wind flipped it, and it continued taking on water. The ship straightened up slightly and then went down, he said.But was it merely the case of a freak waterspout that knocked the ship to its side and allowed water to pour in through open hatches? What was the position of the keel, which on a large sailboat like the Bayesian might have been retractable to allow it to enter shallower ports?"There's a lot of uncertainty whether it had a lifting keel and whether it might have been up," said Jean-Baptiste Souppez, a fellow of the Royal Institute of Naval Architects and the editor of the Journal of Sailing Technology. "But if it had, then that would reduce the amount of stability that the vessel had, and therefore made it easier for it to roll over on its side," he said in an interview.The capain of the sailboat that rescued survivors said his craft sustained minimal damage -- the frame of a sun awning broke -- even with winds that he estimated reached 12 on the Beaufort wind scale, which is the highest hurricane-strength force on the scale.

Biden speaks with Netanyahu on Gaza ceasefire negotiations, hostages deal

Washington US President Joe Biden spoke by phone with Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu on Wednesday about ways to advance a potential Gaza ceasefire and hostages deal, the White House said.

The call followed US Secretary of State Antony Blinken's whirlwind trip to the Middle East that ended on Tuesday without an agreement between Israel and Hamas militants on a truce in the Palestinian enclave.Blinken and mediators from Egypt and Qatar have pinned their hopes on a US "bridging proposal" aimed at narrowing the gaps between the two sides in the 10-month-old Gaza war."President Biden spoke with Prime Minister Benjamin Netanyahu of Israel to discuss the ceasefire and hostage release deal and diplomatic efforts to de-escalate regional tensions," a White House statement said.Vice President Kamala Harris will on Thursday in Chicago formally accept the nomination

as the Democrats' presidential candidate for the November 5 election, also joined the call.The White House was to provide further details of the call later in the day.Biden had been expected to press Netanyahu to soften a new Israeli demand that it be allowed to keep forces along a land corridor between Egypt and Gaza, a US official said before the call.

Biden is on a family vacation in the Santa Ynez Valley of California, staying on an 8,000-acre ranch.Getting a Gaza ceasefire deal is a major priority for Biden. A senior US official on Friday described the talks as close to a deal but a final agreement has been agonizingly elusive.In talks to halt fighting in the 10-month-old war,

Hamas is seeking a complete Israeli withdrawal from Gaza, including the so-called Philadelphi Corridor, a narrow 14.5-km-long (nine-mile-long) stretch of land along the coastal enclave's southern border with Egypt.Israel wants to retain control of the corridor, which it captured in late May, after destroying dozens of tunnels beneath it that it says had served to smuggle in weapons to Gaza's militant groups.

Million miles an hour': Astronomy student discovers mysterious high-speed object racing through space

World. In Southampton, England, an astronomy student named Tom Bickle made a remarkable discovery while pursuing his passion for stargazing. In his spare time, Bickle enjoys blasting heavy metal music while meticulously analyzing time-lapses of the night sky, searching for elusive objects at the edge of our solar system. During one of these sessions, Bickle noticed something extraordinary: a faint, moving blob on his computer screen."I knew immediately that it was unusual," Bickle told the New York Times.The discovery, which initially puzzled Bickle, quickly caught the attention of professional astronomers. Further investigation revealed that the object is either a low-mass star or a brown dwarf, and it's hurtling through space at a staggering speed of one million miles per hour. At such a velocity, it could potentially escape the gravitational pull of the Milky Way, the NYT report said.

"It was right when that number came out that we realized we had something spectacular," said Adam Burgasser, a physicist at the University of California, San Diego, who led the study on this observation. The findings were published this month in The Astrophysical Journal Letters.The so-called "hypervelocity object" was spotted by astronomers using the Dark Energy Spectroscopic Instrument (DESI) Legacy Imaging Surveys. "It's a speedy little star," said Kareem El-Badry, a Nasa Hubble Fellow. If the object maintains its current trajectory, it could eventually break free of the Milky Way's gravitational pull and escape into intergalactic space. "It's on an unbound orbit, so in a few million years it will just leave our galaxy entirely and keep going," El-Badry explained.This discovery holds the potential to shed light on some of the oldest and fastest stars in our galaxy, known as halo stars. According to Dr Burgasser, these stars move in peculiar orbits.

Hezbollah fires more than 50 rockets, hitting Israeli-annexed Golan Heights

World. Lebanon's Hezbollah on Wednesday launched more than 50 rockets, hitting a number of private homes in the Israeli-annexed Golan Heights.

The attack came a day after U.S. Secretary of State Antony Blinken met with fellow mediators Egypt and Qatar as he pressed ahead with the latest diplomatic mission to secure a cease-fire in the war in Gaza, even as Hamas and Israel signaled that challenges remain. Diplomatic efforts had redoubled as fears grow of a wider regional war after the recent targeted killings of Hamas and Hezbollah leaders, both blamed on Israel, and threats of retaliation.Hezbollah said Wednesday's attack was in response to an Israeli strike deep into Lebanon on Tuesday night.Meanwhile, key mediator Egypt expressed skepticism Wednesday as more details emerged of the proposal meant to bridge gaps between Israel and Hamas.

Officials in Egypt, in its unique role as both a mediator and affected party since it borders Gaza, told The Associated Press that the Hamas militant group will not agree to the bridging proposal for a number of reasons — ones in addition to the long-held wariness over whether a deal would truly remove Israel forces from Gaza and end the war.Hamas is believed to still be holding around 110 hostages captured during the Oct. 7 attacks that started the war. Israeli authorities estimate around a third are dead. During the Oct. 7 attack, militants killed some 1,200 people, mostly civilians.Israel's retaliatory offensive has killed over 40,000 Palestinians, according to Gaza's Health Ministry, which does not distinguish between civilians and combatants in its count. The war has caused widespread destruction and forced the vast majority of Gaza's 2.3 million residents to flee their homes, often multiple times.

Bill Clinton, Kamala Harris's running mate to address Democratic Convention

Former US President Bill Clinton, Democratic vice presidential nominee Tim Walz and independent candidate in US polls, Robert F Kennedy, are among the speakers that will address on the third day of the Democratic National Convention.

Washington Democratic vice presidential nominee Tim Walz prepared for a high-profile speech at his party's convention on Wednesday, while independent candidate Robert F Kennedy appeared to be weighing an endorsement of Republican Donald Trump.Walz, the running mate of presidential nominee Kamala Harris, has energised Democrats eager to defeat the former president in the November 5 election.The Minnesota governor, 60, will talk about growing up on a farm in Nebraska, his family, and freedoms that Democrats say are under attack from Trump, who is making his third major-party run for the White House.Meanwhile, ABC News reported that Kennedy plans to abandon his bid and declare support for Trump, a development that could help the Republican pick up votes in an election that opinion polls show is likely to be close. Kennedy's campaign did not immediately respond to a request for comment.

Walz has brought a folksy charm to the campaign trail, describing himself and Harris as "joyful warriors" focused on a brighter future and accusing Republicans of stoking fear and division.He will take the stage at the Democratic National Convention in Chicago after former President Bill Clinton, Transportation Secretary Pete Buttigieg and former House of Representatives Speaker Nancy Pelosi, who was instrumental in persuading President Joe Biden to drop his struggling reelection bid a month ago.Opinion polls showed Biden trailing Trump before he ceded the party's top spot to Harris; polls now show her besting her Republican rival in several of the states that will decide the November 5 presidential election.At the convention on Tuesday, Walz and Harris got an endorsement from former President Barack Obama and

his wife Michelle Obama.

"I love this guy," Obama said of Walz. "You can tell those flannel shirts he wears don't come from some consultant - they come from his closet, and they've been through some stuff."Walz's rapid rise to national fame has drawn scrutiny.Republicans say he was too slow to confront rioters after George Floyd, a Black man, was killed by a white police officer in Minneapolis in 2020, though Trump praised the governor's response at the time.

Republicans have also accused Walz of exaggerating his rank in the Army National Guard, where he served for 24 years.Walz has in the past described himself as a retired command sergeant major, one of the highest noncommissioned officer positions in the Army.While he achieved that rank, he did not meet the requirements to retire with that title. Walz retired to run for Congress in 2005 before his unit was sent to war in Iraq.Harris campaign officials are betting Walz's Midwestern roots and plainspoken style will appeal to some of the white men in rural areas who voted for Trump by huge margins in the last two elections - and help deliver battleground states like Michigan, Pennsylvania and Wisconsin.Walz will be introduced by Ben Ingman, a former student, and US Senator Amy Klobuchar, a fellow Minnesotan who unsuccessfully ran for president in 2020.

That's my dad!': Tim Walz's son Gus bursts into tears during father's emotional DNC speech

World. At the Democratic National Convention in Chicago on Thursday, Minnesota Governor Tim Walz's heartfelt speech resonated deeply with the audience, particularly with his family members present, including his 17-year-old son, Gus.As Walz accepted the Democratic vice presidential nomination, the emotional weight of his words visibly impacted his family. Posts on social media, including a poignant clip shared on X, formerly Twitter, captured Gus Walz in tears beside his mother, Gwen, as he clapped and cheered for his father.In his speech, Walz shared intimate details about his family's struggle with infertility, a topic he has been open about. "In Minnesota, we respect our neighbors and the personal choices they make, and even if we wouldn't make those same choices for ourselves, we've got a golden rule: mine your own

damn business," Walz said.He continued, "That includes IVF and fertility treatments, and this is personal for Gwen and I. If you've never experienced the hell that is infertility, I guarantee you know somebody who has, and I can remember praying each night for a phone call, the pit in your stomach when the phone would ring, and the absolute agony when we heard treatments hadn't worked. It took Gwen and I years, but we had access to fertility treatments, and when our daughter was born, we named her Hope."

During the speech, Walz addressed his family directly, saying, "Hope, Gus, and Gwen, you are my entire world, and I love you." This declaration elicited a particularly emotional response from Gus, who pointed to his father and exclaimed, "That's my dad!"

Hope Walz, 23, was also present, capturing the moment on camera as the family later joined Walz on stage for hugs and celebration. Walz's personal story and his references to his family's challenges with infertility struck a chord with many, particularly on social media.The Governor's speech also included a nostalgic nod to his past as a teacher and coach. "There will be time to sleep when you are dead. We are going to leave it on the field. That is how we will keep moving forward," he concluded, connecting his past experiences to his current political journey.

NEWS BOX

'Same energy and vibe': Dravid reveals how ODI World Cup loss did not deter India

New Delhi Former India head coach Rahul Dravid has revealed that there were no differences in preparation between the ODI and the T20 World Cups. Dravid, speaking at a CEAT awards event, Dravid said that the general consensus amongst the coaching staff was that the team needed to replicate the exact processes that they had during the ODI World Cup.India had lost the ODI World Cup Final against Australia at home in November 2023. India, however trusted its personnel and made minor changes going into the T20 World Cup, held in the USA and the Caribbean islands.Dravid said that India had a brilliant campaign in the ODI World Cup and were unlucky to lose the final in Australia, who were a better team on the day.“Honestly, I didn't want to do anything different. I think we ran a fantastic campaign in the one-day World Cup, Rohit and the team, everyone involved in that one-day World Cup, we ran a superb campaign,” Dravid said at the Ceat Cricket Rating Awards.“There's nothing we could have done more in terms of our preparation, the planning, the execution of what we needed to do for 10 games in a row to dominate, to win the game we did, play the game we did,”

said Dravid.“I did not want to change anything. If you'd asked me and we had a discussion with our support staff, we'd get together with the coaches and say, what do you think we should do differently?”“The common consensus (among the team) was we need to do exactly what we did. We need to create the same energy, create the same vibe, the same team atmosphere that we had and then just hope that on the day, we'll have a little bit of luck,” he said.Dravid said that India had run a phenomenal campaign in the ODI World Cup, winning 10 games on a row. However, Australia defeated India by six wickets to win their sixth ODI World Cup at the Narendra Modi Stadium in Ahmedabad. Before the final, Australia lost their first two matches to India and South Africa but since then won 9 successive matches to complete one of their most memorable World Cup campaigns.“I thought we ran a phenomenal campaign. We came unstuck in the final and Australia played better cricket than us on the day. They were a better team and congratulations (to them). That can happen in sport and that's what sport is about,” Dravid concluded on the matter.

Raheem Sterling, Chilwell not training with Chelsea first team: Coach Maresca

Chelsea manager Enzo Maresca has confirmed that Raheem Sterling and Ben Chilwell are currently training away from the club's first team. This development comes as British media reports linked them with potential moves away from the Premier League club.

New Delhi Chelsea manager Enzo Maresca has confirmed that England internationals Raheem Sterling and Ben Chilwell are currently training away from the club's first team. This development comes as British media reports link them with potential moves away from the Premier League club.

Sterling and Chilwell, who both missed Sunday's 2-0 Premier League loss to champions Manchester City, are facing challenges in securing playing time if they choose to remain at Chelsea. Maresca emphasized that the club's large squad makes it impossible to provide minutes for everyone, suggesting that it might be better for them to leave if they seek regular playing time."In this moment, they are training apart," Maresca stated ahead of Thursday's Europa Conference League playoff tie against Swiss side Servette. "We have a big squad, for me it's impossible to give everyone minutes. So if they're looking for minutes, probably it is better to leave."Maresca explained that Sterling, who has played 59 league games for Chelsea since joining in 2022, does not fit the type of winger he prefers. "I'm not saying he's not a good player, but I prefer different kinds of wingers," the Italian manager said.Maresca had a conversation with

Sterling before excluding him from the lineup for the Manchester City match, informing him that he would struggle to get playing time with Chelsea. He also spoke with Chilwell, telling him that he would face difficulties due to his position. Maresca denied being "brutal" in his approach, instead describing it as "honest.""It's not a comfortable situation... I think it is good to know that if you want to stay, you will struggle to get minutes... but in a few days or weeks it can be a better situation because you move and you join a club where you will get more minutes," Maresca added.

The manager did not meet with Sterling after the match against City, but if they were to discuss the situation again, he would reiterate the same points he had already made. Captain Reece James will miss Thursday's match due to a hamstring injury.

Maresca emphasized that Chelsea's goal is to win every game, including the upcoming match against Servette. "We try to win every game we play. Against Man City, I don't think the intention was to win the game, but we tried to win that game... and tomorrow is a game, that we will try to win, and hopefully we can win," he concluded.

ENG vs SL, 1st Test: Dhananjaya, Rathnayake showed spirit, Vaughan lauds batters

ENG vs SL: Former England captain Michael Vaughan has lauded Sri Lanka captain Dhananjaya de Silva and Milan Rathnayake for showing incredible spirit in front of adversity. Sri Lanka were 6/3 in the first 10 overs but finished with 236 runs on the board in the 1st innings.

New Delhi Former England captain Michael Vaughan has lauded Sri Lanka's Dhananjaya de Silva and Milan Rathnayake for saving the team's blushes on Day 1 of the first Test match at Manchester. Playing on Wednesday, 21 August, Sri Lanka were in massive trouble after losing 5 wickets in the morning session of the game. However, the SL captain and the No. 9 batter joined forces to get the visitors up to 236 runs in the first innings.Vaughan, while speaking on the BBC said that he thought England would bat after Lunch the way Sri Lanka's wickets fell on Day 1. The former skipper lauded the duo of de Silva and Rathnayake for showing spirit and digging Sri Lanka out of trouble.

"It's been a funny old day. I thought England would be batting after lunch when Sri Lanka were 6-3. But, as with every Sri Lanka side that's ever been, they showed spirit," Vaughan said on BBC.The early resistance was forged by the Sri Lankan captain himself, who was the only batter of the day to look comfortable. De Silva hit 74 runs off 83 balls and added a crucial 63 runs with Rathnayake. The debutant medium pacer took matters into his own hands from there and added another 50 runs alongside Vishwa Fernando.

"The captain Dhananjaya de Silva made batting actually look quite easy, in the face of some really rapid bowling from Mark Wood. And Rathnayake was just brilliant, what a left-hander he is to come in at number nine," Vaughan lauded the batting pair.

While Sri Lanka did manage a 200+ total on board, Vaughan felt that was still too little. However, the former batter said that the proceedings will depend a lot on how the weather goes."I still feel like it's significantly under par but you just never know because there is rain about and that can often change things quite dramatically," concluded Vaughan.At the end of the first day, England were 22 for the loss of zero wickets and trailed England by 214 runs.

Tim Southee hails Jasprit Bumrah's injury comeback: Don't think anyone's better

UPDATED New Zealand's all-format captain Tim Southee heaped praise on India's star pacer Jasprit Bumrah, commending his remarkable performances across all formats since returning from a major injury. Bumrah, who was sidelined for much of 2022 due to a serious back injury requiring surgery, has not only made a successful comeback but has arguably been better than ever.Speaking at the Ceat Cricket Rating Award, Southee highlighted Bumrah's resilience and ability to return to top form after such a significant setback. Southee heaped extra praise on Bumrah's recent run of performances as he emphasised the challenges that come with playing across multiple formats, noting how difficult it can be to maintain high standards in all of them."To be able to firstly bounce back from the major injury and come back, he's even better than what he was beforehand...He seems to have been able to do that with ease as well...He's probably more experienced, understands his game a bit more," Southee said at Ceat Cricket Rating Award on August 21, Wednesday."We are just seeing a great

version (of Bumrah) across all three formats. He's brilliant across all three at the moment. I don't think there's anyone that he's better in (better than him), he is tremendous across all three (formats)," Southee added.Since his return in August 2023, Bumrah has been nothing short of sensational. He was a key player in India's 2023 ICC ODI World Cup campaign, where he took 20 wickets in 11 matches, showcasing his lethal ability with the ball. His performances were equally impressive in the 2024 T20 World Cup, where he played a pivotal role in India's triumph, picking up 15 wickets with an outstanding economy rate of 4.17, the best in the tournament for any bowler who bowled over 100 deliveries.Bumrah’s economy rate was particularly noteworthy, as it was the best for anyone who bowled 100-plus balls in a single edition of the men's T20 World Cup. His consistent brilliance earned him the Player-of-the-Tournament award, making him the first player to win this accolade at a T20 World Cup—men’s or women’s — without scoring a run.

Badminton, archery, boxing: India's Paris hopefuls falter, finish without medal

New Delhi After a historic performance at the Tokyo Olympics three years ago, where India set new records with a contingent of 117 athletes, hopes were high for an even better showing at the Paris Olympics 2024. There was anticipation that India might achieve a double-digit medal count for the first time in history. However, despite some bright moments, the campaign ended with six medals—one silver and five bronze.

The total medal count could still change, pending a decision on wrestler Vinesh Phogat's appeal for a silver medal. While India fell just one medal short of its Tokyo tally, the Paris Olympics marked its third-best performance at the Summer Games, following Tokyo 2020 and London 2012. India’s archery, badminton, and boxing teams were considered strong medal contenders, but none of these sports managed a podium finish in the recently-concluded Paris Games.

Archery

India's archery team faced another disappointing Olympic run. Deepika Kumari’s struggles on the Olympic stage continued, while Tarundeep Rai and Pravin Jadhav also failed to make a significant impact. Only Dhiraj Bommadevara and Ankita Bhakat, along with Bhajan Kaur to some extent, managed to enhance their reputations.The archery team’s closest brush with a medal came in the mixed team event, where they narrowly missed out on bronze, finishing fourth against the USA. This marked India’s first semifinal appearance in Olympic archery history—a notable achievement—but considering the substantial time and resources invested in this priority sport, the lack of a medal raises concerns.he archers themselves may not be entirely to blame. The federation, however, must answer for the low performance, especially regarding the absence of the high-performance director and the South Korean coach during the games.

Badminton

For the first time since 2008, India’s badminton contingent returned from the Olympics without a medal. Despite recent successes in team events, such as the Thomas Cup victory in 2022 and the Badminton Asia Team Championships in 2023, these achievements did not translate to individual glory in Paris.Lakshya Sen came closest to winning a medal but ultimately fell short in the bronze medal match.

Cristiano Ronaldo joins YouTube, gathers 1 million subscribers in 90 mins

Legendary footballer Cristiano Ronaldo shattered the record of fastest to 1 million subscribers on YouTube on Wednesday, 21 August. After launching his channel on the platform, Ronaldo gathers a million subscribers within 90 minutes.

New Delhi Legendary Portugal footballer Cristiano Ronaldo launched his YouTube channel on Wednesday, 21 August. The former Real Madrid star's fans flocked to YouTube to subscribe to his channel and learn what his life is like behind the scenes. The rush was so great that Ronaldo broke the YouTube record for fastest to 1 million subscribers. Ronaldo achieved the feat in just 90 minutes.Not only that, Ronaldo's channel now has over 11 million subscribers, less than a day after its launch. The football star had announced the start of his YouTube channel via his social media accounts where he has a massive following.

Ronaldo has 112.5 million followers on the X platform, 170 million on Facebook and 636 million on Instagram."The wait is over. My @YouTube channel is finally here! SIUUUbscribe and join me on this new journey," Ronaldo posted on his social media accounts.A couple of hours after posting his first video, 1.69M subscribers had joined the channel.One of the greatest footballers of all time, Ronaldo currently plays for Al Nassr in the Saudi Pro League. The footballer recently featured in the Euro 2024 but was not able to guide his team to a title.

Paris Olympian Archana Kamath Quits Table Tennis Due to Lack of Long-Term Stability in Sport; Set to Pursue Academics

After deeming that there is no feasible future where she can thrive financially, and seemingly with no guarantee of an Olympic medal anytime soon, the 24-year-old decided to call it quits.

New Delhi After a historic outing at the 2024 Paris Olympics, where the Indian Women’s Table Tennis team made history by surpassing the round of 16 for the first time ever, star player Archana Kamath has decided to quit the sport and pursue higher studies abroad.Kamath, at 24 years of age, was the only player to win a game in the Women’s Team Quarterfinals, where the Indians fell to Germany 1-3 and ended their campaign at the Paris Olympics.It is said that after her Paris Olympics campaign, the star paddler had an honest conversation with coach Anshul Garg about her future in the sport.After deeming that there is no feasible future where she can thrive financially, and seemingly with no guarantee of an Olympic medal anytime soon, the 24-year-old decided to call it quits.“I told her that it’s difficult. It’s going to take a lot of hard work. She’s ranked outside the top 100 in the world but she improved so much in the past couple of months. But I think she had already made up her mind to go. And once she makes up her mind, it’s difficult to change it,” Garg was quoted as saying byKamath’s selection into the Indian team itself was one that was hotly debated, as she was picked over Ayhika

Mukerjee, who had beaten World No.1 Sun Yingsha.But regardless of it all, the youngster has now decided that perhaps pursuing a degree abroad might just be the best course of action for her long-term future in this sporting climate.“My brother works at NASA. He’s my idol and he too encourages me to study. So I make the time to complete all my studies and I enjoy it. I’m good at it too,” Kamath had told earlier this year.What Kamath’s decision does do though, is raise questions about the growth of the sport in India and where it will be economically feasible for someone to pursue a career in the same over a long term.Coach Anshul Garg believes that there is a need for proper structure in order to protect the pipeline of promising young players coming up the ranks.“The top players generally don’t have any problem because they get a lot of support. But what about the upcoming players? Yes, they get support in terms of training and equipment. No expense is spared there but what about a livelihood? That gets difficult so Archana’s decision is understandable,” Garg said.

Urvashi Rautela

Trolled For Getting Admitted In Hospital For a Minor Cut: 'Overacting Ki Dukaan'

Urvashi Rautela left netizens confused on Wednesday when she took to her Instagram handle and dropped a video, revealing she has been hospitalised in Mumbai. The video showed the actress getting admitted to a hospital for a minor cut on her finger. In the clip, she sitting on a sofa, reading something with a mask on her face. Not just this, in the caption of her post, Urvashi wrote, "PRAY FOR ME".However, the snippet did not go well with the netizens. Soon after the video was shared, netizens trolled the actress. While one of the users sarcastically wrote, "surgery needed", another user called her "overacting ki dukan". "First Indian woman to admit in hospital after a small cut on finger," a third comment read. "Areee kaafi khoon beh gaya, donor to nahi chahiye?" wrote another. "Praying for your slower recovery," one of the comments read.Last month too, Urvashi was hospitalised in Hyderabad after she suffered an injury while shooting an acion sequence while working on Nandamuri Balakrishna's upcoming Telugu film NBK 109.Interestingly, Urvashi Rautela's hospitalisation comes a year after cricketer Rishabh Pant's tragic accident. Back then, the actress shared a black and white photo featuring Mumbai's Kokilaben Dhirubhai Ambani Hospital and Medical Research Institute, where Pant was admitted. Urvashi's mother also took to social media and dropped a picture of the hospital and wrote, "Everything is all right don't worry beta @urvashirautela.However, the mother-daughter duo was brutally trolled by many who accused them of stalking Pant. "This is mental harassment. If a man did this, he'd either be in jail or have a Netflix crime documentary in his name," one of the Twitter users had written.

Reportedly, Urvashi and Rishabh dated each other in the past but parted ways on an ugly note. However, Pant has often maintained that he does not know the Bollywood diva.Urvashi once mentioned that an 'RP' had her waiting for hours, which made people think that it was directed towards the cricketer. However, later, she clarified that the RP in her life was her co-star Ram Pothineni. Besides this, the Bollywood actress was also in Australia around the same time when Rishabh Pant was there for team India's match.

Rani Mukerji

Kajol's Cousin Samrat Mukerji Clarifies He's Not Involved In Kolkata Accident: 'It's Not Me'

Tollywood actor Samrat Mukherjee was arrested early Tuesday after his car hit a motorcycle in Behala. Some speculated he was Rani Mukerji and Kajol's cousin, Samrat Mukerji. However, he clarified in an interview with Etimes that he's based in Mumbai and not involved in the incident.Samrat clarified the matter and said, "I would like to clarify met with an accident is not me. The actor Samrat Mukherjee is based in Kolkata and I am a filmmaker owner of Filmalaya studios, based in Mumbai. Since morning I have been getting calls and tired now, telling them how I am not the same Samrat. It is reported that the actor who met with an accident belongs to our family it is not true. I would like to tell everyone, I am safe and based here in Mumbai. The actor Samrat Mukherjee does not belong to our family."

He clarified that many have confused him with the Bengali actor involved in the incident and assured everyone that he is safe in Mumbai. Meanwhile, the Bengali actor with the same name was arrested after his car hit a motorcycle in Kolkata. The motorcyclist was taken to the hospital for treatment.

The accident

The 29-year-old motorcyclist from Vidyasagar Colony in Behala was initially taken to MR Bangur Hospital and then moved to SSKM Hospital. Witnesses said Mukherjee was driving from Behala Chowrasta towards Tollygunge when he lost control and hit the motorcycle. Police arrested him on charges of reckless driving and causing serious injury. The actor was also given a medical exam.

'End Of Humanity': Marathi Celebrities Condemn Badlapur Sexual Assault Case, Seek Justice

The entire state of Maharashtra is shaken by the inhuman incident involving two girls at a school in Badlapur. On August 13, a sanitation worker sexually assaulted two girls. As per media reports, the two girls are currently undergoing treatment in a hospital. People are protesting in the streets, seeking severe punishment for the perpetrator. As a part of the protest, a 10-hour demonstration took place at Badlapur railway station on August 20. Previously, the country was shocked by the rape case involving a doctor in Kolkata, which attracted widespread protests across the country. Similarly, the Badlapur incident has also seen thousands of people expressing their outrage on social media. Several Marathi celebrities condemned the incident and expressed their anger.The celebrities posted on their social media handle, asking for severe punishment. Actor Prasad Oak posted a story on his social media handle to share the details of the incident. He also demanded justice through his post. He wrote, "Two 4-year-old Girl child was raped in Badlapur Mumbai. The school is named Adarsh School Vidya Mandir. This was done by the school worker who cleans the toilets and washrooms, those two rapists are in the custody of Badlapur Police, and the two innocent 4y/o girls are admitted to the hospital. This was done on 13th August 2024."

Popular actor Abhijit Kelkar, who often writes about several social issues on social media, also posted about the incident seeking justice. He wrote, "If the act itself is brutal and inhuman, why should the punishment be humane?" when translated to English.Chandramukhi fame actress Surabhi Bhave also expressed her anger on social media. She mentioned that the offenders should be hanged to death immediately. Surabhi wrote, "In Badlapur, two 3-and-a-half-year-old girls were sexually assaulted at their school.

Game of Thrones Actor Iain Glen Lands Major Role In Anupam Kher's Tanvi: The Great

After helming Om Jai Jagadish in 2002, Anupam Kher is returning to the director's chair with a new film called Tanvi: The Great. While details about the film's plot and cast are under wraps, Anupam has often shared updates about the project since its announcement on his 69th birthday in March this year. Now, a Pinkvilla report suggests that Iain Glen, known for his role as Jorah Mormont in Game of Thrones, has been roped in to play an important role in the upcoming film.Interestingly, Iain has already begun working with the cast and crew in Mumbai. The upcoming Bollywood film won't be Iain and Anupam's first collaboration, they previously worked together on the British TV series Mrs Wilson.

A source close to the production revealed, "Glen will be playing a substantial role in the film. Anupam Kher has got all celebrated people in his team – from Oscar Winning, MM Keervani to do the music, to Academy Winner, Resul Pookuty as Sound Designer, among many more.

Iain Glen joining the cast has just added more excitement."While announcing Tanvi: The Great, Anupam Kher shared a sweet video of himself receiving blessings from his mother before beginning the project. Sharing the heart touching video on Instagram, The Kashmir Files star wrote, "I proudly announce the name of the film I have decided to direct. Some stories find their path and compel you to share it with the world. And the best way I thought to start is by taking the blessings of my mother in her temple with my father's pic blessing me too. Have been working on this musical story of Passion, Courage, Innocence and Joy for the last three years."

Other than MM Keervani and Resul Pookuty, Anupam Kher also roped in action director Sunil Rodrigues, lyricist Kausar Munir and Japanese cinematographer Keiko Nakahara for Tanvi: The Great.Anupam's directorial debut Om Jay Jagadish, featured Waheeda Rehman, Anil Kapoor, Fardeen Khan, Abhishek Bachchan, Mahima Chaudhry, Urmila Matondkar and Tara Sharma.